हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 2 मार्च 2025

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखे
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कुली बनकर कुलियों से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचे और

वहां पर उन्होंने कुलियों से मुलाकात की। इससे पहले उन्होंने कुलियों की पोशाक पहनी और यात्रियों का सामान भी उठा। उन्होंने कुलियों से करीब 40 मिनट तक बातचीत की और उनकी परेशानियों के बारे में जानकारी ली। एक कुली दीपेश मीणा ने कहा कि हम बहुत खुश हैं।

हैदराबाद में घर में आग लगने से तीन की मौत

हैदराबाद। पुष्पलगुडा में एक घर में तीन सिलेंडर फटने से आग लग गई। पुलिस के मुताबिक, इमारत में

कुल आठ सदस्य मौजूद थे, जिनमें से एक सात वर्षीय लड़की सहित परिवार के तीन सदस्यों की दम घुटने से मौत हो गई। जबकि पांच लोगों को दमकलकर्मियों, पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों ने बचा लिया।

◆ आठ फीट बर्फ और लगातार होती भारी बर्फबारी, तापमान माइनस जैसी विषम परिस्थितियों में सेना और आईटीबीपी के जवान हिमस्खलन में दबे मजदूरों को निकालने में जुटे

6 हेलीकॉप्टरों से चलाया जा रहा बचाव अभियान

50 मजदूर निकाले, चार की मौत, तीन कंटेनर नहीं हो पा रहे ट्रेस, 5 की तलाश

सीएम धामी ने कहा कि पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ भी श्रमिकों की सुरक्षित निकासी के लिए चिंतित हैं और नियमित अपडेट ले रहे हैं

रेस्क्यू अभियान में एक नागरिक हेलीकॉप्टर को भी शामिल किया गया

एजेंसी ⏭ जोशीमठ (चमोली)

उत्तराखंड के चमोली में हुए हिमस्खलन में मांड़ा गांव में 55 मजदूर फंस गए थे। मजदूरों के बचाने के लिए 6 हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। अब तक 50 मजदूरों का रेस्क्यू कर लिया गया है। हालांकि, रेस्क्यू किए गए 50 में से चार मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, फंसे हुए 5 मजदूरों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। मजदूरों को बचाने के लिए आइबेक्स ब्रिगेड की बचाव टीम के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। हेलिकॉप्टरों में भारतीय सेना विमानन के 3 चीता वायु सेना के 2 चीता हेलिकॉप्टर शामिल हैं।

दिल्ली से सेना की जीपीआर रडार, ग्राउंड पेनीट्रेशन रडार मशीन मंगवाई गई है, जो बर्फ के अंदर कंटेनरों को ट्रेस करने में मदद करेगी

हेलिकॉप्टरों में भारतीय सेना विमानन के 3 चीता हेलिकॉप्टर, वायु सेना के 2 चीता हेलिकॉप्टर शामिल

◆ कंटेनरों की तलाश के लिए आर्मी के स्निफर डॉग्स की तैनाती

सीएम धामी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी श्रमिकों की सुरक्षित निकासी के लिए चिंतित हैं और नियमित अपडेट ले रहे हैं। पांच कंटेनरों को ट्रेस कर श्रमिकों को सुरक्षित निकालने में राहत और बचाव दलों को सफलता मिली है। अत्यधिक बर्फ होने के कारण तीन कंटेनर ट्रेस नहीं हो पा रहे हैं। आर्मी, आईटीबीपी द्वारा इन कंटेनरों का पता लगाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। कंटेनरों की तलाश के लिए आर्मी के स्निफर डॉग्स की तैनाती की गई है। आर्मी की 3 टीमें द्वारा सघन पेट्रोलिंग की जा रही है। दिल्ली से सेना की जीपीआर रडार, ग्राउंड पेनीट्रेशन रडार मंगवाई गई है।

गोचर हवाई पट्टी अलर्ट मोड पर

आठ फीट बर्फ और लगातार होती भारी बर्फबारी, तापमान माइनस जैसी विषम परिस्थितियों में सेना और आईटीबीपी के जवान हिमस्खलन में दबे मजदूरों को निकालने में जुटे हैं। माणा हिमस्खलन को लेकर गोचर हवाई पट्टी को अलर्ट मोड पर रखा गया है। गोचर में प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, फायर की टीमें तैनात हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी चमोली जिले में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का निरीक्षण करने के बाद देहरादून के आईटी पार्क स्थित आपदा नियंत्रण कक्ष पहुंचे।

हाई एल्टीट्यूड रेस्क्यू के लिए 3 टीमें तैनात

चमोली के माणा में हुए हिमस्खलन को देखते हुए एसडीआरएफ मुख्यालय जौलीग्रांट से अलर्ट जारी करते हुए तीन हाई एल्टीट्यूट रेस्क्यू टीमों को जौलीग्रांट, सहस्रधारा और गोचर में तैनात किया गया। मौसम साफ होते ही टीमों ने हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू उपकरणों के साथ उड़ान भरी। गोचर और सहस्रधारा में आठ-आठ लोगों की दो टीमों और जौलीग्रांट मुख्यालय में बटालियन की दस लोगों की एक टीम को तैनात किया गया है। इन टीमों को सेटेलाइट फोन और बर्फ में रेस्क्यू के लिए जरूरी उपकरणों के साथ तैनात किया गया है। वहीं, एसडीआरएफ में अलर्ट जारी किया गया।

[मप्र का माथा 'ऊंचा']

ग्वालियर डीआरडीओ ने कर दिया कमाल!

रसायनिक युद्ध से बचाने के लिए बनाई 'नई डिवाइस'

- *भारत इस डिवाइस को स्वदेशी तकनीक से विकसित करने वाला दुनिया का चौथा देश बना*
- *स्वदेश में बने डिटेक्टर और अलार्म में 80% से अधिक स्वदेशी घटक इस्तेमाल हुए*

हरिभूमि न्यूज ⏭ ग्वालियर

यहां स्थित देश के रक्षा संस्थान डीआरडीओ की डीआरडीई लैब ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा कदम बढ़ाया है। आगामी समय में न्यूक्लियर, जैविक और रासायनिक युद्ध का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

इस तरह के युद्ध का खतरा होने पर अलर्ट करने और अधिक से अधिक बचाव के लिए ग्वालियर के साइंटिस्ट डॉ. सुशील बाथम की टीम ने एसीएडीए (ऑटोमेटिक केमिकल एजेंट डिटेक्टर और अलार्म) विकसित किया है। ये उपकरण आयन मोबिलिटी स्पेक्ट्रोमेट्री के सिद्धांत पर काम करता है। यह डिवाइस एसीएडीए हवा में घुले केमिकल के बारीक कणों को भी कैच कर ऑडियो और वीडियो रूप में अलर्ट जारी करेगा। भारत इस डिवाइस को स्वदेशी तकनीक से विकसित करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। स्वदेशी रूप से विकसित किया गया यह उत्पाद आई-डीडीएम, 'मेक इन इंडिया' और 'आत्म निर्भर भारत' मिशन की दिशा में एक लंबी छलांग है।

अलग खबर

सेना व वायुसेना से 80 करोड़ की डील

हाल ही में भारतीय सेना और वायु सेना ने एसीएडीए की 223 यूनिट की खरीद के लिए ऑर्डर दिया है। यह डील लगभग 80 करोड़ रुपए में हुई है। रासायनिक हमले की स्थिति में जानमाल की हानि कम करने के लिए इसकी तत्काल पहचान आवश्यक है।

अलार्म में 80% से अधिक स्वदेशी घटक का इस्तेमाल

रासायनिक हमले की पहचान करने में एसीएडीए एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अब तक भारतीय सशस्त्र बलों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को इन डिटेक्टर को दुनिया भर में उपलब्ध तीन निर्माताओं (अमेरिका-जर्मनी) से आयात करना पड़ता था।

2015 में मिली थी बाथम को कामयाबी

'अकाडा' को विकसित करने वाले साइंटिस्ट डॉ. सुशील बाथम मूल रूप से ग्वालियर के रहने वाले हैं। उन्होंने 2010 में 'अकाडा' को विकसित करने पर फोकस किया था। साल 2015 में उनको कामयाबी मिली। डिवाइस बनाने में 25 से 30 लाख रुपए का खर्च आया है। काम के प्रति साइंटिस्ट डॉ. सुशील बाथम की लगन का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दिसंबर 2022 में वह अपने प्रोजेक्ट के चलते बेंगलुरु में थे। उसी समय परिवार में गमी हो गई थी। ऐसे में वह अंत्येष्टि कार्यक्रम में नहीं आ सके थे। बाद में सिर्फ कुछ घंटों के लिए आए और वापस प्रोजेक्ट पर काम करने चले गए।

कुत्ते की वफादारी ऐसी... } मालिक को बचाने बाघ से भिड़ गया पालतू जर्मन शेफर्ड...और जान दे दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ उमरिया

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगे भरहुत गांव में एक पालतू कुत्ते ने स्वामिभक्ति और बहादुरी की अनोखी मिसाल पेश की। भरहुत गांव का युवक शिवम बड़गैया अपने पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते के साथ घर के बाहर टहल रहा था, तभी अचानक जंगल से एक बाघ गांव में घुस आया और वह शिवम पर हमला करने के लिए झपटा।

हालात को भांपते हुए जर्मन शेफर्ड ने अपनी जान की परवाह किए बिना बाघ का सामना किया। वह जोर-जोर से भौंकने लगा, जिससे बाघ कुछ देर के लिए स्तब्ध हो गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद बाघ ने युवक को छोड़कर कुत्ते की ओर दौड़ लगा दी। कुत्ते ने बहादुरी दिखाते हुए बाघ से लड़ने की पूरी कोशिश की, लेकिन बाघ ने उसे जबड़े में दबाकर गांव के बाहर तक घसीट लिया। कुत्ते की हिम्मत और संघर्ष को देखते हुए बाघ ने थक-हारकर उसे छोड़ दिया और जंगल की ओर लौट गया। इस बीच, कुत्ता गंभीर रूप से घायल हो गया था।

बाघ ने लड़ते हुए कुत्ते को जबड़े में दबाकर गांव के बाहर तक घसीट कर ले गया और फिर उसे वहीं छोड़कर लौट गया

मालिक शिवम तुरंत उसे जिला मुख्यालय लेकर पहुंचे, जहां पशु चिकित्सक ने उसका इलाज किया। हालांकि, गहरे जख्मों के कारण कुछ घंटों बाद कुत्ते ने दम तोड़ दिया। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में इन दिनों बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते बाघ अब जंगल से रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं।

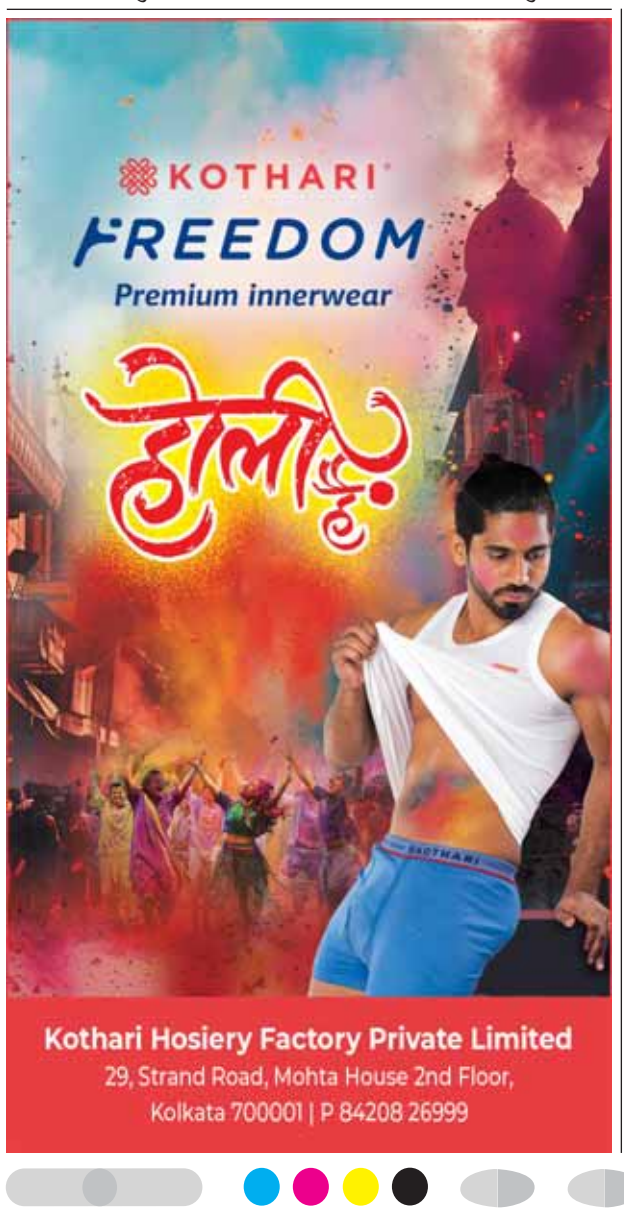

मोहन सरकार का बड़ा निर्णय

15 मार्च से 26 सौ रुपए प्रति क्विंटल गेंहू खरीदेगी सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

एमएसपी पर इस साल 80 लाख मीट्रिक टन गेहूं की होगी खरीद

मप्र में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में गेहूं की समर्थन मूल्य पर एक साथ 15 मार्च से खरीदी होगी। इससे पहले इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम व भोपाल संभाग में एक मार्च तथा बाकी संभागों में 17 मार्च से खरीदी की घोषणा हुई थी। किंतु गेहूं की फसल कटाई पूर्ण नहीं होने की वजह से सभी जिलों में एक साथ 15 मार्च से खरीदी कराने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि गेहूं खरीदी अब 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर होगी। इसमें 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस होगा। राज्य सरकार ने मंडियों में आ रहे गेहूं में नमी का प्रतिशत अधिक होने के कारण किसानों को असुविधा से बचाने 15 मार्च से एक साथ खरीदी कराने का निर्णय लिया है। ऐसा इसलिए और है कि अभी समर्थन मूल्य उपार्जन के लिए भारत सरकार की ओर से निर्धारित नमी की मात्रा से अधिक नमी आ रही है।

- राज्य में एक साथ सभी जिलों में बनेंगे खरीदी केंद्र

◆ 2425 रुपए घोषित हुआ सरकारी समर्थन खरीदी मूल्य

रबी विपणन वर्ष 2025-26 में भारत सरकार की ओर से समर्थन मूल्य में 150 प्रति क्विंटल की वृद्धि करते हुए 2425 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। पिछले साल यह दर 2275 रुपए ही थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली किसान हितैषी प्रदेश सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों के हित में बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य 2425 रुपए के अतिरिक्त 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों से 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जाएगी।

PATANJALI wellness
Yoga, Ayurveda & Naturopathy
योग ग्राम व निरामयम्

एलोपैथिक डॉक्टर्स के लिए होली तक
उपचार का विशेष उपहार

MD, MBBS, सर्जन, डेंटिस्ट, डर्माटोलॉजिस्ट, ENT, ओफ्थाल्मोलॉजिस्ट, आर्थोपेडिक, गाइनीकॉलोजिस्ट, कार्डियोलॉजिस्ट ऐसे एलोपैथी डॉक्टर्स के लिए पतंजलि वेलनेस, निरामयम् व योगग्राम में स्पेशल डिस्काउन्ट।

सेवारत डॉक्टरों के लिए 50% की छूट | सेवानिवृत्त डॉक्टरों के लिए 100% मुफ़्त

जिनसे मानवता का हित, उनके लिए हम समर्पित

रोगों से पीड़ित, मानवता की सेवा में लगे डॉक्टर्स को सनातन संस्कृति में हम भगवान स्वरूप मानते हैं परन्तु हृदय को पीड़ा देने वाली वेदना यह है कि रोगियों की सेवा करते-करते डॉक्टर्स भी रोगी हो जाते हैं। अति व्यस्तताओं के चलते हेल्दी लाइफस्टाइल, योग, हेल्दी फूड हैबिट्स को फॉलो ना कर पाने के कारण से वे बीपी, थायरॉइड, शुगर, अस्थमा, लीवर, किडनी, हार्ट प्रॉब्लम्स, सर्वाइकल पेन और ओबेसिटी जैसे रोग चक्र में घिर जाते हैं।

हम अत्यन्त स्नेह, सम्मान व करुणा पूर्वक सभी डॉक्टर्स को पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम् में आमंत्रित करते हैं

इस आश्वासन के साथ कि हम वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ, इनकी सभी लाइफस्टाईल और इंक्यूरेबल डिज़ीज़ेज को मैनेज करें और रिवर्स व डीरूट करें एवं पंचकर्म, षट्कर्म के द्वारा वे शुद्धिकरण करें। जो समर्थ हैं उनको भी 50% डिस्काउन्ट करके, एक-एक व्यक्ति को प्रतिदिन 10 थेरेपियां देते हैं जो कि 5 से 10 हजार रुपए (वैल्यू) की होती हैं। प्रतिदिन शिरोधारा, अभ्यंग, बाह्य एवं आंतरिक बस्ती, हाइड्रोथेरेपी, कोलोन थेरेपी, श्रृंगी, वात मोक्षण, रक्त मोक्षण, एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर, ओजोन थेरेपी, यज्ञ थेरेपी एवं ऐसी अनेक रोगानुसार थेरेपीज द्वारा डिटॉक्स करें और ऋषियों की योग, आयुर्वेद की विरासत को एक्सपीरियंस करें।

विशेष- जो गवर्नमेंट या प्राइवेट जॉब के बाद रिटायर्ड डॉक्टर हैं एवं जिनके पास आर्थिक संसाधन नहीं है उनके लिए योग, आयुर्वेद, पंचकर्म, षट्कर्म का 100% फ्री ट्रीटमेन्ट उपलब्ध करवा कर के हम उनकी सेवा का सौभाग्य पाना चाहते हैं।

नोट- टाईप I डायबिटीज़, लीवर, किडनी फेलियर, कैंसर, ऑटो इम्यून डिज़ीज़ के पेशेन्ट के लिए 25% off (डिस्काउन्ट) केवल मार्च महीने में उपलब्ध रहेगा।

पतंजलि वेलनेस में साप्ताहिक उपचार व रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें

8954666111, 8954666222, 8954666333 (कॉल करने का समय प्रातः 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक)

या विज़िट करें: www.patanjaliwellness.com | booking@patanjaliwellness.com

यदि आप ऑनलाइन पेमेंट करना नहीं जानते हैं, तो यहाँ सीधे आकर डायरेक्ट रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों को दी बड़ी सौगात
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
किसान आभार सम्मेलन
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
गेहूं उपार्जन पर ₹175 प्रति क्विंटल बोनस देगी प्रदेश सरकार
गेहूं खरीदी मूल्य ₹2600 प्रति क्विंटल निर्धारित
खरीफ 2024 के धान उपार्जन पर ₹4000 प्रति हेक्टेयर दी जायेगी प्रोत्साहन राशि
अन्नदाता की खुशहाली के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देता मध्यप्रदेश
2 मार्च 2025 | दोपहर 12:00 बजे
मुख्यमंत्री निवास, भोपाल
31 मार्च 2025 तक
गेहूं उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन
15 मार्च से 5 मई 2025 तक
प्रदेश स्तरीय गेहूं उपार्जन
D-11205/24
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP

जबलपुर
रविवार, 2 मार्च 2025
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष -2
वर्ष : 19, अंक : 297
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 33
न्यून. 18

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

13 द.अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने...
14 प्रयागराज से लौटा कर्नाटक का श्रद्धालु बरगी डेम में डूबा

धान पर 4 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर मिलेगा अतिरिक्त लाभ

मुख्यमंत्री ने बालाघाट में 326 करोड़ 60 लाख रुपए के 117 विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन और लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बालाघाट के किसान सम्मेलन में किसानों को कई सौगातें दी। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में धान उत्पादक किसानों को 4 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त लाभ दिया जाएगा। जबकि गेहूं उत्पादक किसानों को प्रति क्विंटल 175 रुपए अतिरिक्त बोनस राशि भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूल्य संवर्धन योजना (प्राइस सपोर्ट स्कीम) के तहत वर्ष 2024 में 6.69 लाख किसानों ने 12.2 लाख हेक्टेयर रकबे में उत्पादित धान का विक्रय किया है। इससे किसानों को 488 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को बालाघाट पहुंचे थे। उन्होंने बालाघाट में 326 करोड़ 60 लाख रुपए के 117 विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने 1412 दिव्यांगजनों और 1040 वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण वितरित करने के साथ अन्य विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में एक लाख सरकारी पदों पर भर्ती की जा रही है। आने वाले 5 वर्षों में 2 लाख 70 हजार पदों पर विभिन्न सेक्टर में रोजगार उपलब्ध कराए जाएंगे। हमारी सरकार वर्ष 2028 तक सरकार 70 प्रतिशत युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता पूर्वक कार्य कर रही है।

■ मुख्यमंत्री कृषक प्रोन्नति योजना

5 वर्षों में 2 लाख 70 हजार युवाओं को मिलेगी नौकरियां, एक लाख सरकार पदों पर भर्ती जारी

नक्सलवाद के पैर नहीं जमने देंगे

डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में नक्सलवाद के पैर किसी भी कीमत पर जमने प्रदेश में नहीं देंगे। नक्सलवाद के समूल नाश के लिए कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह संभव नहीं हो सकेगा कि नक्सलवादी किसी और प्रदेश से आकर मध्यप्रदेश में रह पाएं। उन्होंने पुलिस प्रशासन को इसके लिए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

मजदूरों से भरा वाहन पलटा, 20 घायल

दमोह। जिले के रनेह-पटेरा मार्ग पर मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और 20 से अधिक मजदूर घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। दूसरी घटना दमोह-छतरपुर हाईवे पर हुई, जहां एक ट्रक ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे पांच मजदूर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों मामलों की जांच शुरू कर दी है।

इंदौर में 2 रु. प्रति लीटर महंगा हुआ दूध

इंदौर। शनिवार से इंदौर शहर में दूध के दाम में दो रुपए प्रति लीटर की वृद्धि हो गई है। शहर में दूध व्यापारी संगठनों ने दाम बढ़ाने की घोषणा की है। इंदौर दूध विक्रेता संघ और मप्र दुग्ध व्यवसायी संघ ने घोषणा की है कि एक मार्च से दुकानों पर दूध की बिक्री 62 रुपए प्रति लीटर के दाम पर और बंदी का दूध 60 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से मिलेगा।बंदी के दूध में सेवा शुल्क अलग से लिया जाएगा।

सड़क दुर्घटना में 5 तीर्थयात्रियों की मौत

चामराजनगर (कर्नाटक)। जिले में माले मदेश्वर मंदिर जा रहे पांच तीर्थयात्रियों की शनिवार को उस समय मौत हो गई, जब उनकी कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना जिले के कोल्लेगल तालुका के चिक्किंदुमडी में हुई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह के लिए पहाड़ी पर स्थित मंदिर जा रहे थे।

जहर से मुक्ति : पीथमपुर में यूका का जहरीला कचरा जलाने का काम शुरू

अब तक 3240 किलो कचरा जला 21000 लीटर डीजल की हुई खपत

> इन्सीनरेटर का संचालन निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए किया जा रहा है। रासायनिक कचरा जलाने की प्रक्रिया शुरू करने से पहले प्रशासनिक दल ने रामकी कंपनी का दौरा कर जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

धार में स्थित पीथमपुर में भोपाल की यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने का सिलसिला शुरू हो गया है। भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अमले की मौजूदगी में यह कार्य शुरू किया गया। हाईकोर्ट जबलपुर द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में यूनियन कार्बाइड भोपाल के अपशिष्ट का ट्रायल औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के डिस्पोजल पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट के इन्सीनरेटर में शुरू किया गया। शनिवार को अपरान्ह 3:00 बजे तक 3240 किलोग्राम अपशिष्ट का दहन किया जा चुका है। अपशिष्ट दहन हेतु लगभग 400 से 500 प्रतिघंटे डीजल की खपत हो रही है।

135 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से अपशिष्ट की फीडिंग

कचरा जलाने की रिपोर्ट मप्र हाईकोर्ट में पेश की जाएगी

चिमनी से उत्सर्जन निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाया जा रहा

◆ फ्लू गैसेस की सफाई हेतु लगभग 3.6 टन लाइम, 1.8 टन एक्टीवेटेड कार्बन तथा 24 किलोग्राम सल्फर का उपयोग

कई गैसें निकल रहीं पर वे निर्धारित मात्रा में ही

इन्सीनरेटर के संचालन से उत्पन्न होने वाली फ्लू गैस के शोधन के लिए स्थापित व्यवस्थाएं सभी प्रभावी ढंग से संचालित हो रही हैं तथा चिमनी से हो रहे उत्सर्जन की लगातार जांच के लिए ऑनलाइन कंटीन्यूअस इमीशन मॉनिटरिंग सिस्टम संचालित है, जिसके द्वारा कार्बन मोनो ऑक्साइड, कार्बन डाई ऑक्साइड, ऑक्सीजन, हाइड्रोजन फ्लोराइड, हाइड्रोजन क्लोराइड, पर्टिकुलेट मेटर, सल्फर डाई ऑक्साइड, नाइट्रोजन के ऑक्साइड, टोटल ऑर्गेनिक कार्बन की जांच की जा रही है तथा रिजल्ट मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सर्वर पर प्राप्त हो रहे हैं, जिनके रिजल्ट्स निर्धारित मात्रा पर पाए जा रहे हैं।

केंद्र व राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कर रहे निगरानी

यूनियन कार्बाइड की फीडिंग 28 फरवरी को अपराहन्ह 3:00 बजे से 135 किलोग्राम/घंटे की दर से की जा रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित एसओपी के अनुसार अपशिष्ट का डिस्पोजल कराया जा रहा है। डिस्पोजल के दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकरियों द्वारा मॉनिटरिंग एवं निगरानी कार्य किया जा रहा है। मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय श्रीनिवास द्विवेदी ने 'हरिभूमि' को बताया कि अपशिष्ट के साथ लगभग 3240 किलोग्राम लाइम भी मिलाकर दहन किया जा चुका है।

एक घंटे में 30 बैग इन्सीनरेटर में डाले जा रहे

अपशिष्ट के दहन के दौरान चिमनी से हो रहे इमीशन की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, जिसके लिए ऑनलाइन कन्टीन्युअस इमीशन मॉनिटरिंग सिस्टम संचालित है। चिमनी से उत्सर्जन निर्धारित मानक सीमा के भीतर पाए जा रहे है। निर्धारित तापमान प्राप्त होने पर शुक्रवार 28 फरवरी तीन बजे से यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट को जलाना शुरू किया गया है। 135 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से अपशिष्ट की फीडिंग की जा रही है, जिसमें 4.5 किलोग्राम अपशिष्ट में 4.5 किलोग्राम चूना मिलाकर यानी नौ किलोग्राम के बैग बनाए गए तथा एक घंटे में 30 बैग इन्सीनरेटर के प्राथमिक दहन कक्ष में डाले जा रहे हैं।

◆ 6,471 करोड़ रुपए मूल्य के नोट ही अब जनता के पास बचे

आरबीआई ने साफ किया: 2000 रु. के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे, अब तक 98.18% नोट 'वापस' आए

19 मई 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपए मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने का ऐलान किया था

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अपने ताजा अपडेट में कहा है कि 19 मई 2023 को कारोबार बंद होने के दौरान 2000 रुपए के 3.56 लाख करोड़ रुपए के नोट मौजूद थे। 28 फरवरी 2025 को कारोबार बंद होने के दौरान बाजार में मौजूद 2000 के नोटों की संख्या घटकर 6,471 करोड़ रुपए हो गई है। 2000 रुपये के 98.18 प्रतिशत नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं और केवल 6,471 करोड़ रुपए मूल्य के नोट ही अब जनता के पास बचे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने शनिवार इसकी जानकारी दी। 19 मई, 2023 को भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपए मूल्यवर्ग के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने का ऐलान किया था।

अभी भी नोट जमा करने व बदलने की सुविधा

2000 रुपए के बैंक नोट जमा करने और/या बदलने की सुविधा 7 अक्तूबर 2023 तक सभी बैंक शाखाओं पर उपलब्ध थी। फिलहाल, यह सुविधा रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। 9 अक्तूबर 2023 से, आरबीआई के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपए के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं।

भारतीय डाक के जरिए भी भेजे जा सकते हैं नोट

इसके अलावा, आम लोग भारतीय डाक के जरिए देश के किसी भी डाकघर से 2000 रुपए के नोट को अपने बैंक खाते में जमा कराने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के किसी भी कार्यालय में भेज सकते हैं। आरबीआई ने साफ किया है कि 2000 रुपए के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

अब सिनेमा हॉल में एड से मिलेगा छुटकारा, हाईकोर्ट का निर्देश

सिनेमा हॉल संचालन से संबंधित नियमों में बदलाव की जरुरत

मूवी टिकट में फिल्म शुरू होने का 'सही समय' लिखा जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है कि मूवी टिकट में फिल्म शुरू होने का सही समय लिखा जाए। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि दर्शकों को विज्ञापन देखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ के निर्देश के बाद सिनेमा प्रेमियों के चेहरे खिल उठे हैं। कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि सिनेमा टिकट पर फिल्म के शो का सही समय स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए। इससे दर्शकों को यह पता चलेगा कि फिल्म कब शुरू होगी और वे अपने समय का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। साथ ही 15 से 20 मिनट एड देखने से बचेंगे। कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया कि सिनेमा हॉल संचालन से संबंधित नियमों में बदलाव की जररूत है, ताकि दर्शकों को बेहतर अनुभव मिल सके। इन बदलावों से सिनेमा हॉल में दर्शकों की शिकायतों में कमी आएगी और उन्हें अधिक सुविधा मिलेगी। वर्तमान में, कई थिएटरों में शो का समय सही ढंग से नहीं बताया जाता है। जिससे दर्शक 15 से 20 मिनट तक केवल एड ही देखता है। इसके बाद फिल्म शुरू होती है।

आग कैसे लगी? कितने का नुकसान? पता लगाया जा रहा

गोविंदपुरा की केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग

■ यह प्रेम चावला की केमिकल फैक्ट्री

पांच घंटे की मशक्कत के बाद काबू

भोपाल। गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक केमिकल फैक्ट्री में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि उसकी लपटें करीब चालीस फीट ऊंची तक उठ रही थी। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की करीब दर्जनभर गाड़ियों ने पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग से कितना नुकसान हुआ है इसका आकलन किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र अशोका गार्डन में प्रेम चावला की केमिकल फैक्ट्री है।

महंगाई का झटका! 6 रुपए बढ़ाए गए

1 मार्च से देश भर में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के बढ़े दाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

तेल कंपनियों ने 1 मार्च 2025 से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी की है। दिल्ली से लेकर कोलकाता तक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में 6 रुपए बढ़ाए गए हैं। हालांकि, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के पिछले पांच सालों के प्राइस ट्रेंड पर नजर डालें, तो मार्च 2025 में सबसे कम बढ़ोतरी की गई है। इंडियन ऑयल की ओर से जारी नए रेट के अनुसार, दिल्ली में 1 मार्च 2025 से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम 1803 रुपए हो गए हैं, जो फरवरी में 1797 रुपए में मिलता था।

भोपाल में सिलेंडर के दाम	
पहले	1802: 50
अब	1808: 50

महीने के अंत तक 40 से 41 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

भिंड, मुरैना, सीधी और सिंगरौली में आज भी बारिश

इस महीने गर्मी, बारिश के बीच मिला-जुला रहेगा मौसम, 6 से 9 मार्च के बीच बारिश

मध्यप्रदेश और राजस्थान के ऊपर बना सकुर्लेशन महाराष्ट्र तक बनी हुई है ट्रफ लाइन, दो दिन बाद अधिकतम तापमान में होगी तेजी से गिरावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में एक मार्च से गर्मी का सीजन शुरू होते ही तापमान में तेजी से बदलाव शुरू हो गया है।

फरवरी के अंतिम दिन भोपाल का अधिकतम पारा रिकार्ड 34 डिग्री के ऊपर पहुंच कर शनिवार को 1.5 डिग्री की कमी के साथ फिर 32.8 डिग्री पर रहा है। मार्च में भोपाल में गर्मी का असर मिला-जुला रहेगा। तेज गर्मी के साथ बादल, बारिश से महीने के अंत तक दिन का पारा 40 से 41 डिग्री तक पहुंच जाएगा, जबकि रात में 21 डिग्री को पार कर सकता है। इस महीने एक- दो दिन ओले गिरने से तापमान में अधिकतम 6 से 8 डिग्री तक का बदलाव संभव है। मौसम केंद्र के अनुसार वर्तमान में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के असर से हवाएं बदल रही हैं, जबकि मध्यप्रदेश और राजस्थान से लगे हिस्सों में सकुर्लेशन होने से रविवार से सोमवार के बीच राजस्थान से लगे हिस्सों के साथ ही भिंड, मुरैना, सीधी और सिंगरौली आदि जिलों में कुछ जगह बारिश होगी। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार गर्मी के साथ बारिश, बादल और एक दो दिन प्रदेश में कहीं-कहीं ओले भी गिरेंगे।

तापमान में कहां कितना बदलाव?

शनिवार को भोपाल के अलावा इंदौर, गुना, ग्वालियर, खजुराहो आदि जिलों में पारा 2 से 4 डिग्री तक गिरकर औसतन 32 डिग्री तक रहा। सबसे अधिक कमी ग्वालियर में 3.8 डिग्री की रही। पारा 29.8 डिग्री रहा। शनिवार को प्रदेशभर में दिन के तापमान में औसतन डेढ़ डिग्री की घट बढ़ के साथ औसत पारा 33 डिग्री तक रहा।

भोपाल में भी बादल बौछारों की उम्मीद

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार 2 मार्च को नया पश्चिमी विक्षोभ आएगा। इससे मौसम फिर बदलेगा। 6 से 9 मार्च के बीच एक दो दिन कुछ जिलों में बादल, बारिश होगी। भोपाल में भी बादलों साथ बूंदाबांदी या बौछारें पड़ सकती हैं।

हिमाचल में भारी बारिश और हिमपात के कारण कई जगह भूस्खलन

कुल्लू में 112 सड़कें अवरुद्ध, बिजली, पानी दूरसंचार सेवाएं बाधित, जनजीवन प्रभावित

एजेंसी ▶▶ शिमला

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश और हिमपात के कारण भूस्खलन और सड़कें अवरुद्ध होने से सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। कांगड़ा जिले के रोकारू (मुल्थान) में लगातार बारिश और बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और 12 मकान खतरे में पड़ गए।

कांगड़ा के उपायुक्त हेमराज ने बताया कि प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है और पुनर्निर्माण कार्य जारी है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि पालमपुर में शिवा जलविद्युत परियोजना के निकट एक व्यक्ति लापता हो गया और उसकी तलाश के लिए अभियान शुरू किया गया है। भारी हिमपात के कारण चंबा में पांगी घाटी का संपर्क टूट गया है और बिजली तथा दूरसंचार सेवाएं बुरी तरह बाधित हुई हैं।

1646 'ट्रांसफार्मर' को चालू करने का काम जारी

टोहलू नाला में भूस्खलन के कारण कीरतपुर-मनाली राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया और पर्यटक फंस गए। कुल्लू में कुल 112 सड़कें बंद हैं और 1646 'ट्रांसफार्मर' को चालू करने का काम जारी है। कुल्लू के जिलाधिकारी तरुल रवेश ने बताया कि कुल 125 जलापूर्ति योजनाएं बाधित हुई हैं। उन्होंने बताया कि कुल्लू-मनाली मार्ग भी बंद है और वाहनों को नग्गर की ओर भेजा जा रहा है, जबकि मणिकरण और मनाली में बिजली आपूर्ति अभी बहाल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को सड़कें साफ होने तक उनके स्थानों पर ही रहने की सलाह दी गई है। गांधीनगर नाला से सड़कों पर मलबे के बड़े-बड़े ढेर आने से लोग असुविधा का सामना कर रहे हैं और सड़कों को साफ करने का काम जारी है।

जम्मू-कश्मीर में भारी बर्फबारी

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी का दौरा जारी है। घाटी के कई इलाकों में शनिवार को भारी हिमपात हुआ जिसके कारण रेल, हवाई और सड़क मार्ग प्रभावित हुए। सड़कों से लेकर मैदानी इलाकों में कई इंच तक बर्फ जमा हो गई। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग पर भूस्खलन और मिट्टी धंसने व पत्थर गिरने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। गुलमर्ग, सोनमर्ग, डोडा में शनिवार को भारी बर्फबारी हुई है। रामबान में भूस्खलन से सड़क मार्ग प्रभावित हुआ है।

बर्फ में फंसी जिंदगियां, उम्मीद बने हिमवीर

चमोली। उत्तराखंड में शुक्रवार को भारत-चीन (तिब्बत) सीमा क्षेत्र में माणा कैंप के पास भारी हिमस्खलन में फंसे मजदूरों की तलाश के लिए बचाव कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। आठ फीट बर्फ और लगातार होती भारी बर्फबारी, तापमान माइनस जैसी विषम परिस्थितियों में अपनी जान की परवाह किए बिना सेना और आईटीबीपी के जवान हिमस्खलन में दबे मजदूरों को बचाने के लिए हर प्रयास कर कर रहे हैं। उनका यही जज्बा उन्हें हिमवीर बनाता है।

सेना और आईटीबीपी के जवान श्रमिकों की कर रहे तलाश

घायलों को स्ट्रेचल पर ले जाते जवान

जोशीमठ में स्थापित होगा आपदा कंट्रोल रूम

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने माणा में हिमस्खलन की घटना का राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जोशीमठ में भी आपदा कंट्रोल रूम की स्थापना की जाए।

खबर संक्षेप

14वें बच्चे के पिता बने अरबपति एलन मस्क

वॉशिंगटन। मशहूर अरबपति कारोबारी एलन मस्क 14वीं बार पिता बने हैं। मस्क की कंपनी न्यूरालिंक से जुड़ीं शिवोन जिलिस ने मस्क के साथ अपने चौथे बच्चे की जानकारी दी है। शिवोन जिलिस ने एक पोस्ट में लिखा कि एलन से बात करने के बाद और अपनी बेटी आर्केडिया के जन्मदिन के मौके पर, मुझे लगता है कि अपने बेटे शेल्डन लिकरगस के बारे में बताना सही होगा।

माइक्रोसॉफ्ट मई में स्काइप करेगा बंद

न्यूयॉर्क। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट 'वीडियो कॉलिंग' सेवा 'स्काइप' को बंद कर रहा है। उसने इस सेवा को उसने 2011 में 8.5 अरब डॉलर में खरीदा था। कंपनी ने कहा कि वह मई में स्काइप को बंद कर देगी और अपनी कुछ सेवाओं को अपने प्रमुख वीडियोकांफ्रेंस और टीम एप्लीकेशन प्लेटफॉर्म 'माइक्रोसॉफ्ट टीम्स' पर स्थानांतरित कर देगी।

तुर्किए में 40 साल से चल रही लड़ाई थमी

अंकारा। तुर्किए में बीते 40 वर्षों से जारी लड़ाई अब थम गई है। तुर्किए के सबसे बड़े उग्रवादी संगठन कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) ने शनिवार को युद्धविराम का एलान कर दिया। इसे राष्ट्रपति रजब तैयप एर्दोआन की सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पीकेके नेता अब्दुल्ला ओकलान ने समूह के लड़ाकों से हथियार डालने और समूह को खत्म करने की अपील की थी।

अमृतसर एयरपोर्ट पर 8 करोड़ का गांजा पकड़ा

अमृतसर। अमृतसर में श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक यात्री को 8.17 करोड़ रुपए मूल्य के नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पकड़ा गया आरोपी मलेशिया से भारत लौटा था।

बीएसएफ ने बांग्लादेशी तस्कर को मार गिराया

अगरतला। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने एक बांग्लादेशी तस्कर को उस समय मार गिराया, जब अंतरराष्ट्रीय सीमा के दोनों ओर से तस्करों के एक समूह ने बल के जवानों पर हमला किया। बीएसएफ ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने कहा कि तस्करों के हमले में उसका एक जवान भी घायल हो गया।

ब्रिटेन पहुंचते ही जेलेंस्की के बदले सुर

बोले- ट्रंप का समर्थन बेहद जरूरी यूएस के बिना युद्ध रोकना असंभव

एजेंसी ▶▶ लंदन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिकी यात्रा के बाद शनिवार को ब्रिटेन पहुंचे। यहां वह यूरोपीय देशों के प्रमुखों से मुलाकात करने वाले हैं। राष्ट्रपति ट्रंप से हुई तीखी बहस के बाद अब जेलेंस्की ने एक नया ट्वीट किया है। जिसमें उनके सुर बदले नजर आ रहे हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा कि हम सभी तरह के समर्थन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुत आभारी हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों के द्विदलीय समर्थन के लिए भी उनका आभारी हूं। यूक्रेन के लोगों ने हमेशा इस समर्थन की सराहना की है, खासकर इन तीन वर्षों के आक्रमण के दौरान। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका की मदद हमारे अस्तित्व को बचाने में महत्वपूर्ण रही है और मैं इसे स्वीकार करना चाहता हूं। कठिन वार्ता के बावजूद, हम रणनीतिक साझेदार बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ हमारा रिश्ता सिर्फ दो नेताओं से कहीं बढ़कर है।

रूसी मीडिया बोला- रियलिटी शो जैसा तमाशा

रूस की एचएसई यूनिवर्सिटी की अंतरराष्ट्रीय मामलों की जानकार अनस्तासिया लिखशेवा ने कहा कि दुनिया ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में लंबे समय से ऐसा कुछ नहीं देखा, सिवाय रियलिटी टीवी शो के। यह बिल्कुल पुराने टीवी शो- द अप्रेंटिस की याद दिलाता है। रूस की वेबसाइट रशिया टुडे ने कहा कि तीन साल तक युद्ध के दौरान पश्चिमी देशों में किसी ने भी यूक्रेन के प्रतिनिधि के खिलाफ बयान नहीं दिया, बल्कि खुद जेलेंस्की और उनके साथियों को कुछ भी बोलने की आजादी थी। यह सब सिर्फ इसलिए किया गया, क्योंकि पश्चिम उन्हें पीड़ित मानता था और इसीलिए उन्हें अधिकार थे। लेकिन इसी चीज ने उन पर भद्दा मजाक किया। स्पूतनिक, तास और रिया नोवोस्ती ने अपने एक्स हैंडल पर ट्रंप-जेलेंस्की की बैठक पर जबरदस्त तंज कसे।

यूक्रेनी राजदूत ने सिर पीट लिया

व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में शुक्रवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई तीखी बहस की खबरें दुनियाभर में छाई हुई हैं। इस बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि जब ओवल ऑफिस में रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस हो रही थी तो उस वक्त ओवल ऑफिस में मौजूद अमेरिका में यूक्रेन की राजदूत अपने सिर पर हाथ रखें निराशा में डूबी नजर आ रही हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब देखी जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

सभी सड़कों पर लोगों की आवाजाही करें सुनिश्चित, नशे के नेटवर्क को करें ध्वस्त

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमित शाह ने कहा कि केंद्र राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह इस प्रकार की पहली बैठक थी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली में मणिपुर की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की, जिसमें सूबे में सामान्य स्थिति बहाल करने और कई समूहों द्वारा रखे गए अवैध और लूटे गए हथियारों को आत्मसमर्पण करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। केंद्रीय मंत्री शाह ने शनिवार को सुरक्षा बलों को 8 मार्च से मणिपुर में सभी मार्गों पर लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि केंद्र राज्य में स्थायी शांति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस संबंध में सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रहा है। पूर्वोत्तर राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद यह इस प्रकार की पहली बैठक थी।

बैठक में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, उप सेना प्रमुख और सेना की पूर्वी कमान के कमांडर शामिल थे। मणिपुर में हिंसा तब शुरू हुई जब मई 2023 में मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' का आयोजन किया गया। मेइती और आसपास की पहाड़ियों पर बसे कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बाड़ लगाने का काम जल्द पूरा करें

8 मार्च से सभी मार्गों पर आवाजाही सुनिश्चित करें

जबरन उगाही मामलों में सख्त कार्रवाई करें

गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि 8 मार्च, 2025 से मणिपुर के सभी रास्तों पर जनता की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाए, रास्ते में अवरोध उत्पन्न करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। जबरन उगाही के सभी मामलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखी जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मणिपुर से लगने वाले अंतरराष्ट्रीय सीमा पर आवाजाही के लिए चिन्हित किए गए प्रवेश स्थानों के दोनों तरफ बाड़ लगाने के काम को जल्द पूरा किया जाए। इसके साथ ही, मणिपुर को नशामुक्त बनाने के लिए नशे के व्यापार में लिप्त पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए।

राज्यपाल ने बढ़ाई हथियार लौटाने की समय सीमा

राज्यपाल ने शुक्रवार को लूटे गए और अवैध हथियारों को जमा करने की समयसीमा को 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दी, क्योंकि पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों के लोगों ने अतिरिक्त समय की मांग की थी। करीब 22 महीने पहले शुरू हुई जातीय हिंसा के शुरुआती चरण के दौरान मणिपुर में कई जगहों पर पुलिस से कई हजार हथियार लूटे गए थे। तीन जनवरी को राज्यपाल का पदभार संभालने के बाद से भल्ला विभिन्न वर्गों के लोगों से मिल रहे हैं और उनसे राज्य में सामान्य स्थिति वापस लाने के बारे में प्रतिक्रिया ले रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने मणिपुर में कई बैठकों की अध्यक्षता भी की, जहां राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की गई और सुरक्षा बलों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

13 फरवरी से सूबे में राष्ट्रपति शासन

मणिपुर में 13 फरवरी को एन बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। राज्य विधानसभा का कार्यकाल निलंबित कर दिया गया है, जो 2027 तक है। राज्यपाल द्वारा 20 फरवरी को अवैध और लूटे गए हथियार रखने वाले सभी लोगों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दिए जाने के बाद सुरक्षा समीक्षा की गई। सात दिनों के वक्त के दौरान, मुख्य रूप से घाटी के जिलों में 300 से ज्यादा हथियार जनता द्वारा लौटाए गए। इनमें मैतेई कट्टरपंथी समूह अरम्बाई टेंगोल द्वारा आत्मसमर्पण किए गए 246 आग्नेयास्त्र शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

सुकमा में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में दो नक्सली किए ढेर

एजेंसी ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के किस्टाराम थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है।

सुरक्षाबलों ने अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर शुक्रवार को सुकमा जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि दल आज जब क्षेत्र में था तब नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रूक-रूक कर मुठभेड़ जारी है। अभी तक दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल और आस-पास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने खोजी अभियान शुरू किया है।

दक्षिणी चीन में नदी में हादसा

पोत और नौका की टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ बीजिंग

चीन के दक्षिणी हिस्से में एक नदी में तेल रिसाव को साफ करने वाले एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य लोग लापता हो गए। सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात इस हादसे के बारे में जानकारी साझा की। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि मंगलवार की सुबह हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में हुई दुर्घटना के दौरान 19 लोग पानी में गिर गए। गनीमत रही कि तीन को तत्काल ही बचा लिया गया। दुर्घटना उस स्थान पर हुई, जहां नदी औसतन 60 मीटर (200 फुट) से अधिक गहरी और 500 मीटर (1,600 फुट) चौड़ी है। तलाश एवं बचाव अभियान जारी है।

दुर्घटना में बचे एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने बताया कि नौका ही उनके गांव में आने-जाने का मुख्य साधन है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में तेल रिसाव को साफ करने वाला एक बड़ा पोत शांत पानी में नौका को पीछे से टक्कर मारता दिखाई दे रहा है।

हिमाचल सीएम सुक्खू का बड़ा एक्शन

नशा तस्करी में शामिल सरकारी कर्मचारी नौकरी से होंगे बर्खास्त

एजेंसी ▶▶ शिमला

सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नशा कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पुलिस और प्रशासन के उच्च अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को नहीं बख्शने की हिदायत दी है। सीएम ने नशा तस्करी में शामिल सरकारी कर्मचारियों पर बड़ा एक्शन लेने का फैसला लिया है। जिन कर्मचारियों के खिलाफ नशा तस्करी के पुख्ता सबूत मिले हैं, उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा।

नशा तस्करी रोकने के मद्देनजर यह निर्णय लिया गया है। सीएम ने संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों को नशा तस्करी में संलिप्त कर्मचारियों को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश जारी किए। सीएम ने शनिवार को आयोजित बैठक में डीसी-एसपी को साफ निर्देश दिए हैं कि नशा तस्करी में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को छोड़ा न जाए। नशा तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई में ढिलाई बरतने वाले पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों को भी नहीं बख्शा जाएगा।

तेजी से फैल रहा नशा तस्करी का कारोबार

हिमाचल प्रदेश में चिट्टा, नशा तस्करी का कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। बीते दिनों ही चिट्टे के मामले में जिला शिमला के एक तहसील कल्याण अधिकारी और महिला वकील को भी गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा भी कई अन्य सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार हुए हैं। संदीप शाह चिट्टा तस्कर गिरोह के मामले में गिरफ्तार कई युवाओं ने पूछताछ में कई खुलासे किए। इसके अनुसार संदीप शाह गिरोह ने चिट्टे का नशा फैलाकर जिले की युवा पीढ़ी को बर्बादी के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। अभी तक इस मामले में जितने भी लोगों की गिरफ्तारी की गई है, उसमें ज्यादातर की उम्र 18 से 25 वर्ष के बीच है। इसमें बड़ी संख्या में लड़कियां भी शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि ये युवा पहले अपने परिचितों और दोस्तों के जरिये नशे के आदी बने। इसके बाद उन्होंने आगे नशे की सप्लाई भी की है। सभी आरोपी संपन्न परिवारों से संबंध रखते थे। इसमें 25 के करीब लड़कियों की संलिप्तता बताई जा रही है।

अमेरिकी भौतिक विज्ञानी ब्रायन को ग्रीन हाइड्रोन बस की कराई सवारी, कहा

'हाइड्रोजन ईंधन' अदभुत संभावनाओं में से एक

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हरित ऊर्जा को बातचीत और नीति-निर्माण में आगे होना चाहिए

भारत में प्रशिक्षित वैज्ञानिक अच्छा काम कर रहे

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अमेरिकी भौतिक विज्ञानी और कोलंबिया विश्वविद्यालय में गणित एवं भौतिकी के प्रोफेसर ब्रायन ग्रीन के लिए ग्रीन हाइड्रोजन बस यात्रा का आयोजन किया। इससे प्रभावित होकर ब्रायन ग्रीन ने कहा कि इस अत्याधुनिक तकनीक को व्यवहार में लाना अद्भुत है। हमें पारंपरिक जीवाश्म ईंधन से दूर रहने की जरूरत है। हाइड्रोजन ईंधन अद्भुत संभावनाओं में से एक है, और यह देखना बहुत अच्छा है कि भारत इस तकनीक में अग्रणी बनने का प्रयास कर रहा है। कोई नहीं जानता कि भविष्य क्या होने वाला है। इसके लिए, आपको अच्छी तरह से प्रशिक्षित, ऊर्जावान वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों की आबादी की जरूरत है और यही भारत में हो रहा है। हरित ऊर्जा को हमारी बातचीत और नीति-निर्माण में सबसे आगे होना चाहिए।

भारत लक्ष्य पर चल रहा

कियर्नी एडवांस्ड मोबिलिटी इंस्टीट्यूट के वैश्विक प्रमुख क्रिश्चियन गैसपारिक ने कहा कि अक्षय ऊर्जा अब दुनिया के लगभग सभी देशों का लक्ष्य बन गई है। कई देश ग्रीन हाइड्रोजन की उपलब्धता पर काम कर रहे हैं, और इसे हासिल करने के लिए ईंधन भरने के बुनियादी ढांचे की जरूरत थी, इसलिए यह बहुत अच्छी बात है कि भारत इस लक्ष्य पर चल रहा है और इस तकनीक को आगे बढ़ा रहा है। परिवहन ग्रीनहाउस उत्सर्जन के प्रमुख कारणों में से एक है, और इसे रोकने के लिए जो कुछ भी किया जा सकता है वह महत्वपूर्ण है।

पीएम का नेतृत्व महत्वपूर्ण

एमआईटी स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में मार्टिन ट्रस्ट सेंटर फॉर एमआईटी एंटरप्रेन्योरशिप में वरिष्ठ व्याख्याता जोनाथन फ्लेमिंग ने कहा कि यह बस एक भौतिक अभिव्यक्ति है और भविष्य की हरित ऊर्जा क्रांति का एक तरीका है। हम सभी कारों की जगह ऐसी बसों में यात्रा कर व्यक्तिगत स्तर पर इसमें योगदान दे सकते हैं। पीएम का नेतृत्व महत्वपूर्ण और अद्भुत है। संयुक्त राज्य अमेरिका का इस पर असंगत दृष्टिकोण रहा है, इसे समझने के लिए ज्यादातर निजी क्षेत्र पर छोड़ दिया गया है।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक

युवाओं को खेल मैदानों की ओर आकर्षित करने पर करें कार्य : मंत्री विश्वास सारंग

- हर विधानसभा में बनेगा एक खेल परिसर
- विधायक कप को फिर से शुरू करने के दिये निर्देश

हरिभूमि जबलपुर।

सहकारिता तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को रांझी स्थित तीरंदाजी खेल परिसर के सभाकक्ष में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संभाग स्तरीय बैठक लेकर खेलों के विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, राजकुमार पटेल, कमलेश अग्रवाल, संयुक्त संचालक बीएस यादव तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संभाग के सभी जिला खेल अधिकारी एवं युवा समन्वयक उपस्थित रहे।

बैठक में मंत्री श्री सारंग ने खिलाडियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी और युवाओं को खिलाड़ी बनाने के राज्य सरकार के उद्देश्य से अधिकारियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि खेल परिसरों में खेल गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित कर उनकी आत्मा को जीवित रखने के लिए सभी को कार्य करना होगा। मंत्री श्री सारंग ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए जबलपुर संभाग और प्रदेश की प्रत्येक विधानसभा में एक खेल परिसर बनाने की घोषणा की तथा विधायक अशोक रोहाणी की मांग पर खेलों के विकास के लिये प्रदेश में कालांतर में आयोजित किए जाने वाले विधायक कप की पुनः शुरुआत करने का आश्वासन भी दिया।

"खेलो पढ़ो अभियान"

मंत्री श्री सारंग ने बैठक के दौरान "खेलो पढ़ो अभियान" के अंतर्गत युवा और बच्चों को खेल मैदानों की ओर आकर्षित करने के लिए कार्य करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत स्कूली बच्चों को खेल अधोसंरचनाओं का भ्रमण कराएं, उन्हें खेलों से संबंधित फिल्में दिखाई जाएं, उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सफलता से अवगत कराया जाए, खेलों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जाए तथा क्षमतावान बच्चों को चिन्हित कर उनके अभिभावकों से बातचीत कर रुचि के अनुसार उन्हें खेल अकादमी में प्रवेश दिया जाए। खेल मंत्री ने जिला स्तर पर पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के निर्देश भी बैठक में मौजूद खेल अधिकारी को दिए।

एमपीवायपी को क्रियान्वित करें

बैठक में मंत्री श्री सारंग ने युवा कल्याण के लिये राज्य शासन द्वारा शुरू किये गये नवाचारों को लेकर संभाग में आयोजित की जा रही गतिविधियों की समीक्षा भी की। उन्होंने सेना एवं पुलिस की भर्ती में प्रशिक्षण के लिए प्रारंभ की गई पार्थ योजना एवं मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान एमपीवायपी को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने खेल अधिकारियों को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर जिले में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने की बात कही, ताकि खेलों को बढ़ावा दिया जा सके और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेलों के प्रति आकर्षित किया जा सके।

खेल परिसर का निरीक्षण किया

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने बैठक में मंत्री श्री सारंग ने अधिकारियों से संभाग के सभी जिलों में खेल परिसरों की स्थिति एवं उनमें आयोजित की जा रही खेल गतिविधियों की जानकारी ली और प्रदेश में खेलों के उन्नयन के लिए राज्य शासन द्वारा जारी कार्ययोजना को क्रियान्वित करने के निर्देश भी दिए। मंत्री श्री सारंग ने बैठक के पहले सांसद आशीष दुबे एवं विधायक अशोक रोहाणी के साथ खेल परिसर का निरीक्षण किया और यहाँ उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

सहकारिता मंत्री ने जबलपुर में गांधी परिवार पर कसा तंज

राहुल को इटली से महाकुंभ जाने की अनुमति नहीं मिली

जबलपुर। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने यहां गांधी परिवार पर तंज कसते हुए कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में जहां 66 करोड़ लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई वहां गांधी परिवार नहीं पहुंचा। उन्होंने कहा कि शायद इटली से अनुमति नहीं मिली इसलिए राहुल गांधी, और गांधी परिवार का कोई भी सदस्य प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाने नहीं गया। जबलपुर प्रवास के दौरान श्री सारंग कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे।

विश्वास सारंग ने यह भी कहा कि सिर्फ त्रिपुंड लगाकर हिंदू वोटर्स को भ्रमित करने की हमेशा से राहुल गांधी कोशिश करते आ रहे हैं. राहुल-प्रियंका गांधी अगर हिंदू है तो वह साबित करके बताएं. राहुल कोट के ऊपर हमेशा जनेऊ पहनते हैं और प्रियंका गांधी उल्टी आरती उतारती है। गांधी परिवार द्वारा महाकुंभ में डुबकी न लगाना यह साबित करता है कि राहुल हमेशा ढकोसला करते हैं।

उन्होंने कहा कि इसलिए यह लोग कुंभ स्नान करने नहीं गए थे। उन्हें यह भी डर था कि अगर कुंभ स्नान करने चले जाते तो उन्हें ईसाई धर्म से निकाल दिया जाएगा। श्री सारंग ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा सनातन का अपमान किया है। लेकिन प्रयागराज महाकुंभ ने इतिहास गढ़कर यह साबित कर दिया कि सनातन की जड़े बहुत मजबूत है और सनातन धर्म के प्रति लोगों की आस्था भी अटूट हैं।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी को उस बयान पर, जिसने उसमें उन्होंने कहा था कि जो बिक गए वो पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए, इस पर पलटवार करते हुए श्री सारंग ने कहा कि जिस पार्टी की दुकान व शो-रुम दोनों ही बंद हो गए है, उसमें आज भी इतनी अकड़ है. कांग्रेस के नेता इस बात पर विचार मंथन करे कि आखिर क्यों उनकी पार्टी छोड़कर हमारी पार्टी में शामिल हुए है.

सहकारिता में स्थापित होंगे नए आयाम

पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देश के सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के निर्देशन में सहकारिता के क्षेत्र में पूरी दृढ़ता के साथ काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए देश में पहली बार ग्लोबल इंवेस्टर समिट में 2 हजार 305 करोड़ से अधिक एमओयू साईन किए गए। रिलायंस, बैद्यनाथ, पंतजलि जैसी बड़ी कंपनियों ने भी एमओयू किए है। पहली बार किसानों के जीवन में समृद्धि लाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने सीपीपीपी (कॉपरेटिव पब्लिक प्रायवेट पार्टनशिप) मॉडल पर नवाचार अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सहकारिता विभाग महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। वहीं एमपैक्स से ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता के अधिकारियों को अनियमितता और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर काम करने के निर्देश दिए गए है।

22 वार्डों में पहुंचेगा पवित्र गंगाजल

जबलपुर। जबलपुर उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पांडे द्वारा अनूठी पहल करते हुए प्रयागराज महाकुंभ में जो लोग महाकुंभ किसी कारण वश नहीं जा पाए या गंगाजल नहीं लेकर आ सके उनके लिए त्रिवेणी संगम से पवित्र गंगाजल मंगवाकर उत्तर मध्य विधानसभा के सभी 22 वार्डों में पहुंचाया जाएगा। रविवार दिनांक 2 मार्च को अपराह्न 12 बजे से आई टी आई चौक पर पवित्र गंगा जल को लेकर टैंकर का आगमन होगा।

- दसवीं के एनएसक्यूएफ विषय मे 23 छात्रों ने नहीं दी परीक्षा
- जिले मे कोई भी नक़ल प्रकरण नहीं बना

बारहवी के पेपर में 4 बच्चे रहे अनुपस्थित

हरिभूमि, जबलपुर।

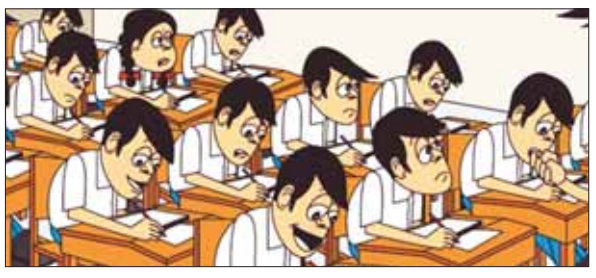

माशिमं के द्वारा आयोजित कक्षा बारहवी की बोर्ड परीक्षा में 1 फरवरी को उर्दू /मराठी विषय का पेपर हुआ, इसके साथ ही कक्षा दसवी के एनएसक्यूएफ विषय के परीक्षार्थी भी परीक्षा में बैठे । जिले मे 103 परीक्षा केंद्रों मे से 54 परीक्षा केंद्रों पर आज पेपर रहा।

जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि जिले के सभी परीक्षा केन्द्रो मे शांतिपूर्वक परीक्षा आयोजित हुई, जिले मे कही भी कोई नक़ल प्रकरण नहीं बना हैं। कक्षा बारहवी के उर्दू /मराठी विषय के प्रश्नपत्र मे शहर के 302 परीक्षा मे बैठे जिसमे से 4 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

इसी प्रकार कक्षा दसवीं के एनएसक्यूएफ विषय के पेपर मे कुल 2074 परीक्षार्थी परीक्षा मे बैठे जिसमे से शहर क्षेत्र से 3 परीक्षार्थी एवं ग्रामीण क्षेत्र के 20 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे, इस प्रकार शहर एवं ग्रामीण को मिलाकर कुल 23 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

सभी परीक्षा केन्द्रो में कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति मे ऑनलाइन एप के माध्यम सें निगरानी रखते हुए पेपर हुआ। पुलिस थाने एवं परीक्षा केंद्रों मे कलेक्टर प्रतिनिधि एवं केन्द्राध्यक्ष के आपसी समन्वय से सभी कार्य आसानी से शांतिपूर्वक सम्पादित किए गए।

परीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी के नेतृत्व मे गठित दल के द्वारा विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी जगह व्यबस्थित परीक्षा संचालित पायी गयी। कोई नक़ल प्रकरण नहीं पाया गया।

कलेक्टर द्वारा गठित दलो के द्वारा सरस्वती स्कूल गंगा नगर, शा रानी दुर्गावती कन्या स्कूल गंगा नगर, शा उमावि बघराजी, शा उमावि कन्या शाला कुण्डम, बी एम डी हित कारिणी कन्या शाला दीक्षितपुरा का निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर घनश्याम सोनी के निर्देश पर विकासखंड स्तर पर सभी सहायक संचालक शिक्षा बीईओ के द्वारा भी सभी ब्लॉक मे सघनता से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। सभी निरीक्षण के दौरान किसी भी केंद्र मे कोई भी अनियमितता नहीं पायी गयी एवं कोई भी नक़ल प्रकरण नहीं बना।

रिशु एजेंसी के संचालक पर लगाया गया 5 हजार रूपये का जुर्माना

जबलपुर। निगमायुक्त प्रीति यादव के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कार्रवाई शुरू कर दी गई है। निगम को जानकारी मिली की गौमाता चौक स्टेडियम के पास स्थित रिशु एजेंसी द्वारा कचरा में आग लगाई गयी है और उनके इस कृत्य से स्वच्छता अभियान प्रभावित होने के साथ-साथ पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। जिसके कारण निगमायुक्त ने रिशु एजेंसी संचालक के विरूद्ध कार्रवाई करने स्वास्थ्य विभग के उपायुक्त संभाव अयाची, स्वास्थ्य अधिकारी संदीप जायसवाल और संबंधित सहायक स्वास्थ्य अधिकारी अर्जुन यादव को निर्देशित किया कि संबंधित के विरूद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें। निगमायुक्त के निर्देशों का पालन करते हुए उक्त अधिकारियों ने गंदगी फैलाने एवं कचरा जलाने वाले गौमाता चौक स्टेडियम के पास स्थित रिशु एजेंसी पर 5 हजार का जुर्माना लगाया और चालानी कार्रवाई की गयी।

दक्षिण भारतीय के कलाकारों और निर्माताओं को जो सहयोग दिया है वह अमूल्य है : राकेश सिंह

जबलपुर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के बड़े शक्ति केंद्र बनने की राह पर : राना दग्गुबाती

जबलपुर। जबलपुर और मध्य प्रदेश, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के बड़े शक्ति केंद्र बनने की राह पर हैं। यह बात बाहुबली फेम राना दग्गुबाती ने कही। वीडियो संदेश के माध्यम से उन्होंने कहा कि वह इस सिनेमाई यात्रा को देखने के लिए उत्साहित हैं। फिल्म बाहुबली में बलालदेव की भूमिका निभाने वाले राना ने कहा कि वह मध्य प्रदेश के विकास के लिए अच्छी नीतियों के निर्माण विशेष तौर पर फिल्म नीति को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बहुत धन्यवाद देते हैं। उन्होंने लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह को विशेष तौर पर धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राकेश सिंह ने दक्षिण भारतीय सिनेमा जगत के कलाकारों और निर्माताओं को जो सहयोग दिया है वह अमूल्य है।

वीडियो संदेश में तेलगू अभिनेता वेंकटेश के बड़े भाई और अभिनेता राना दग्गुबाती के पिता तथा दक्षिण भारतीय निर्माता परिषद के अध्यक्ष डी. सुरेश बाबू ने कहा कि वह जबलपुर फिल्म सिटी के निर्माण के लिए कठिन परिश्रम कर रहे पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव तथा मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड प्रमुख शिव शेखर शुक्ला तथा इस फिल्म सिटी के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे बियोंड स्टूडियो के भारत भूषण को शुभकामना देते हैं।

राना दग्गुबाती ने कहा कि यह अविश्सनीय प्रतीत हो रहा है कैसे मध्य प्रदेश फिल्म उद्योग के लिए विशेष तौर पर दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्रीज के लिए सहायक बन रहा है। जबलपुर में बनने वाली फिल्म सिटी को लेकर राना दग्गुबाती ने कहा कि इस फिल्म सिटी के निर्माण से फिल्म उद्योग, विशेष रूप से दक्षिण भारतीय फिल्म निर्माताओं को लाभ होगा। सुरेश बाबू ने कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश में आनंदी सिने आर्टस के साथ मिलकर फिल्म अहिंसा की शूटिंग पूरी की और मध्य प्रदेश में हमारा अनुभव बहुत अच्छा रहा। राना दग्गुबाती ने कहा वह पूरे मध्य प्रदेश को शुभकामना देते हैं। विशेष रूप से मुख्यमंत्री डॉ . मोहन यादव को जिन्होंने बदलते मध्य प्रदेश के लिए विभिन्न सेक्टरों में बेहतरीन नीतियों को खास तौर फिल्म नीति का निर्माण किया। जबलपुर पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कति परिषद –जेएटीसीसी- के सीइओ हेमंत सिंह ने बताया कि जबलपुर में फिल्म सिटी के लिए वह सभी आधारभूत ढांचा उपलब्ध है जो जरूरी होता है, प्रशासन फिल्म निर्माताओं को हर तरह से सहयोग करने तत्पर है। बिंयोड स्टूडियोज के एमडी भारत भूषण ने कहा कि वह एक फिल्म जबलपुर में शूट कर चुके हैं जो जल्द रिलीज होगी इस फिल्म में प्रदेश के दो हजार लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि नर्मदे नाम की फिल्म का निर्माण किया जा रहा है ,जिसकी लाचिंग लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने की नर्मदा प्रकटोत्सव पर की थी । 1 मिनट 16 सेकंड के वीडियो में राणा ने जय महाकाल तथा डी सुरेश ने नर्मदे हर का जयघोष लगाया।

महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चुनाव परिणाम घोषित

चेम्बर चुनाव में रवि गुप्ता पैनल की निर्विरोध जीत

जबलपुर। महाकोशल चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के आगामी सत्र 2025-2027 के लिए चुनाव परिणामों की घोषणा शनिवार को की गई। रवि गुप्ता पैनल के सभी प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए, जिसमें प्रमुख पदों पर रवि गुप्ता को अध्यक्ष, शंकर नाग्देव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, युवराज जैन गढ़ावाल को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, हेमराज अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, अखिल मिश्र को मानसेवी मंत्री, और गुलशन मखीजा एवं प्रभात जैन वर्धमान को सहमंत्री के पद पर चुना गया।

मुख्य चुनाव अधिकारी, सी.ए. राकेश खण्डेलवाल और सहायक चुनाव अधिकारी, सी.ए. सुकेश कुमार द्वारा चुनाव परिणामों की घोषणा की गई। चुनाव परिणामों के बाद, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर विभिन्न व्यापारिक एवं औद्योगिक संघों से आए पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें पुष्पहारों से सम्मानित किया।

रवि गुप्ता पैनल के चुनाव संचालन समिति के सदस्य – राजेश चंडोक, अनुराग जैन गढ़ावाल, राजा सराफ, मेवालाल छिरोल्या और अनिल जैन पाली ने उपस्थित सभी संगठनों के पदाधिकारियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत में उनके सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

लोडिंग पिकअप वाहन की टक्कर से 2 महिलाएं घायल

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत सतना ढाबा के पास एन एच 30 रोड के पास बस का इंतजार कर रही दो महिलाओं को एक लोडिंग पिकअप वाहन चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों महिला घायल हो गई, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार शारदा शारदा मोहल्ला हनुमानताल निवासी 40 वर्षीय विकलांग अजय नामदेव गत दिवस अपनी मां जानकी नामदेव और परिचित की अरफाना बी के साथ गांधीग्राम बुढागर आयुर्वेदिक उपचार कराने के लिये गये थे। उपचार कराने के बाद घर वापस जाने के लिये शाम लगभग 5.10 बजे सतना ढाबा के पास एन एच 30 रोड के पास बस का इंतजार करते हुए धीरे धीरे जबलपुर की ओर पैदल जा रहे थे तभी पीछे से आ रही लोडिंग पिकअप क्रमांक एमपी 30 एल ए 0775 के चालक ने उसकी मां जानकी नामदेव और अरफाना बी को टक्कर मार दी, जिससे दोनों को हाथ, पैर एवं शरीर में चोटें आ गयी। अजय नामदेव ने दोनों घायलों को उपचार हेतु सनराईज अस्पताल जबलपुर मे भर्ती कराया है। पुलिस ने आरोपी लोडिंग पिकअप वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

16 संभागों में 48 करदाताओं के विरूद्ध हुई कुर्की की कार्रवाई

जबलपुर। नगर निगम ने करदाताओं के विरूद्ध सख्ती प्रारंभ कर दी गई है। एक साथ सभी 16 संभागों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 48 बड़े बकायादारों के विरूद्ध बकाया करों की राशि जमा कराने सम्पत्ति कुर्क करने की ताबड़तोड़ कार्रवाई की गयी. वहीं इस कार्रवाई को और सख्त करने तथा बकायादारों के नाम सार्वजनिक करने की कार्रवाई संबंधी तैयारियाँ जोरों पर है। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बताया कि अब समय नहीं है लक्ष्य प्राप्ति के लिए बड़ी कार्रवाईयाँ की जायेगी इसके लिए सभी संभागीय अधिकारियों को अपने अपने संभाग के अंतर्गत रोड़ मैप तैयार करने के सख्त निर्देश दिये गए है। निगमायुक्त के सख्त निर्देशों के उपरांत राजस्व अमलों ने अभियान को गति देने की दिशा में कार्रवाईयाँ शुरू कर दी है, जिसके परिणाम स्वरूप आज संभागों में वसूली अभियान के अंतर्गत बकाया करों की राशि जमा करने वाले करदाताओं की संख्या में इजाफा हुआ है। कार्रवाई के दौरान सभागीय अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना अनुमति के बज रहे डीजे जब्त

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत गत रात मुंडीटोरिया में बिना अनुमति के तेज आवाज में डीजे बजाने वाले डीजे संचालक पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो साउण्ड बॉक्स, एक एम्पलीफायर जब्त किया है। रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत रात मुंडीटोरिया में बिना अनुमति और तेज आवाज में डीजे साउंड बॉक्स बजा रहे मुंडीटोरिया निवासी 26 वर्षीय गोलू कोल को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 साउण्ड बाक्स , एक स्टूडियो मास्टर कम्पनी का एम्पलीफायर, 2 लीड जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 7/15 म.प्र.कोलाहल अधिनियम तथा 223 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

330 पाव देशी शराब एवं स्कूटी जप्त

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत गत रात अवैध शराब स्कूटी में रखकर शोभापुर तरफ से मड़ई जा रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 330 पाव देशी शराब और स्कूटी जब्त की है। रांझी थाना प्रभारी मानस द्विवेदी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर गत रात स्कूटी क्रमांक एमपी 20 जेडई 9701 में शराब रखकर शोभापुर से मड़ई तरफ जा रहे वंशकार मोहल्ला बल्दीकोरी की दफाई घमापुर निवासी 25 वर्षीय संदीप वंशकार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 330 पाव देशी शराब और स्कूटी जब्त की है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला जांच में लिया है।

होली, नवरात्रि और रमजान के पर्व मनाये जायेंगे

धार्मिक त्यौहारों से सराबोर रहेगा मार्च

हरिभूमि, जबलपुर।

मार्च महीने में धार्मिक आयोजनों का एक अनोखा संगम होगा. इबादत, उमंग, उत्साह, शांति और संयम के प्रतीक पर्व एक के बाद एक आएंगे. आज से जहां रमजान का महीना शुरु होगा, वहीं कुछ ही दिनों में होली पर्व की तैयारियां शुरु हो जाएगी. महीने के अंत में जब इबादत का पर्व समाप्त हो रहा होगा, तभी चैत्र नवरात्र की शुरुआत हो जाएगी. इस महीने में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों के माध्यम से समाज में आपसी एकता और भाईचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलेगा।

गौरतलब है कि आज 2 मार्च से रमजान का पवित्र माह शुरू होगा, जबकि 3 मार्च को विनायक चतुर्दशी व्रत और 10 मार्च को आमल की एकादशी का आयोजन होगा। 13 मार्च को होलिका दहन के साथ धुरैड़ी और स्नानादि पूर्णिमा का पर्व मनाया जाएगा, इसके बाद 16 मार्च को भाई दूज, 19 मार्च को रंग पंचमी, और 22 मार्च को शीतलाष्टमी और बसोरा जैसे त्योहार होंगे। 30 मार्च को गुड़ी पड़वा, चेट्री चंड और बैठकी के साथ माह समाप्त होगा, और 31 मार्च को ईदुल फितर का पर्व मनाया जाएगा, जो रमजान के महीने का समापन करेगा।

पहला रोजा 13 घंटे का

शुक्रवार को चांद नजर नहीं आया, जिससे आज से रमजान का महीना शुरु हो रहा है। आज रविवार को रखा जाने वाला पहला रोजा करीब 12.57 घंटे का होगा, और सुबह 5:26 बजे से शहरी रोजा की शुरुआत होगी। रमजान के दौरान मस्जिदों और मुस्लिम बहुल इलाकों में विशेष सजावट की जा रही है।

सामाजिक सद्भाव की बनेगी मिसाल

मार्च महीने में धार्मिक पर्वों के अलावा सामाजिक सद्भावना और आपसी एकता के दृश्य भी देखने को मिलेंगे। जहाँ एक ओर होली जैसे रंगीन त्योहार पर सभी लोग आपस में मिलकर खुशियाँ मनाते हैं, वहीं रमजान के महीने में सामूहिक रोजा अफ्तार की भावना भी पनपती है। संस्कारधानी शहर में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग अपने-अपने त्योहारों को एक साथ मिलकर मनाते हैं, जो समाज में भाईचारे और प्यार का प्रतीक है। यहां सामूहिक होली मिलन समारोह और सामूहिक ईद मिलन समारोह जैसे आयोजन होते हैं, जो सांप्रदायिक एकता को बढ़ावा देते हैं।

रामलीला मैदान घमापुर में उमड़ा जनसैलाब

जबलपुर। श्री गिरिजा शंकर रामलीला मैदान घमापुर में आयोजित शिव महापुराण के पंचम दिवस के अवसर पर व्यास आचार्य सिद्धार्थ पाण्डे महाराज ने कार्तिकेय प्राकट्य एवं भगवान गणेश प्राकट्य की कथा का व्याख्यान किया। इस अवसर पर प्रमुख यजमान डॉ. ए.सी. सोनकर, श्रीमति अमरलता सोनकर, एड. बलराज सोनकर, राजश्री सोनकर एवं रामलीला समिति के पं. कमलेश तिवारी, एड. श्यामचंद्र तिवारी, डॉ. शिवमणी मिश्रा, पं. विष्णु दीक्षित, सतीश खण्डेलवाल, पं. बलराम परोहा, जगदीश यादव, अरुण सोनकर, राजेश सेन, पं. अरिवन्द पाठक, पं. राजेन्द्र पाण्डेय, मिथलेश तिवारी, सोनू सोनकर, कार्तिक, काव्या, संदीप सोनकर, बाबा सोनकर एवं संतोषी माता महामंडलेश्वर खाटू श्याम अखाड़ा क्षेत्रीय नागरिकों सहित समस्त पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। रामलीला के पं. कमलेश तिवारी ने बताया कि शिव पुराण की कथा का आयोजन समिति के संरक्षक एवं संचालक तथा क्षेत्रीय नागरिकों के सहयोग से किया जा रहा है। समस्त धर्मावलम्बी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील आयोजकों ने की है।

मस्जिदों और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में की गई सजावट

नजर नहीं आया चांद : रमजान आज से, 12.57 घंटे का होगा पहला रोजा

जबलपुर। शुक्रवार को रमजान माह का चांद नजर नहीं आया। इसलिए मुस्लिम धर्मावलबियों का पवित्र माह रमजान रविवार से शुरू होगा। इसके लिए मस्जिदों और मुस्लिम बहुल इलाकों में आकर्षक साज-सज्जा की गई है। बहोराबाग में परंपरागत मीनाबाजार की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। 02 मार्च को रमजान का पहला रोजा रखा जाएगा, जो 12.57 घंटे का होगा। पहले रोजा की शहरी रविवार सुबह 5.26 बजे होगी। मुफ़्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश डॉ. मौलाना मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी ने सभी को रमजान की मुबारकबाद दी। शरीयत की पाबंदी के साथ रमजान में इबादत करने की हिदायत भी दी।

रांझी में साज-सज्जा की गई है।

मस्जिदों में रौनक

मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में रमजान की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नया मोहल्ला, मंडी मदार टेकरी स्थित जामा मस्जिद अहले क़ुरेश, नूरानी मस्जिद ठक्कर ग्राम, मस्जिदे हनफिया बहोराबाग, नगीना मस्जिद गोहलपुर, सुलेमानी मस्जिद मोतीनाला, मस्जिद अलफबेग मंसूराबाद, जामा मस्जिद ओमती, बंगाली मस्जिद नया मुहल्ला, मस्जिद गौसिया बुरहान नगर घंटाघर, पीएसएम मस्जिद, जामा मस्जिद अंधेरदेव, औलिया मस्जिद चंडाला भाटा, छावनी क्षेत्र सदर तथा गढ़ा व

शांति-सद्भाव से मनाएं पर्व

मुस्लिम लीगल एड एंड वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष शबाब खान, उपाध्यक्ष रिजवान खान, सचिव फिरोज अंसारी, कोषाध्यक्ष शेख अजीम, मासूम खान, शफी खान, जफर खान, रहीस खान, मो. आदिल, मोहतिसिम खान, मोनू, मो. रहीस, मोइन खान, अशफाक अहमद ने पाक माह रमजान शरीफ के मौके पर शहरवासियों को मुबारकबाद देते हुए शांति, सद्भाव के साथ त्यौहार मनाने की अपील की है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का हुआ समापन

जबलपुर। जीव विज्ञान विभाग और डिजाइन इनोवेशन सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 27 और 28 फरवरी के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम का समापन समारोह आज अपरान्ह 2:30 बजे से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रोफेसर राजेश कुमार वर्मा ने की तथा मुख्य अतिथि विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सरदूल सिंह संधू तथा सारस्वत अतिथि डॉक्टर देवेंद्र सिंह सोढ़ी प्राचार्य स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ ऑफ होटल मैनेजमेंट रहे। कार्यक्रम का संचालन विभाग की डॉक्टर रेनू पाठक और डॉक्टर दिव्या सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संयोजक प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने किया। उपरोक्त कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं में विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरण किया गया। समापन समारोह के पूर्व द्वितीय दिवस में वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसके निर्णायक मंडल में डॉक्टर सत्यप्रकाश त्रिपाठी और प्रोफेसर आशा खन्ना थे।

पंडित दीपांशु शुक्ला को जिला प्रवक्ता बनाया

जबलपुर। श्री परशुराम सर्व ब्राह्मण संघ रजि. राष्ट्रीय समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नरेंद्र दुबे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पंडित श्यामसुंदर शर्मा, संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर विजय शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष (नियुक्ति समिति) के डॉ.अरुण मिश्रा की सहमति से पंडित दीपांशु शुक्ला को जबलपुर के जिला प्रवक्ता बनाए जाने पर राष्ट्रीय पदाधिकारी एवं प्रदेश,जिला के चन्द्रशेखर शर्मा,पं.रवि कांत पाठक,पं.यदुवंश मिश्रा, पं.अनिल दुबे,के के शुक्ला,आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री मातृशक्तियों में मिथलेश तिवारी,वनिता मालवीय,सुनीता तिवारी,रागनी तिवारी, भगवती भारद्वाज सहित सभी पदाधिकारियों इष्ट मित्र, स्नेहीजनों ने बधाइयां दी। आशा ही भी बल्कि पूर्ण विश्वास है की आप ब्राम्हण संघ के कार्यों में नियमानुसार एवं निष्ठा पूर्ण कार्य करेंगे। संघ उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं ।

यूजीसी के छात्र विरोधी नियमों के खिलाफ कॉलेजों में बांटे पर्चे

उच्च शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा दे रही सरकार

जबलपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने जबलपुर के विभिन्न कॉलेजों में जाकर ड्राफ्ट यूजीसी रेगुलेशन 2025 के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया और छात्रों को इस नीति के खतरों से अवगत कराया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने पर्चे वितरित किए, जिनमें सरकार द्वारा शिक्षा के निजीकरण, आरक्षण नीति की उपेक्षा, कुलपतियों की मनमानी नियुक्ति और उच्च शिक्षा में बढ़ती असमानता के खिलाफ जानकारी दी गई थी।

यह अभियान एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव एवं प्रदेश सचिव राहुल यादव के नेतृत्व में चलाया गया। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि सरकार 'शिक्षा के निजीकरण' को बढ़ावा देकर आम छात्रों को उच्च शिक्षा से वंचित करने की साजिश कर रही है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी के आदेशानुसार, यह

अभियान सिर्फ जबलपुर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे प्रदेश में बड़े स्तर पर चलाया जाएगा। एनएसयूआई छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष करेगा और किसी भी छात्र विरोधी नीति को लागू नहीं होने देगा। इस मौके पर साहिल मिश्र, अभय ठाकुर, श्रीराम चंदेल आदि मौजूद थे।

नशा मुक्ति अभियान जारी

पाटन। धर्म सम्राट युग चेतना पुरुष परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के दिशा निर्देशन में भगवती मानव कल्याण संगठन के माध्यम से विगत 28 वर्षों से देश के कोने-कोने में समाज को नशा मुक्त, मांसाहार मुक्त और चरित्रवान जीवन जीने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जिसके फल स्वरुप आज देश में लाखों लाख लोग जो नशे में लिप्त थे गुरुवर श्री की कृपा से आज नशा मुक्त जीवन यापन कर रहे हैं।

गांव-गांव चल रहा अवैध शराब का कारोबार

पाटन। ग्राम उड़ना और ग्राम पौड़ी कला एवं पौड़ी खुर्द तहसील पाटन जिला जबलपुर में व्यापक पैमाने पर अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा है यह अवैध व्यापार शराब का व्यापार जो गांव में चल रहा है इसके कारण पूरे गांव में अशांति का वातावरण है छोटे-छोटे बच्चे डरे हुए रहते हैं महिलाएं घरों से बाहर नहीं निकल पाती हैं शाम के समय शराबी शराब पी कर के रास्तों में गंदी गंदी गालियां देते हैं जिसका विपरीत प्रभाव बच्चों पर पढ़ रहा है शराब के सेवन से घरों में कलह का वातावरण निर्मित हो रहा है बहनों की मांगे सुनी हो रही है।

वेस्ट जोन पेंचक सिलाट वूमेन्स लीग में शहर की बेटियों ने जीते 7 पदक

जबलपुर। बैडमिंटन हॉल पेड़ेम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मापुसा, बर्देज गोवा में 21 से 23 फरवरी तक सब जूनियर, जूनियर एवं सीनियर पेंचक सिलाट खेलो इंडिया वूमेन्स लीग वेस्ट जोन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें जबलपुर जिले की खिलाड़ियों ने उत्तम प्रदर्शन करते हुए तीन रजत, चार कांस्य पदक सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को 49 पदक दिलाते हुए मप्र को द्वितीय स्थान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वेस्ट जोन से मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, गोवा, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव से 300 महिला खिलाड़ियों और अधिकारियों ने भाग लिया। पेंचक सिलाट एसो.

जबलपुर के सचिव आशीष रैकवार ने बताया कि मप्र के विभिन्न जिलों की चयनित खिलाड़ियों ने इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने-अपने वर्ग समूह में भाग लिया। प्रतियोगिता में सब जूनियर वर्ग में गंडा इवेंट में निशिका दीप्ती भरोस ने कांस्य पदक, अनिका सिंघल ने कांस्य, सीनियर वर्ग टैंडिंग इवेंट में ज्योति सैय्यम ने कांस्य, रेगू इवेंट में अनुश्री कुशवाहा ने रजत, पिंकी कोल ने रजत पदक, विशाखा कोल ने रजत व कांस्य पदक जीता, किंजल शर्मा एवं नैना चौधरी ने केजी टेंडिंग इवेंट में सहभागिता की।

धूमधाम से निकली खाटू श्याम बाबा की शोभायात्रा

जबलपुर। श्री श्याम महिमा मंडल जबलपुर द्वारा खाटू श्याम बाबा का 20वां वार्षिकोत्सव मनाया गया जिसके अंतर्गत 01 मार्च को धूमधाम से शोभायात्रा कोतवाली स्थित बला के मंदिर से प्रारंभ होकर मालवीय चौक स्थित बगलामुखी मंदिर तक निकाली गई। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल ने बताया कि यात्रा में हजारों की संख्या में श्याम बाबा के भक्तों ने भाग लिया, जिसमें सभी पुरुष सफेद रंग के कुर्ता-पैजामा और महिलायें पीले रंग के परिधान में, बाबा के रूप में नीले और पीले रंग के ध्वज लेकर भक्तिमय माहौल में नाचते-गाते चल रहे थे। यात्रा में खाटू श्याम

बाबा के साथ हनुमान जी और जींड माता रानी सती दादी भी शामिल थीं, जिनका स्वागत यात्रा मार्ग पर जगह-जगह शहर के अग्रवाल सभा, शेखावाटी अग्रवाल समाज, खंडेलवाल समाज व अन्य द्वारा फूलों की बरसात से किया गया। शोभायात्रा के बगलामुखी मंदिर पहुंचने पर सभी झांकियों की आरती की गई जिसमें शहर के कई गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

एसएसए कालेज में हुई पर्यटन क्षेत्र पर मॉडल प्रतियोगिता

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में भारतीय युवा पर्यटन क्लब के अंतर्गत भारतीय पर्यटन क्षेत्र को प्रमोट करने के उद्देश्य से महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मनोज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में भारतीय पर्यटन क्षेत्र पर मॉडल प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजक समिति के अंतर्गत डॉ अर्चना नामदेव संकाय समन्वयक युवा पर्यटन क्लब,रेशु कुशवाहा,सार्थक मिश्रा,सीबी मिश्रा,रवि बाबू आदि रहे। डॉ नीता तिवारी एवं डॉ अंजली मांडवे द्वारा निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा भारत के विभिन्न पर्यटन क्षेत्र को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया एवं अयोध्या का राम मंदिर, कुंडलपुर पर्यटन क्षेत्र,हनुमान मंदिर,भेड़ाघाट जलप्रपात,धुंआधार, केदारनाथ मंदिर एवं इंडिया गेट की सुंदर कलाकृतियां निर्मित की गई । प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अल्फिया नाज, द्वितीय स्थान पर दीपक सिंह बीए.द्वितीय वर्ष रहे। तृतीय स्थान वीरेंद्र चौधरी.बी.ए. द्वितीय वर्ष ने अर्जित किया। प्रतियोगिता में अनामिका कोरी, उपासना लोधी,पलक काछी एवं अन्य विद्यार्थियों द्वारा भी सुंदर मॉडल प्रस्तुत किए गए।

निधन

श्रीमती पदमा ग्रोवर- सिहोरा, पुराना बस स्टेंड वार्ड क्रमांक 11 निवासी श्रीमती पदमा ग्रोवर का 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था अंतिम संस्कार बाबाताल स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे अतुल ग्रोवर की माताजी थी।

श्रीमती शीला जैन- सिहोरा, नवीन कन्या शाला ज्वालामुखी वार्ड क्रमांक 2 निवासी श्रीमती शीला जैन का 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था अंतिम संस्कार कुरें रोड स्थित मुक्तिधाम में किया गया।वे मीसा बंदी स्वर्गीय डॉ निर्मल चंद जैन की धर्मपत्नी एंव संजय,अज्जू-मुट्टू, गोलू जैन की माता थी।

श्री गिरेंद्र कपूर- कृष्णा हाइट्स गौरीघाट रोड निवासी श्री गिरेंद्र कपूर (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अनीता शर्मा- न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री अर्जुन शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती अनीता शर्मा (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अजय चौधरी- संजय नगर पोलीपाथर गौरीघाट रोड निवासी श्री चंद्रभान चौधरी के पुत्र श्री अजय चौधरी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम नारायण जाट- पूर्वी बेलबाग कंजड़ मोहल्ला निवासी श्री राम नारायण जाट (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मनोज सिंह- न्यू कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री गंगाशरण सिंह के पुत्र श्री मनोज सिंह (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश बंशकार- प्रेरमसागर निवासी श्री होरी लाल बंशकार के पुत्र श्री राजेश बंशकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नरेश चंद्र शर्मा- सुहागी सरस्वती स्कूल के पास निवासी नरेश चंद्र शर्मा (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सोहन दुबे- छुई मोहल्ला बेलबाग निवासी श्री उमा शंकर दुबे के पुत्र श्री सोहन दुबे (43) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री दीपक सोनी- हजारीबाग झारखंड निवासी श्री दीपक सोनी (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रोशन ठाकुर- अम्बेडकर कॉलोनी शांति नगर निवासी श्री रोशन ठाकुर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री राम टहल यादव- नर्मदा नगर चितरंजन वार्ड निवासी श्री राम टहल यादव (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती आशा जगताप- शुक्ला नगर गढ़ा निवासी श्रव्वी महादेव राव जगताप की धर्मपत्नी श्रीमती आशा जगताप (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती केसर बाई रैकवार- बड़ा पत्थर रांझी निवासी श्री छोटे लाल रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती केसर बाई रैकवार (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेश सक्सेना- शिवनगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री राजेश सक्सेना (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री परमार सिंह मालवीय- राइट टाउन केशव कुटि के पास निवासी श्री परमार सिंह मालवीय (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री प्रेम लाल रजक- सीओडी कॉलोनी सुहागी निवासी श्री प्रेम लाल रजक (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती ममता पांडे- गोरखपुर आजाद चौक राम मंदिर के पास निवासी श्री मायाराम पांडे की धर्मपत्नी श्रीमती ममता पांडे (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मनोज सिंह- समदडिया रेसिडेंसी शताब्दीपुरम उखरी निवासी अजय सिंह ठाकुर के जीजाजी श्री मनोज सिंह का निधन हो गया अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

लमकना खेल मैदान में सुहजनी एवं ओम साई राम के बीच फाइनल आज

सिहोरा। खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वर्गीय विजय विश्नोई की स्मृति में लमकना क्रिकेट मैदान में विगत दिनों से जारी डायमंड विधायक कप क्रिकेट का फाइनल मैच आज रविवार को खेला जायेगा। क्रिकेट मैच संयोजक बलराम पटेल,ब्रजेश पेटल,विपिन पांडे ने बताया फाइनल मैच सुहजनी एंव ओम साई राम लमकना के बीच दोपहर 12 बजे से खेला जायेगा तथा समापन समारोह एंव पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन पाटन विधायक अजय विश्नोई के मुख्य आतिथ्य एंव जनपद पंचायत मझौली अध्यक्ष श्रीमती विद्या दिनेश चौरसिया के विशिष्ट आतिथ्य में किया जायेगा।

अक्टूबर 2024 से अब तक निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ और 5 महीने में यह 12 प्रतिशत गिर चुका

बाजार गिरे तब क्या करना चाहिए?

शेयर बाजार में आज गिरावट दर्ज की गई है। लगातार बाजार को गिरता देख निवेशक परेशान हो रहे है ऐसे में आपको बताते है बाजार की गिरावट के टाइम आपको क्या करना चाहिए। शेयर बेच देना चाहिए या एसआईपी बंद कर देना चाहिए या बाजार में टिके रहना चाहिए?

मार्केट क्रैश
शंभू भद्र

बाजार जब गिरता है तो निवेशकों को कुछ समझ नहीं आता है कि शेयर बेच दे, एसआईपी बंद करें या बाजार में टिके रहें। अक्टूबर 2024 से निफ्टी हर महीने गिरावट में बंद हुआ है और ये 5 महीने में 12 प्रतिशत गिर चुका है। 1996 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि बाजार में लगातार पांच महीने गिरावट आई है। इससे पहले साल 1996 में जुलाई से लेकर नवंबर महीने के बीच बाजार में लगातार 5 महीने गिरावट देखी गई थी। इन 5 महीनों के दौरान निफ्टी 50 इंडेक्स 26 प्रतिशत गिरा था। अमेरिका से लेकर यूरोप तक में की गई एकेडमिक स्टडीज से पता चलता है कि जब भी लोग बाजार में निवेश को लेकर घबराएं या चिंतित रहते हैं तब-तब बाजार ने एवरेज से ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका मतलब है जब भी आप सोचते हैं कि शेयर बेच देना चाहिए, एसआईपी बंद कर देना चाहिए और बाजार से निकल जाना चाहिए उस समय ही बाजार में निवेश का सबसे बेहतर समय होता है। साल 2008 में 21 जनवरी को सेंसेक्स एक ही दिन में करीब 1400 अंक गिर गया था। वहीं 2008 के अंत तक सेंसेक्स 20,465 अंक से गिरकर 9716 अंक पर आ गया। वर्ष 2010 सितंबर में सेंसेक्स फिर से 20,000 अंक को पार कर गया। इसके बाद 2020 में कोरोना महामारी के कारण एक हफ्ते में सेंसेक्स 42,273 अंक से गिरकर 28,288 अंक पर आ गया था। 2020 अप्रैल से इसमें रिकवरी देखने को मिली और सेंसेक्स वर्ष के अंत तक 47,751 के स्तर पर पहुंच गया। मतलब, जब-जब बाजार में गिरावट आई है इसमें तेजी से रिकवरी भी दिखी गई है। ऐसे में जो निवेशक पहले से इन्वेस्टेड है उन्हें अपने निवेश में वैसे ही बना रहना चाहिए और जो लोग नया निवेश करना चाहते हैं वह थोड़ा-थोड़ा करके निवेश कर सकते हैं।

शेयर बाजार लगातार क्यों गिर रहे?

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर 2024 से फरवरी 2025 तक पांच महीनों में भारतीय बाजार से 3.11 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। इसके अलावा निवेशकों को चीनी कंपनियों के शेयर भारतीय कंपनियों के शेयरों की तुलना में ज्यादा सस्ते दिख रहे हैं। खाने-पीने की चीजें महंगी होने के कारण अक्टूबर 2024 में रिटेल महंगाई बढ़कर 6.21% पर पहुंच गई थी, जो महंगाई का 14 महीनों का उच्चतम स्तर था। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से जनवरी 2025 में रिटेल महंगाई घटकर 5 महीने के निचले स्तर 4.31% पर आ गई थी। लेकिन ये कमी निवेशकों का विश्वास बहाल करने के लिए काफी नहीं है। हाल के महीनों में देखा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। डोनाल्ड ट्रम्प की ट्रेड पॉलिसीज से निवेशक काफी चिंतित है। भारत सहित कई अन्य देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की धमकी से बाजार में अनिश्चितता दिखाई दे रही है। ट्रम्प ने बीते दिनों कहा था, चाहे वो कोई भी देश हो- भारत या चीन, वे हम पर जितना चार्ज करते हैं, हम भी उतना ही रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएंगे, हम व्यापार में बराबरी चाहते हैं।

चीन की ओर रुझान

विदेश संस्थागत निवेशकों का निवेश चीन भी जा रहा है। चीन की सरकार ने पिछले साल देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने के लिए बड़े निवेश का एलान किया था। इस निवेश के बाद एफआईआई चीन के बाजार में जाने लगे थे। यह दौर अभी भी जारी है। ट्रंप की जीत के बाद अमेरिकी बाजार दुनियाभर से निवेश आकर्षित कर रहा है। दूसरी तरफ संस्थागत निवेश के लिए चीन का बाजार एक मजबूत विकल्प के तौर पर उभरा है। चीन की सरकार के नए प्रयासों ने एक सकारात्मक भावना पैदा की है। चीन ने ब्याज दरों में कटौती की, मार्केट में पैसा डाला और अर्थव्यवस्था को स्थिर किया। इससे निवेशकों को कॉन्फिडेंस मिला है।

उथल-पुथल में अर्थव्यवस्था का हाल

भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? गांवों की मांग और सरकार का जोर इसे बचा सकता है। तमाम बुरी खबरों के बीच भारत की अर्थव्यवस्था में हम कुछ अच्छे संकेत देख सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 6.2 फीसदी रही, जो जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4% थी। अच्छे मानसून का इसमें बड़ा योगदान है, ग्रामीण इलाकों में लोगों के पास खर्च करने को पैसा आया है। सरकार ने भी खर्च में तेजी लाई है। पिछली तिमाही में हालात ठीक नहीं थे। शहरी मांग कमजोर थी। अप्रत्याशित रूप से शहरी इलाकों में लोगों के खर्च में कमी आई। पिछले साल चुनाव की वजह से सरकारी खर्च भी रुका था। एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में मंदी के बादल मंडराते हुए दिख रहे थे।

टैरिफ का मामला उलझा

5.4% ग्रोथ रेट सात तिमाहियों में सबसे कम था। वैश्विक स्तर पर परेशानियाँ कम नहीं हैं। अमेरिका के साथ टैरिफ का मसला उलझा हुआ है। ट्रंप प्रशासन टैरिफ की बात कर रहा है। इससे वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है। विनिर्माण और सर्विस सेक्टर पर असर पड़ा है। आने वाले दिनों में व्यापार, होटल और परिवहन में भी सुस्ती रह सकती है। रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज भी कमजोर हैं। अब अच्छी बातों पर एक नजर डालते हैं तो कृषि क्षेत्र ने अच्छा प्रदर्शन किया। फसल अच्छी हुई। पिछले तीन महीनों में 4.4% की वृद्धि थी। केंद्र और राज्य सरकारें पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) बढ़ा रही हैं। सड़कें, पुल और प्रोजेक्ट्स पर पैसा लग रहा है। इनसे अर्थव्यवस्था को सहारा मिल सकता है। रिजर्व बैंक ने हाथ खोले हैं। नीतिगत दरें घटाईं, तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाई। सख्त नियमों को टाला, पर 2025-26 में भी जीडीपी दर 7% से नीचे रहने का अनुमान है। अमेरिकी टैरिफ का असर छोटा होगा, पर कुछ सेक्टर्स को नुकसान होगा। विनिर्माण और सर्विसेज पर दबाव है। बजट में टैक्स राहत दी गई। इससे उपभोक्ताओं को फायदा होगा, पर वैश्विक चुनौतियाँ खत्म नहीं हुईं। तो क्या भारत पर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का तमगा लगा रहेगा? फिलहाल उम्मीदें कायम हैं।

ये तबाही कब तक जारी रहेगी?

मार्च में कुछ रिकवरी देखने को मिल सकती है। मैक्रोइकॉनमिक स्तर पर बेहतर खबरें आ सकती हैं और कुछ एफआईआईज भी भारतीय बाजार में लौट सकते हैं। अभी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारी बिकवाली, अमेरिकी बांड पर बढ़ती आय, रुपये में भारी गिरावट, तीसरी तिमाही के आय में सुस्ती और हाई वैल्यूवेशन ने हाल के महीनों में बाजार की धारणा को प्रभावित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लिए गए टैरिफ को लेकर फैसले ने बाजार की दिशा-दशा बदली है। ऐतिहासिक रूप से मार्च का महीना तेजड़ियों के पक्ष में रहा है, यानी मार्च में शेयर बाजार अक्सर तेजी में रहा है। पिछले 15 सालों में बेंचमार्क इंडेक्स ने 10 बार पॉजिटिव रिटर्न दिया है और निवेशकों की कमाई कराई है। 30 साल पहले ही मार्च के दौरान तेजी रही थी। लंबी अवधि के नजरिए के हिसाब से अच्छे शेयरों को खरीद सकते हैं। वित्त वर्ष 26 में भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए जोखिम और चुनौतियों को देखें तो भारत की विकास संभावनाएं आशाजनक हैं, पर जोखिम भी हैं। निकट भविष्य में बाजार में और कमजोरी नजर आ रही है। निफ्टी शॉर्ट टर्म में और गिरावट की उम्मीद की जा सकती है।

डावांडोल बाजार में क्या अपनाएं रणनीति

यह पूरा हफ्ता निवेशकों के लिए खराब गुजरा है। इसलिए जब गिरावट का दौर हो तो शेयर में निवेश के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। एक शेयर ब्रोकर ट्रेडेड मूल्य पर धन कमाता है। इसलिए ज्यादातर ब्रोकरेज हाउस मुफ्त में सलाह दिया करते हैं। ध्यान रहे जब भी नुकसान होगा, आपका ही होगा। इस हफ्ते आपके निवेश की स्ट्रैटेजी क्या होनी चाहिए? अगर आप अपने धन से हाथ नहीं धोना चाहते तो कुछ बुनियादी नियमों का ध्यान रखें।

निवेश के लिए अपनाएं ऐसी स्ट्रैटेजी

ट्रेडर व निवेशक दोनों को अलग-अलग स्ट्रैटेजी अपनानी चाहिए। ट्रेडर है तो स्टॉपलॉस के साथ ट्रेड ले सकते हैं। गिरावट के माहौल का फायदा उठा सकते हैं। हालांकि ट्रेडरों को कम क्वांटिटी के साथ ट्रेड करना चाहिए। इस वक्त ट्रेडरों के लिए भी काफी मुश्किल भरा मार्केट है। निवेशक के लिए अच्छा है कि वह सीधे निवेश से बचें। एसआईपी जारी रखें। कम अग्रेसिव निवेशक थोड़ा इंतजार करें। बाजार में रिवर्सल के संकेतों का वेट करें। इस वक्त ट्रेडर व निवेशक दोनों संभल कर अपनी स्ट्रैटेजी बनाएं। वारेन बफे के मुताबिक गिरते बाजार में निवेश करने का जोखिम उठाना चाहिए।

टिप्स का अध्ययन करें

लिटमस टेस्ट करें। आपके निवेश करने के पहले, किसी भी विश्लेषक की टिप्स का कुछ समय तक परीक्षण करें। उसके बाद ही फैसला करें। कई ब्रोकरेज हाउस अपनी बड़ी रिसर्च टीम का दावा करते हैं। उनकी रोजाना रिपोर्ट आती हैं। इनमें से कितनी सही रहती होंगी।

पहले रिसर्च करें, बाद में नहीं

निवेश के पहले शेयर के बारे में ठीक से रिसर्च करें। उस पर ब्रोकर से विस्तार से रिपोर्ट मांगें। लंबी अवधि की संभावनाएं अच्छी हों तभी निवेश करें। ट्रिगर प्राइस और टार्गेट प्राइस वाली टिप्स पर समय बर्बाद नहीं करें।

जो तेज चढ़ता है, तेज गिरता है

जब भी ऊंचाई पर कोई आंकड़ा देखा जाता है, उसमें प्रगति की बड़ी संभावना दिखाई देती है। लेकिन जब कोई शेयर काफी बढ़ चुका हो या किसी सेक्टर में काफी तेजी आ चुकी हो, सतर्क रहना चाहिए। ज्यादा पीई अनुपात का मतलब है कि भविष्य में प्रगति दर घटने वाली है।

समय नहीं है तो सिप से लगाएं धन

अगर आपके पास अपने पोर्टफोलियो में नए शेयर चुनने का समय नहीं है तो शेयर बाजार में सीधे धन नहीं लगाएं। सिस्टैमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (सिप) में निवेश से भी काफी मूल्य निर्मित किया जा सकता है।

अस्थिरता होने पर नहीं करें ये गलतियां

घबराकर बिकवाली ना करें

बाजार में अस्थिरता होने पर घबराहट में बिकवाली करने से बचें। यह सबसे पहला नियम है। कयासबाजी पर तुरंत प्रतिक्रिया करना हानिकारक साबित हो सकता है। आपको हमेशा यह बात देखनी चाहिए कि किसी शेयर की पिटाई क्यों हुई है? इसे देखते हुए ही किसी शेयर को बेचने का फैसला करना चाहिए। अगर आप गिरावट की वजहों से संतुष्ट नहीं हैं तो इस बात पर विचार करें कि क्यों आपने उस शेयर को खरीदा था। इससे आपको सही समीक्षा करने में मदद मिलेगी।

सिप को नहीं रोकें

आपका कुछ भी फैसला हो, लेकिन, म्यूचुअल फंड में सिप को रोकने की गलती कतई न करें। इससे सिप को लेने का मकसद विफल हो जाता है। बाजार में मंदी का दौर ही वह समय होता है जब आपको इनके साथ जरूर बने रहना चाहिए। इससे आपको अपने लंबी अवधि के लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलती है। सिप को रोककर आप इक्विटी में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ खो देंगे। गिरावट के समय आपको कम कीमत पर ज्यादा यूनिटें खरीदने का मौका मिलेगा। बाजार के वापसी करने पर आप इसका फायदा उठा सकेंगे। लंबी अवधि में इक्विटी से सबसे अच्छा रिटर्न मिलता है। इसलिए इनके साथ बने रहने में समझदारी है।

सिर्फ गिरावट के समय नहीं खरीदें

केवल पिटे हुए स्टॉकों में पैसा लगाने में आप गलती भी कर सकते हैं। इस बात का अंदाजा लगा पाना बेहद मुश्किल है कि किसी कंपनी का निचला स्तर क्या होगा। इससे आप सही मूल्य को आंकने के चक्कर में बुरी तरह से फंस सकते हैं। नए निवेशकों को फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों से दूर रहना चाहिए। किसी कंपनी में निवेश करने से पहले उसके बुनियादी पहलुओं को देखना चाहिए। इस बात की भी जानकारी करनी चाहिए कि कंपनी का ट्रैक रिकॉर्ड कैसा रहा है। उसके रेवेन्यू, प्रॉफिट, प्राइस-टू-अर्निंग रेशियो और डेट-टू-इक्विटी रेशियो के बारे में जानकारी कर लेनी चाहिए। अगर आप खुद यह काम नहीं कर सकते हैं तो किसी प्रोफेशनल की सलाह लेनी चाहिए।

एक सेक्टर में लिवाली न करें

हमेशा डायवर्सिफिकेशन के बारे में सोचना चाहिए। कहते हैं कि एक टोकरी में सभी अंडों को रखना बड़े नुकसान को दावत दे सकता है। इसलिए गिरावट के समय अच्छे शेयरों में निवेश के मौके तलाशने चाहिए। केवल एक सेक्टर के शेयरों में ही दांव लगाने से बचना चाहिए।

कर्ज लेकर शेयरों में न लगाएं

कई लोग ज्यादा रिटर्न के लिए कर्ज लेकर शेयरों में लगा देते हैं इस तरह के निवेश के तरीके को मार्जिन इंवेस्टिंग कहा जाता है। बेशक इस तरह से अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है। लेकिन, इसमें नुकसान भी बहुत ज्यादा होता है। इस तरह के निवेश के तरीके से हमेशा ही बचना चाहिए। बाजार में अस्थिरता के वक्त तो और भी चौकन्ना हो जाना चाहिए।

इक्विटी एनालिसिस सीखना आसान

ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

जब आप इक्विटी में निवेश करने जाते हैं तो सबसे मुश्किल काम एनालिसिस समझा जाता है। एक छात्र कॉलेज में स्टॉक मार्केट गेम्स खेला करता था। उन्हें इस गेम में मजा आया, लेकिन वह यह भी जानता था कि यह पैसा बनाने का भरोसेमंद तरीका नहीं है। उसके बाद वे इक्विटी एनालिसिस कॉम्पिटिशन में शामिल हुआ और उन्हें पता चला कि उस फोरम में जिन केस पर चर्चा हुई, वे बेहद पेचीदा थे। क्या किसी नए शख्स के लिए इक्विटी एनालिसिस शुरू करने का कोई आसान तरीका हो सकता है? अगर किसी ने फाइनेंस की पढ़ाई नहीं की है तो वह इक्विटी एनालिसिस सीखने की शुरुआत कैसे करे? आइए जानते हैं। इक्विटी एनालिसिस में कई फैक्टर्स शामिल होते हैं। इसमें आपको सूचनाओं का गंभीरता से विश्लेषण करना पड़ता है। हालांकि, बुनियादी कॉन्सेप्ट्स सिंपल और सीधे हैं। आपको यह देखना होता है कि कंपनी में ऐसी क्वॉलिटी है, जिससे उसका मुनाफा लंबे समय तक बढ़ता रहे? यह सबसे बड़ा सवाल होता है। अगर जो भी एनालिसिस करें, उससे यह पता चलना चाहिए। यह नए बिजनेस के लिए मार्केट ऑपर्च्युनिटी हो सकती है या प्रमोटर्स की समझदारी या प्रॉडक्ट्स तैयार करने का इनोवेटिव तरीका, जिससे कम समय में कंपनी बाजार के बड़े हिस्से पर कब्जा कर ले। इन सभी कामकाज का असर आखिरकार कंपनी के मुनाफे पर पड़ता है।

मार्केट मंत्र | **बिजनेस डेस्क**

ऐसे समझें

एक ऐसे बिजनेस की कल्पना करिए, जिसकी शुरुआत प्रमोटर्स ने अपने जेब से लगाए पैसे से की हो। इनवेस्टर्स को रिटर्न देने के लिए बिजनेस को एसेट्स की जरूरत पड़ेगी, जिससे वह कोई प्रॉडक्ट बना सके या सर्विस ऑफर कर सके। यह पैसा इस काम के लिए लगाया जाता है और इससे फिर आमदनी होने लगती है। एनालिसिस की शुरुआत इससे की जा सकती है कि कंपनी सेल्स से जो कमाई कर रही है, उससे मुनाफा होगा। टैक्स के बाद जो मार्जिन बचता है, वह इनवेस्टरों के लिए होता है। इसलिए सबसे पहले आपको इस आंकड़े पर नजर डालनी चाहिए। उसके बाद यह सवाल करना चाहिए कि सेल्स में कैसे बढ़ोतरी होगी? क्या कंपनी ट्रेडिंग बिजनेस से जुड़ी हुई है? क्या वह पैसों का इस्तेमाल सामान खरीदने के लिए करती है। इस स्टॉक के क्लीयर होने पर उसे मुनाफा होने लगेगा। कुछ कैपिटल बिजनेस की एसेट्स में ब्लॉक हो सकता है। हालांकि, एसेट्स से जितनी सेल्स हासिल होगी, इनवेस्टर्स का रिटर्न उतना ही अच्छा होगा।

ऐसे करें आकलन

मान लीजिए कि किसी बिजनेस की शुरुआत 100 रुपये से होती है। इस पैसे को फिक्स्ड एसेट्स, स्टॉक और मैटीरियल्स में लगाया जाता है। इससे फिर सामान तैयार किया जाता है। साल के अंत में 150 रुपये की बिक्री हासिल होती है, जिसकी लागत 125 रुपये रहती है। इसमें टैक्स के बाद 25 रुपये का मुनाफा होता है। ऐसे में इनवेस्टर्स का रिटर्न 25 पर्सेंट होगा। अब मान लीजिए कि उस कैपिटल से कंपनी को 300 रुपये की सालाना सेल्स हासिल होती है क्योंकि वह साल में दो बार उतना सामान तैयार करके बेचती है। तब इनवेस्टरों का रिटर्न दोगुना हो जाएगा। एक बिजनेस जो कैपिटल की मदद से अधिक सेल्स हासिल करता है और वह एसेट्स में पहले जितना ही इनवेस्टमेंट करता है तो शेयरहोल्डर्स को अधिक रिटर्न मिलता है। एसेट्स टु सेल्स टर्नओवर से इनवेस्टर्स का रिटर्न बढ़ता है। सेल्स-एसेट्स ऐसा डेटा है, जिससे इनवेस्टर को बिजनेस की एसेट प्रॉडक्टिविटी का पता चलता है।

कर्ज की समझ जरूरी

तीसरी चीज कर्ज है। अगर कोई बिजनेस कैपिटल पर 25 फीसदी का रिटर्न हासिल करता है, तो प्रमोटर्स 10 फीसदी पर कर्ज लेकर उसमें इनवेस्ट करना पसंद करेंगे। मान लीजिए कि बिजनेस में 50 फीसदी इक्विटी और 50 फीसदी बॉरोइंग है। तब क्या होगा? उस वक्त ब्याज चुकाने के बाद मुनाफा 25 रुपये से घटकर 20 रुपये रह जाएगा। हालांकि, 50 रुपये के इक्विटी पर 20 रुपये के रिटर्न 40 फीसदी होगा। यह पहले के 25 फीसदी रिटर्न से अच्छा है। इसलिए एसेट टु नेटवर्थ डाटा को भी देखना चाहिए। रिटर्न ऑन इक्विटी प्रॉफिट मार्जिन, सेल्स एसेट्स और एसेट्स नेटवर्थ से डिसाइड होता है।

इक्विटी के दम से पूरे करें सपने

किसी भी लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट में रिस्क रिवॉर्ड रेशियो का ज्यादा झुकाव इक्विटी इनवेस्टमेंट की तरफ होता है। रिस्क फ्री फिक्स्ड इनकम इनवेस्टमेंट की श्रेष्ठता तब धरी-की-धरी रह जाती है, जब हमें समझ आता है कि जोखिम से आजादी दिखने वाली चीज असल में कुछ हाथ नहीं आने की आजादी है। ये बात हमें तब समझ आती है जब हम रियल, इन्फ्लेशन एडजस्टेड, टैक्स बाद रिटर्न पर गौर करते हैं। हम जैसे ही इक्विटी निवेश की अपरिहार्यता को स्वीकार कर लेते हैं, हमारे सामने तुरंत यह सवाल आता है कि यह मुश्किल काम किया कैसे जाए?

निवेश के दो तरीके

जिन लोगों ने पहले कभी शेयरों में निवेश नहीं किया है उनके लिए यह तय करना मुश्किल है कि शुरुआत कहां से की जाए। वैसे इक्विटी निवेश के दो तरीके होते हैं। एक तरीका यह है कि आप शेयरों का चुनाव और खरीद-फरोख्त खुद करें। दूसरा, इक्विटी फंड्स के जरिए निवेश करें। दोनों का अंतिम मकसद एक ही होता है- इक्विटी से सुपीरियर रिटर्न हासिल करना। हालांकि, दोनों एक्टिविटीज एक दूसरे से एकदम अलग हैं। अगर आप एक्सपर्ट नहीं हैं या इसके लिए ज्यादा वक्त देने को तैयार नहीं हैं तो खुद निवेश करने के बारे में सोचने का कोई फायदा नहीं। ऐसे में म्यूचुअल फंड्स बेहतर विकल्प होंगे। ऐसे कई लोग हैं, जो अपना पोर्टफोलियो खुद मैनेज कर रहे हैं और बेहतर रिटर्न पा रहे हैं। हालांकि, 100 में से 5 या 10 को कामयाबी मिल पाती है। इक्विटी म्यूचुअल फंड निवेश से इन दिक्कतों से छुटकारा पाया जा सकता है। इक्विटी निवेश का मूल मंत्र यह है कि आपकी नजर में कामयाब स्टॉक इनवेस्टिंग क्या है और इंफॉर्मेशन, एनालिसिस के आधार पर बनी निवेश योजना को अंजाम देने की क्षमता कितनी है। लेकिन म्यूचुअल फंड्स के जरिए इक्विटी निवेश के बहुत ज्यादा फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें अनुशासित डायवर्सिफिकेशन होता है। फंड मैनेजर्स संस्थागत दायरे में काम करते हैं जिसमें उन पर निवेश के कुछ नियम लागू होते हैं। इसमें पोर्टफोलियो डायवर्सिफाइड रहेगा और इंडिविजुअल शेयर, सेक्टर या स्टॉक टाइप को लगने वाले झटके से सुरक्षित रहेगा। दूसरा फायदा यह होता है कि इसमें छोटी रकम से निवेश शुरू किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड्स में आप कुछेक हजार रुपये से शुरुआत कर सकते हैं। यह आसान भी होता है। इक्विटी फंड्स का एक और फायदा ये होता है कि लॉन्ग टर्म में इनसे ज्यादा रिटर्न मिलता है। शेयरों के अट्रैक्शन के हिसाब से सभी इक्विटी पोर्टफोलियो में उनकी कुछ खरीदफरोख्त होती है।

ये पांच खूबियां, तभी निवेश में कामयाबी

बिजनेस डेस्क

लोकप्रिय मान्यता के विपरीत, पैसे कमाने के लिए प्रतिभा और कौशल की उतनी जरूरत नहीं होती है जितना उस दिशा में आगे बढ़ने के लिए सही दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। आप शानदार रणनीतियां बनाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं करते हैं तो आप ज्यादा कुछ नहीं कर पाएंगे। सफल निवेशक, अपने निवेश के मार्ग पर दृढ़ता और धैर्य के साथ आगे बढ़ते रहते हैं और लक्ष्य तक पहुंच कर ही मानते हैं। अगर आप भी निवेशक के तौर पर कामयाबी हासिल करना चाहते हैं तो आपे में पांच खूबियां जरूर होनी चाहिए।

पहले बचत, बाद में खर्च

सफल निवेशक महीने की शुरुआत बचत से करते हैं और खर्च बाद में करते हैं। पहले बचत करने से खर्च पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। पैसे बनाने के लिए आपका भी पहला कदम यही होना चाहिए। आप ऑटोमैटिक तरीके से महीने की शुरुआत में ही अपनी बचत को लॉक कर सकते हैं। आप बैंक को आपके रेकरिंग डिपॉजिट अकाउंट या म्यूच्यूअल फंड एसआईपी के लिए हर महीने की शुरुआत में ही कुछ रकम काट लेने का स्थायी निर्देश दे सकते हैं।

उद्देश्य के अनुसार निवेश

व्यावहारिक लक्ष्य निर्धारित करना और उसी के हिसाब से निवेश करना एक और ऐसी ही खूबी है जो काफी फायदेमंद साबित होती है। इस बात पर ध्यान देते हुए कि संसाधन सीमित हैं, आपको अपने लक्ष्यों की प्राथमिकता के आधार पर रैंकिंग करनी चाहिए और अपने निवेश लक्ष्य के अनुसार निवेश साधनों का चयन करना चाहिए। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह और रिटायरमेंट की प्लानिंग जैसे लक्ष्य दीर्घकालिक होते हैं और इसके लिए आपको म्यूच्यूअल फंड्स और पीपीएफ जैसे साधनों में निवेश करना चाहिए। दूसरी तरफ, कार खरीदना या छुट्टी में घूमने जाना जैसे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लिक्विड फंड्स, रेकरिंग डिपॉजिट जैसे अल्पकालिक निवेश साधनों में निवेश किया जा सकता है।

जोखिम उठाने की क्षमता

सफल निवेशक जोखिम उठाने से घबराते नहीं हैं। अच्छा रिटर्न पाने के लिए आपको जोखिमवाले निवेश साधनों में निवेश करना चाहिए। अपना सारा पैसा किसी पारंपरिक संपत्ति में लगाकर आप ज्यादा मुनाफा नहीं कमा पाएंगे। यहां तक कि अधिकांश पारंपरिक संपत्तियों में भी थोड़ा-बहुत जोखिम तो होता ही है। ब्याज दरें समय-समय पर घटती-बढ़ती रहती हैं। उठाए जानेवाले जोखिम को किसी अच्छे रिस्क मैनेजमेंट प्लान की मदद से सुरक्षित किया जा सकता है।

निवेश में लाएं विविधता

अनुभवी निवेशक किसी एक एसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करते हैं। उनका कहना है कि अपने सारे अंडे एक ही टोकरी में न रखें। अलग-अलग निवेश साधनों में अलग-अलग रिटर्न मिलने की संभावना रहती है और जोखिम भी अलग-अलग होता है। इक्विटी में बहुत अच्छा रिटर्न मिलता है लेकिन यह बहुत परिवर्तनशील होता है। ऋण निवेश साधनों (डेट इन्वेस्टमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) में थोड़ा कम जोखिम होता है और कम रिटर्न मिलता है। दूसरी तरफ, रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश में कम जोखिम होता है और अच्छा रिटर्न भी मिलता है लेकिन इसमें लिक्विडिटी का अभाव होता है। इसलिए, पोर्टफोलियो बनाते समय किसी एक ऐसेट पर ध्यान देने के बजाय अलग-अलग ऐसेट्स में निवेश करना बेहतर होता है। इस तरह जोखिम भी कम हो जाएगा और रिटर्न से समझौता भी करना नहीं पड़ेगा।

पैसे निकालने की आदत छोड़ दें

अंतिम लेकिन बिल्कुल महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपने निवेश के मामले में धैर्य रखना पड़ेगा। सफल निवेशक किसी के कहने पर या इधर-उधर की बातों या विज्ञापनों पर आंख मूंदकर भरोसा करके पैसे निकालने की गलती नहीं करते हैं। मच्योरिटी से पहले निवेश की रकम निकाल लेने से लक्ष्य आधारित निवेश का उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है। अपने निवेश पर अटल रहने के लिए निवेश के उद्देश्य को याद रखना जरूरी है। दीर्घकालिक निवेशों को अबाधित छोड़ देने पर अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना रहती है। इसलिए समय से पहले अपने निवेश को भंजाने की गलती न करें।

सचेत रहते हुए रणनीति बनाएं, तभी गिरते बाजार में कमा पाएंगे निवेशक

अलर्ट | **बिजनेस डेस्क**

इस समय शेयर बाजार में लगातार गिरावट को दौर जारी है। ऐसे में निवेशकों को भी अलर्ट रहना होगा। भारतीय शेयर बाजार जबरदस्त हलचल से भरा हुआ है। निफ्टी 50 लगातार गिरावट के दौर से गुजर रहा है और अगर आगे भी यह ट्रेंड जारी रहा, तो यह 28 साल में अपनी सबसे लंबी गिरावट दर्ज करेगा। इससे पहले 1996 में ऐसी गिरावट देखने को मिली थी। निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा है। लगातार गिरावट के इस माहौल में निवेशकों के मन में बड़ा सवाल है अब आगे की रणनीति क्या बनाई जाए, ताकि कुछ वसूली हो सके और निवेशक घाटे से उबर सकें। ऐसे में क्या करें, बाजार से बाहर निकलें? धैर्य बनाए रखें? (लेकिन कब तक?) या नए अवसरों की तलाश करें? इस रिपोर्ट में आपको ऐसे ही कुछ सवालों के जवाब मिलेंगे जो आपको बाजार की सही दिशा के बारे में जागरूक कर सकते हैं।

इस समय एक गिरावट तोड़ सकती है निफ्टी का 28 सालों का रिकार्ड

बाजार के आंकड़े किधर जा रहे

एक्सपर्ट्स की राय जानने से पहले बाजार की स्थिति पर एक नजर डालते हैं। निफ्टी पिछले साल सितंबर से गिर रहा है और इसमें लोअर टॉप-लोअर बॉटम पैटर्न बन रहा है। अक्टूबर 2024 से अब तक यह 11.7% गिर चुका है। फरवरी के पहले कुछ हफ्तों में ही इसमें 3% की गिरावट दर्ज हो चुकी है। सन 1990 के बाद से सिर्फ दो बार ऐसा हुआ है जब निफ्टी लगातार पांच महीने तक गिरा हो। पहली बार 1994-95 में जब यह 31.4% टूटा था और दूसरी बार 1996 में जब यह 26% गिरा था। मौजूदा गिरावट तुलनात्मक रूप से कम है, लेकिन चिंताजनक बनी हुई है। विदेशी निवेशकों की बिकवाली एक बड़ी वजह बन रहा है। अक्टूबर 2024 से एफआईआई (विदेशी संस्थागत निवेशक) 2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली कर चुके हैं। वैश्विक कारणों को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। चीन के बाजारों में जबरदस्त रिकवरी आई है, जिससे विदेशी निवेशक वहां शिफ्ट हो रहे हैं। इसके अलावा, अमेरिकी नीतियां भी उभरते बाजारों पर असर डाल रही हैं।

निवेशक क्या करें

एक्सपट्र्स का मानना है कि मौजूदा गिरावट में सावधान रहने की जरुरत है मगर घबराने की जरूरत नहीं है, बल्कि यह एक रणनीतिक निवेश का अवसर भी हो सकता है। अब सवाल उठता है कि इस रणनीतिक निवेश की दिशा क्या होगी? हम ब्रोकरेज हाउस और एक्सपट्र्स की राय के आधार पर इन्हें बिंदुवार रखते हैं।

निवेशकों के लिए धैर्य जरूरी

अगर आप लंबी अवधि के निवेशक हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। स्टॉक मार्केट में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है। निफ्टी 50 का एक साल का फॉरवर्ड पी/ई अपने दीर्घकालिक औसत से नीचे कारोबार कर रहा है, जिसका मतलब है कि यह भविष्य में मजबूती पकड़ सकता है।

नई खरीदारी का सही समय

कुछ एक्सपट्र्स का मानना है कि यह खरीदारी का एक अच्छा अवसर हो सकता है। एसबीआई सिक्योरिटीज सलाह देता है कि निवेशक बॉटम-अप स्टॉक-पिकिंग रणनीति अपनाएं और चरणबद्ध तरीके से उच्च गुणवत्ता वाले स्टॉक में निवेश करें।

ट्रेडर्स के लिए क्या रणनीति

अगर आप शॉर्ट-टर्म ट्रेडर हैं, तो यह समय सतर्क रहने का है, जानकारों का कहना है कि जब तक निफ्टी 22,850 के नीचे बना रहेगा, तब तक बिकवाली का दबाव रहेगा। गिरावट की स्थिति में 22,500-22,400 के स्तर तक जाने की संभावना है। ऐसे में ट्रेडर्स को स्टॉप-लॉस का सख्ती से पालन करना चाहिए।

टैक्स हार्वेस्टिंग का लाभ उठाएं

अगर आपने इस साल कुछ नुकसान उठाया है, तो आप इसे टैक्स बचाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।एसबीआई सिक्योरिटीज का सुझाव है कि अगले पांच हफ्तों में टैक्स हार्वेस्टिंग रणनीतियों पर ध्यान देना चाहिए। यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स को संतुलित करने में मदद कर सकता है।

विदेशियों की रणनीति पर ध्यान दें

एक अन्य विशेषज्ञ के अनुसार, वर्तमान में 'भारत बेचो, चीन खरीदो' की रणनीति अपनाई जा रही है, लेकिन यह ट्रेंड हमेशा के लिए नहीं रहेगा। उभरते बाजारों में पैसा फिर से लौटेगा, और जब ऐसा होगा तो भारतीय शेयर बाजार को भी इसका लाभ मिलेगा।

कौन-से सेक्टर में निवेश करें

- आईटी सेक्टर : रुपये की कमजोरी के कारण आईटी कंपनियों को फायदा हो सकता है।
- बैंकिंग और फाइनेंस : मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियां इस गिरावट के बाद तेजी से उभर सकती हैं।
- रक्षा और मैन्युफैक्चरिंग : सरकार की मेक इन इंडिया पहल के कारण इन सेक्टर्स में ग्रोथ देखने को मिल सकती है।
- फार्मा और हेल्थकेयर : लंबी अवधि के लिए यह एक स्थिर निवेश विकल्प हो सकता है।

यह रखें ध्यान

कुल मिलाकर निफ्टी 50 ऐतिहासिक गिरावट के करीब जरूर है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि निवेशकों को घबराकर बाजार से बाहर निकल जाना चाहिए, यह एक ऐसा समय है जब सही रणनीति और धैर्य के साथ काम करने की जरूरत है। मार्केट एक्सपट्र्स से मिली सीख यह है कि लॉन्ग-टर्म निवेशक गुणवत्तापूर्ण स्टॉक्स को होल्ड करें, शॉर्ट-टर्म ट्रेडर्स स्टॉप-लॉस के साथ चलें, और नए निवेशक चरणबद्ध तरीके से मजबूत कंपनियों में निवेश करें. बाजार में उतार-चढ़ाव हमेशा आते हैं, लेकिन स्मार्ट निवेशक वही होते हैं जो इन मौकों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं।

हाल में केंद्र सरकार की तरफ से जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य को लेकर दो अहम घोषणाएं हुई हैं। पहली, केंद्र सरकार देश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में बीपी (उच्च व निम्न रक्तचाप), शुगर (डायबिटीज या मधुमेह) और कैंसर की राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने जा रही है। दूसरी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापा के खिलाफ देश में जागरूकता लाने का आह्वान किया है। इसके लिए सरकार की ओर से दस हस्तियों को अंबेस्डर बनाया गया है, जो देशवासियों में मोटापा से बचने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। देश में करीब 40 करोड़ लोग जीवनशैली संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सालाना करीब 60 लाख लोगों की जीवनशैली संबंधित रोगों के चलते मौत हो जाती है। इसके अलावा भी कई एक्यूट रोग हैं, जिनके चलते लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। कारोना महामारी के समय देश के सरकारी स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर की पोल खुली, उसके बाद से सरकार ने लगातार हेल्थ संबंधी बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने की कोशिश की है, लेकिन भारत जैसे बड़ी आबादी व जरूरती देश के लिए सरकार की कोशिश ऊंट के मुंह में जीरा साबित होती है। स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता के आधार पर लेने की जरूरत है, इसमें बड़े निवेश की आवश्यकता है। इसी के साथ योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा जैसे प्रिवेंटिव हेल्थ सिस्टम को सरकारी स्वास्थ्य कार्यक्रम से जोड़ने की आवश्यकता है। जीनशैली संबंधी रोगों की स्थिति का आंकलन करता आजकल का यह अंक..

जीवनशैली से संबंधित रोग बड़ी चुनौती

सेहत

डा ए.के. अरुण

जनस्वास्थ्य वैज्ञानिक व होम्योपैथिक चिकित्सक

जीवनशैली से संबंधित रोग आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। वैश्वीकरण की प्रक्रिया की सार्वजनिक स्वीकार्यता के बाद पूरी दुनिया में जीवनशैली से जुड़े रोगों का आंकड़ा तेज़ी से बढ़ने लगा है और सामान्य से दिखने वाले रोग जानलेवा तथा असाध्य रोगों की श्रेणी में आ गए हैं। आज जीवनशैली से सम्बंधित रोग एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ग़ैर संचारी रोग या एनसीडी भी कहा जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की वजह से सालाना छह मिलियन लोगों की जान जा रही है।

जीवनशैली से संबंधित रोगों के बारे में मेरी धारणा स्पष्ट है कि पहले आधुनिकता के नाम पर ग़लत जीवनशैली अपनाओ और बीमार बनो, फिर उसके इलाज के लिए अस्पतालों और डाक्टरों के पास भटको। जीवनशैली से संबंधित रोग आज भारत ही नहीं पूरी दुनिया में लोगों की परेशानी का सबब बने हुए हैं। वैश्वीकरण की प्रक्रिया की सार्वजनिक स्वीकार्यता के बाद पूरी दुनिया में जीवनशैली से जुड़े रोगों का आंकड़ा तेजी से बढ़ने लगा है और सामान्य से दिखने वाले रोग जानलेवा तथा असाध्य रोगों की श्रेणी में आ गए हैं। आज जीवनशैली से सम्बंधित रोग एक बड़ी समस्या के रूप में हमारे सामने हैं। जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों को ग़ैर संचारी रोग या एनसीडी भी कहा जाता है। यदि हमारे दैनिक जीवन की आदतें, जैसे भोजन, नींद, व्यायाम, दिनचर्या, तनाव का स्तर आदि स्वस्थ्य नहीं है तो यह जीवन शैली के रोगों की वजह बन सकता है। विगत कुछ वर्षों में कोरोना के बाद भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की स्थिति चिंताजनक रूप से बिगड़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जीवनशैली से संबंधित रोगों की वजह से सालाना 60 लाख लोगों की जान जा रही है। अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2030 तक इन रोगों की वजह से भारत को छह ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुक़सान उठाना पड़ सकता है।

तनाव में 26 फ़ीसदी भारतीय

इंडिया फिट रिपोर्ट 2024 के अनुसार 26 फ़ीसदी भारतीय तनाव से जूझ रहे हैं। इनमें 17 फ़ीसदी लोगों के तनाव की वजह वित्तीय अस्थिरता है। इसी रिपोर्ट के अनुसार 24 फ़ीसदी भारतीय उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। रिपोर्ट के अनुसार विगत तीन वर्षों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप उच्च कोलेस्ट्रॉल,थायरॉइड जैसे जीवनशैली के रोगों में बहुत तेज़ी आई है। उच्च रक्तचाप एवं उच्च कोलेस्ट्रोल एक साइलेंट किलर है। यह आम भारतीयों में तेज़ी से बढ़ रहा है। उच्च कॉलेस्ट्रोल वाले लोगों की संख्या में सालाना दो फ़ीसदी की बढ़ोतरी देखी जा रही है। ऐसे ही मधुमेह रोगियों का बुरा हाल है। इंडिया फिट रिपोर्ट 2024 के अनुसार 48 फ़ीसद भारतीय अस्वस्थ्य हैं। यही रिपोर्ट यह भी बता रही है कि भारत की लगभग आधी आबादी (50 फ़ीसदी) अस्वस्थ्य जीवनशैली की आदतों से

पीड़ित है। यह आंकड़ा चिंताजनक है। मानसिक रोग जैसे अनिद्रा तनाव अवसाद के साथ साथ स्लिप एपनिया के मामले भी तेज़ी से बढ़ रहे हैं। कम उम्र के युवाओं में हृदयगति रुक जाने से होने वाली मौतों की घटनाओं में भी वृद्धि देखी गई है। बढ़ती स्वास्थ्य चिंताओं के बीच अब सवाल उठता है कि सरकारें इन रोगों के रोकथाम प्रबंधन के लिए क्या कर रही है? विगत कुछ वर्षों से भारत सरकार का स्वास्थ्य बजट देखें तो बहुत उत्साहजनक नहीं दिखता। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी बजट बढ़ाने की मांग लंबे समय से की जा रही है। नवीनतम राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा रिपोर्ट अनुसार पहले से ही स्वास्थ्य बजट कुल जीडीपी का लगभग 1.2-1.3 फीसदी पर स्थिर है। इसे 2025 तक 2.5-3.0 फीसदी तक बढ़ाने की बात की जा रही थी। ऐसा राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में वादा भी किया गया था। हालांकि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के बजट में मामूली वृद्धि की गई है। पर वह एक फीसदी के पास ही है।

धनाभाव में सरकारी अस्पताल

विगत कोरोना वायरस महामारी के आतंक को सभी ने देखा और भुगता है। सबसे बुरी हालत मेहनतकश ग़रीब लोगों की थी। सरकारी अस्पताल लगभग नकारा थे। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो 85 फ़ीसदी सरकारी अस्पताल और उपचार केंद्र आज भी धन के अभाव में ही चल रहे हैं। कोरोना महामारी के थम जाने के बावजूद सरकार कोरोना से होने वाली मौतों का ठीक से आंकड़ा भी उपलब्ध नहीं करा पाई है। यदि देश के 748 ज़िले के अस्पताल ठीक होते तो विगत कोरोना महामारी के दौरान ऐसी अफ़रातफ़री नहीं मचती। इधर सरकार द्वारा लोगों के स्वास्थ्य से संबंधित कई घोषणाएं सुनाई देती हैं। इन घोषणाओं में आधुनिक जीवनशैली के रोगों से निपटने के लिए सरकारी विज्ञापन आजकल सरेआम है।

प्रशिक्षित चिकित्सकों की कमी

कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य ढांचागत निर्माण मिशन उन योजनाओं में एक महत्वपूर्ण योजना है। इससे देशभर में प्राथमिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए शुरू किया गया था। सन् 2021 से 2026 तक की अवधि के लिए इस योजना में 64,180 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। लेकिन पिछले दो बजट में कुल मिलाकर लगभग आठ हज़ार करोड़ रुपये का ही आवंटन किया गया है। भारत में अभी भी प्रशिक्षित चिकित्सकों की संख्या लगभग 13 लाख है, जो देश में 15-20 हज़ार प्रति व्यक्ति पर एक चिकित्सक की दर से बैठती है। यदि यहां प्रति दस हज़ार व्यक्ति पर एक चिकित्सक की उपलब्धता को ही मान लें तो सन् 2050 कोई 20.7 लाख चिकित्सक और चाहिए होंगे। सच्चाई तो यह है कि प्रशिक्षण के बाद लगभग दस-बीस फ़ीसद चिकित्सक अपना चिकित्सा व्यवसाय छोड़कर किसी और धन्धे में चले जाते हैं। चिकित्सा सेवा के स्वभाव में परिवर्तन एवं देश में उपभोक्तावाद के हावी होने के बाद अधिकांश चिकित्सक निजी प्रैक्टिस करने अथवा निजी पांचसितारा अस्पतालों में जाना पसंद करते हैं। मसलन सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था धीरे धीरे उपेक्षित एवं नकारा होती जा रही हैं। विगत कुछ वर्षों में चिकित्सा शिक्षा से संबंधित सरकारी नीतियों में जटिलता की वजह से भी दिक्कतें आ रही हैं। कहा जा रहा है कि देश में 70 हज़ार से एक लाख ऐसे डॉक्टर्स हैं जिन्होंने विदेशों में पढ़ाई की है और वे भारत में अपना रजिस्ट्रेशन कराना चाहते हैं। लेकिन जटिल प्रक्रिया की वजह से ये अभी भी धक्के खा रहे हैं। देश में नक़ली डॉक्टरों की भी एक बड़ी संख्या है जिसे सरकार पकड़ नहीं पा रही है।

टोगो वैक्सीन वितरण की योजना

भारत सरकार की प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) प्रति वर्ष प्रत्येक ग़रीब परिवार को 5.0 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने का दावा करती है। सरकारी दावों में लगभग 1.80 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) का लक्ष्य बताया गया है,जबकि वर्तमान में 1,68,044 आरोग्य मंदिर चलने का दावा किया जा रहा है। "आयुष्मान भव" अभियान के तहत 7.12 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड तथा 11.34 करोड़ आभा आईडी सृजित किए गए हैं। यह भी दावा है कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में 15.33 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने लाभ प्राप्त किया है। सरकार ने अपने मासिक मंत्रिमंडल रिपोर्ट फ़रवरी 2024 में दावा किया है कि लगभग 3.5 लाख आयुष्मान मेले का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें टीबी, एचबीपी, मधुमेह, माउथ कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, मोतियाबिंद आदि से बचाव के लिए 29.54 करोड़ से भी ज़्यादा स्क्रीनिंग की गई। भारत सरकार का दावा है कि फ़रवरी 2024 में डिजिटल स्वास्थ्य पर वैश्विक पहल (जीआईडीएच) को भी शुरू किया गया है। यह भी दावा किया है कि 'टोगो' नामक महामारी की रोकथाम के लिए बिल गेट्स की संस्था 'गावी' के साथ मिलकर वैक्सीन वितरण की पहल या साझेदारी भी की जा सकती है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है।

सेहत पर भारी पड़ रहा है पैक्ड फूड

खान-पान

अर्चना कुमारी

लेखिका व स्वतंत्र पत्रकार

आधुनिक समय में लोगों की जीवनशैली काफी बदल चुकी है। लोग हेल्दी खाने से ज्यादा उसका स्वाद देखते हैं, जिसका नतीजा यह है कि आज अधिकांश व्यक्ति किसी न किसी बीमारी से ग्रस्त हैं। दरअसल, व्यस्त लाइफस्टाइल में इन दिनों पैक्ड फूड यानी जंक फूड पर हम ज्यादा निर्भर होते जा रहे हैं जो कि एक बेहद ही गंभीर मामला है। वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दशकों में प्रोसेस्ड फूड कैंसर जैसी महामारी का बड़ा कारण बन सकता है। बता दें, पैक्ड फूड को लंबे समय तक ठीक रखने के लिए कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल किया जाता है। यह केमिकल बेहद ही खतरनाक होते हैं। जो हमारे शरीर पर कई तरह के हानिकारक प्रभाव डालते हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिसीज स्टडी के आंकड़ों के मुताबिक, विश्व में 20 प्रतिशत मौतें खराब आहार के कारण होती हैं। जंक फूड को बनाने में बहुत ज्यादा तेल, फैट, शुगर, स्टार्च, नमक और प्रोटीन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। इससे मोटापा और हृदय रोगों का खतरा बढ़ सकता है। कई स्टडी में यह बात सामने आ चुकी है कि फास्ट फूड में पाया जाने वाला ट्रांसफैट ब्लड में बैड कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ा देता है और गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर देता है। इससे टाइप 2 डायबिटीज और हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ा देता है। नमक की ज्यादा मात्रा बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। फास्ट फूड में कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है जिसकी वजह से लोगों का वजन बढ़ जाता है और मोटापे का शिकार हो जाते हैं। इससे अस्थमा और अन्य श्वसन संबंधी बीमारियां होने का रिस्क बढ़ जाता है। यह भी सुझाव दिया गया है कि जंक फूड खाने से मस्तिष्क उसी तरह प्रभावित होता है, जैसे नशे की दवाओं का सेवन करने से। दुनिया भर में जंक फूड को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना गया है। ये गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) को जन्म देते हैं, विशेष रूप से गरीब देशों में कुपोषण और मोटापे के दोहरे बोझ के लिए जिम्मेदार हैं। खानपान के तमाम जानकारों, जीवन शैली के तमाम विशेषज्ञों और डॉक्टरों के लगातार समझाने और चेतावनी देने के बावजूद पिछले कुछ वर्षों में जंक फूड हमारे ब्रंच, लंच या डिनर का अहम हिस्सा बन गया है। आजकल लोग पोषक भरी चीजे न खाकर स्वादिष्ट जंक फूड ज्यादा खा रहे हैं। जिसमें शरीर के लिए जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स नहीं होते हैं। जिस वजह से उनके शरीर में आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स की अत्यधिक कमी हो जाती है जिसको पूरा करने के लिए उन्हें दवाइयों पर निर्भर होना पड़ता है। इतना ही नहीं, जरूरी पोषक तत्वों की कमी की वजह से वो गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। ऐसे परिवारों की संख्या भी कम नहीं है जो पूरी तरह से पैक्ड फूड या रेडी टू ईट फूड पर निर्भर हो चुके हैं। बता दें, दुनिया भर में भारत खाद्य मानकों का उल्लंघन करने वाला सबसे बड़ा देश है, ऐसा फूड सोर्स मॉनिटरिंग कंपनी फूड सेंट्री का कहना है। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि एक दशक में आसानी से तैयार हो जाने वाले पैकेट बंद फूड के बाजार में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनके खाने के फायदे कम और नुकसान ज्यादा हैं। विदेश से आये फास्ट फूड ने हमारे देश पर कब्जा कर लिया है। जबकि भारतीय खाने में इतने विभिन्न आयाम हैं कि बयान करना मुश्किल हो जाता है। तरह-तरह के पकवान भारत के लोगों के इतिहास और उनकी संस्कृति को परिदृश्य करते हैं। फिर भी हम फ़ास्ट फूड के पीछे भाग रहे हैं।

'स्वस्थ भारत' संकल्प बने राष्ट्रीय अभियान

योजना

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार व विश्लेषक

देश में नॉन कम्युनिकेबल डिजीज (एनसीडी) के बढ़ते बोझ को देखते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 30 साल और उससे ज्यादा उम्र के सभी व्यक्तियों की मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य गैर-संचारी रोगों तथा सामान्य कैंसर के लिए 100 प्रतिशत जांच करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत ब्लड प्रेशर, मधुमेह या मुंह, स्तन या सर्विकल कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों की जांच होगी। इसके तहत देश के 89 करोड़ लोगों की शुगर से लेकर बीपी और कैंसर की जांच मुफ्त की जाएगी। यह अभियान 20 फरवरी से शुरू होकर 31 मार्च तक चलेगा। इसमें सरकारी अस्पताल, मोबाइल मेडिकल यूनिट और आशा कार्यकर्ताएं घर-घर जांच अभियान करेंगी।

गैर-संक्रामक रोगों का प्रकोप

सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है कि पिछले कुछ सालों से देश में गैर संक्रामक रोगों से मरने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। इस अभियान का उद्देश्य वास्तविक समय पर निगरानी करना है और साथ ही साथ एनसीडी से जुड़ी जटिलताओं को कम करना भी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की रिपोर्ट बताती है कि देश में 66 प्रतिशत मौतें गैर-संक्रामक बीमारियों के कारण हो रही हैं। हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर और श्वसन रोग जैसी बीमारियां 30 साल से अधिक उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ रही हैं जो एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुकी है। इसलिए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बीमारियों की जल्दी पहचान करना, इलाज शुरू करना और गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं को रोकना है। भारत सरकार ने अपने अभियान में मुख्य रूप से तीन तरह के कैंसर जांच की बात की है। इसमें मुंह के कैंसर, स्तन कैंसर और सर्वाइकल कैंसर की बात कही गई है। सरकार ने पाया है कि तंबाकू के सेवन से मुंह के कैंसर के मरीज अधिक सामने आए हैं, जिनकी मृत्यु भी हुई है।

फैल रहा सर्वाइकल कैंसर

वहीं महिलाओं में तेजी से स्तन कैंसर बढ़ रहा है। इसके अलावा पुरुष और महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर भी तेजी से फैल रहा है। इसकी रोकथाम और सही समय पर इलाज के लिए सरकार ने जांच का फैसला किया है। इतना ही नहीं, हार्ट अटैक से मरने वाले लोगों के लिए हाई ब्लड प्रेशर सबसे बड़ा कारण है। कम उम्र में ही लोग हाई ब्लड प्रेशर से जूझ रहे हैं। अधिक दबाव की वजह से वो अपना जीवन खो रहे हैं।

खराब लाइफ स्टाइल कारण

भारत में 45 प्रतिशत लोग हर साल सिर्फ हार्ट अटैक से मर रहे है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, एनसीडी सामूहिक रूप से दुनिया भर में हृदय रोग, स्ट्रोक, कैंसर, पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियों और मधुमेह समेत कुछ मौतों के 74 प्रतिशत से अधिक के लिए जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि आजकल कम उम्र में ही लोग डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियों और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, इन बीमारियों का एक बड़ा कारण खराब लाइफ स्टाइल है। ये सभी बीमारियां नॉन-

कम्युनिकेबल डिजीज यानी गैर-संचारी बीमारियां हैं। इनका मतलब है कि ये बीमारियां एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलतीं और इनका विकास अक्सर काफी समय लेता है।

आहार संबंधी आदतों से बढ़े रोग

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की रिपोर्ट में यह बताया गया है कि साल 1990 में इन बीमारियों से होने वाली मौतों का अनुपात 37.9 प्रतिशत था, जो 2016 में बढ़कर 61.8 प्रतिशत हो गया। आज के समय में भारत में 66 प्रतिशत से ज्यादा मौतें नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों के कारण हो रही हैं। इन बीमारियों में मुख्य रूप से दिल से जुड़ी बीमारियां, डायबिटीज, कैंसर और सांस से जुड़ी बीमारियां शामिल हैं। भारत में अधिकतर युवा आबादी है और ऐसा देखा गया है कि 30 से 40 साल की उम्र के युवा भी इस तरह की लाइफ स्टाइल डिजीज से काफी परेशान हैं। जीवनशैली में बदलाव, पर्यावरणीय कारक और आहार संबंधी आदतें इस महामारी को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं, जिससे न केवल बुजुर्ग बल्कि युवा भी प्रभावित हो रहे हैं। आज खाने में पैक्ड फूड को जिस तरह से तरजीह दी जा रही है, उसकी वजह से ये भी बीमारियां हो रही हैं। चिंता का विषय यह है कि भारत उन देशों में शामिल हो रहा है जहां कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हाल के अध्ययनों से भारत में कैंसर के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिली है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के अनुसार, देश में हर साल 1.3 मिलियन से अधिक नए कैंसर के मामले सामने आते हैं और अगले दशक में यह संख्या तेजी से बढ़ने की संभावना है। 2040 तक, भारत में कैंसर की घटनाओं के दोगुना होने का अनुमान है, जो स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती है। अगर देखा जाए तो सरकार की ये पहल स्वागत योग्य है, बशर्ते इसके पीछे छिपा हुआ कोई और एजेंडा ना हो।

गौरतलब है कि मोदी सरकार ने 'स्वस्थ भारत' की बात की, तो उसमें सिर्फ दवा, अस्पताल और डॉक्टर ही नहीं हैं, बल्कि प्राथमिकता यह है कि नागरिक बीमार ही ना हों। इसके लिए योग और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अगर कोई बीमार हो भी जाता है तो जांच और समयबद्ध उपचार की पूरी व्यवस्था है। मरीजों को मुफ्त दवा और इलाज की सुविधाएं आज बड़े पैमाने पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

आयुष्मान भव अभियान लांच

देश के 50 करोड़ से अधिक लोगों को साल का पांच लाख रुपये का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना मुहैया करा रही है। मोदी सरकार का लक्ष्य यह है कि देश के हर कोने में रह रहे जन-जन तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए ही आयुष्मान भव अभियान लांच किया गया है। इस अभियान के तहत जन आरोग्य योजना को जन-जन तक ले जाने, हर किसी का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट आइडी बनाने और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं देने का लक्ष्य रखा गया है। कई तरह की बीमारियों की पहचान के लिए व्यापक स्क्रीनिंग की भी व्यवस्था की गई है। इनमें टीबी, हाइपरटेंशन, सिकल सेल डिसीज यानी रक्त संबंधी विकार, मधुमेह आदि के लिए गांवों और शहरों में जांच अभियान चलाया जा रहा है। आयुष्मान भव योजना का मूल लक्ष्य देश के 6.45 लाख गांवों और 2.55 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंचने का है, ताकि लोगों के बीच इस योजना को लेकर जागरुकता आए और वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकें। यह प्रतिबद्धता पीएम मोदी की 'स्वस्थ भारत' परिकल्पना का अंग है। मालूम हो, अच्छा स्वास्थ्य मानव प्रगति और समृद्धि की आधारशिला है। आने वाला भविष्य उन्हीं समाजों का होगा, जो स्वास्थ्य के क्षेत्र में पर्याप्त संसाधन लगाएंगे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े सुधार की जरूरत

दो टूक

शंभू भद्र

वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार व जन स्वास्थ्य विश्लेषक

हाल में केंद्र सरकार की तरफ से जीवनशैली संबंधी स्वास्थ्य को लेकर दो अहम घोषणाएं हुई हैं। पहली, केंद्र सरकार देश में 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में बीपी (रक्तचाप), शुगर (मधुमेह) और कैंसर की राष्ट्रीय स्तर पर जांच कराने जा रही है। दूसरी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापा के खिलाफ देश में जागरूकता लाने का आह्वान किया है। इसके लिए सरकार की ओर से दस हस्तियों को अंबेस्डर बनाया गया है, जो देशवासियों में मोटापा से बचने के लिए जागरूकता फैलाएंगे। वर्ष 2022 तक देश को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया था, लेकिन सरकारी उदासीनता के चलते इस योजना ने दम तोड़ दिया। आज वर्ष 2025 में देश में कूड़ा व कचरा निस्तारण को लेकर मुकम्मल व्यवस्था नहीं बन सकी, तो क्या मोटापे के खिलाफ भी अभियान का ऐसा ही हश्र होने वाला है? पीएम ने ही जोर-शोर से फिट इंडिया अभियान शुरू किया था, यह अभियान आज कहां है? किसी को पता नहीं है। आज देश जीवनशैली संबंधी बीमारियों- उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, कैंसर, मोटापा (ओबेसिटी), थायराइड, कब्ज, टेंशन, डिप्रेशन के पीड़ितों के ज्वालामुखी पर बैठा हुआ है। करीब 19 करोड़ लोग शुगर, करीब 15 करोड़ लोग मोटापा, करीब 14 करोड़ लोग बीपी, करीब 9 करोड़ लोग कैंसर, करीब 12 करोड़ लोग टेंशन-डिप्रेशन, व करोड़ों लोग कंस्टिपेशन यानी कब्ज जैसी जीवनशैली संबंधी रोगों से सफर कर रहे हैं।

बहुत सारी बाधाएं

इन रोगों के लिए सिडेंट्री रहन-सहन, अस्वास्थ्यकर खानपान और गलत दिनचर्या जिम्मेदार हैं। खास बात है कि इन रोगों को प्रचलित मॉडर्न मेडिसिन से क्योर नहीं किया जा सकता है। यह बात समस्त चिकित्सा जगत को पता है। पीड़ितों को आजीवन दवा खाने की सलाह दी जाती है। लेकिन हॉलिस्टिक हेल्थ एप्रोच से जीवनशैली, खानपान और दिनचर्या में बदलाव लाकर इन रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है। इसलिए लाइफस्टाइल रिलेटेड इन बीमारियों से बचाव के लिए राष्ट्रीय अभियान की जरूरत है। जनस्वास्थ्य के प्रति सरकार की पहल स्वागत योग्य है, परंतु स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रशिक्षित वर्कफोर्स से लेकर नीति व बजट तक में बहुत सारी बाधाएं हैं। कई बार सरकार की योजनाओं का प्रारूप ही तय नहीं होता है। स्वच्छ भारत, ओडीएफ, फिट इंडिया जैसे कार्यक्रम उदाहरण हैं। सरकार अपनी योजनाओं का सोशल ऑडिट भी नहीं करती है। डायबिटीज, बीपी व कैंसर जांच का उद्देश्य अगर फार्मा कंपनियों को मुफ्त में डाटा उपलब्ध भर कराना है, तो ऐसे अभियान का कोई नतीजा नहीं निकलेगा। इस जांच का उद्देश्य अगर सच में जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नीति, उपचार व क्रियान्वयन की दिशा में कुछ किया जाना है, तो निश्चित रूप से इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा।

प्रिवेंटिव स्वास्थ्य पर हो जोर

भारत में करीब 80 फीसदी रोग प्रिवेंटिव हैं, जिसके लिए अस्पताल या दवा की जरूरत नहीं है, केवल गाइडेंस, प्रिवेंटिव चिकित्सा से रोका या

ठीक किया जा सकता है। केवल 20 फीसदी रोग हैं, जिसके लिए असल में अस्पताल व दवाओं की जरूरत है। अगर सरकार योग-व्यायाम-ध्यान, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा समेत समस्त भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को प्रिवेंटिव हेल्थ कार्यक्रम से जोड़ेगी तो स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय खर्च को तर्कसंगत बनाया जा सकता है। प्रिवेंटिव हेल्थ को स्कूल शिक्षा कार्यक्रम से भी जोड़ने की आवश्यकता है। खानपान व जीवनशैली संबंधी विषयों को शैक्षिक पाठ्यक्रम का अहम हिस्सा बनाने की जरूरत है।

स्वास्थ्य बजट जरूरत से कम

इस बार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में स्वास्थ्य के लिए 99,858.56 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो पिछले वित्त वर्ष से लगभग 11 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले वित्त वर्ष के 89,974 करोड़ रुपये के बजट आवंटन से मामूली वृद्धि है। बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए कुल 1.19 लाख करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। इसमें आयुष, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राशि भी शामिल है। सरकार ने दवा उद्योग के लिए पीएलआई हेतु 2,445 करोड़ रुपये भी आवंटित किए हैं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) को ₹9,406 करोड़ का आवंटन मिला। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएमएबीएचआईएम) के लिए ₹4,200 करोड़, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को ₹37,226.92 करोड़ व राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को ₹79.6 करोड़ आवंटित किए गए। बजट में वित्त मंत्री ने जन स्वास्थ्य का जिक्र सात बार किया, जिसमें सुलभ, ऊंची गुणवत्ता वाली और किफायती स्वास्थ्य सेवा पर जोर दिया गया था। जो मुख्य कदम बताए गए उनमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को ब्रॉडबैंड से जोड़ना, एआई से चलने वाले स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र तथा चिकित्सा शिक्षा में 10,000 नई सीटें जोड़ना शामिल हैं। वास्तव में चिकित्सा शिक्षा में पांच साल के भीतर 75,000 सीटें जोड़ी जानी हैं। 200 डे केयर कैंसर सेंटर खोलने, 1 करोड़ गिग (अस्थायी रोजगार वाले) कर्मचारियों को पीएम-जय के दायरे में लाने और चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निजी क्षेत्र के साथ मिलकर 'हील इन इंडिया' जैसे कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके साथ ही 36 जीवनरक्षक औषधियों पर सीमा शुल्क में भी राहत की घोषणा की गई। छह अन्य जीवनरक्षक औषधियों पर 5 फीसदी की रियायती दर से शुल्क लगाने तथा रोगी सहायता कार्यक्रमों का विस्तार करने की बात भी कही गई है। भारत में जन स्वास्थ्य प्राथमिक रूप से राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में स्वास्थ्य व्यय को 2025 तक बढ़ाकर जीडीपी का 2.5 फीसदी करने की सिफारिश थी। लेकिन अभी बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन जीडपी का एक फीसदी के करीब है, यानी बजट आवंटन लक्ष्य से बहुत पीछे है।

हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

देश में वर्ल्ड क्लास स्वास्थ्य इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने के लिए हेल्थ बजट जीडीपी का छह फीसदी होना चाहिए। इस क्षेत्र में नए रोजगार सृजन की क्षमता है। भारत के लिए बड़ा अवसर है, ऐसे में केंद्र व राज्य सरकार को मिलकर हेल्थ क्षेत्र को बेहतर बनाना चाहिए। इसे निजी क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता है। सरकार को इस क्षेत्र को रेगुलेट करने के लिए इरडा, सेबी जैसे हेल्थ सेक्टर के लिए नियामक बनाना चाहिए। इसी के साथ सभी नागरिकों के लिए अनिवार्य स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम लाना चाहिए। बजट में अनेक ख़ामियां रह गई हैं। जनसांख्यिकीय संकट पर कोई बात नहीं की गई है। आवासीय चिकित्सक, एंबुलेटरी यानी अस्पताल तथा बुजुर्गों की देखभाल को लेकर कोई बात नहीं है।

अहा बिरज में होली रे रसिया

द्वारकाधीश मंदिर से शुरुआत, 8 को होगी लट्ठमार होली

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में होली का भव्य उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। शनिवार को द्वारिकाधीश मंदिर से इस उत्सव का शुभारंभ हुआ, जो पूरे मार्च तक चलेगा। ब्रज की होली पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और इसे देखने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु यहां आते हैं। ब्रज की होली केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे महीने तक मनाया जाता है। बारसाना, नंदगांव और वृंदावन की होली अपने अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती है। लट्ठमार होली से लेकर फूलों और टेसू के रंगों तक, हर जगह होली का अलग-अलग रंग देखने को मिलता है।

ब्रज की होली का ऐतिहासिक महत्व

होली का पर्व वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है और ब्रज में इसे खास तौर पर श्रीकृष्ण-राधा की प्रेम लीला से जोड़ा जाता है। बरसाना की प्रसिद्ध लट्ठमार होली, जहां महिलाएं पुरुषों को लाठियों से मारती हैं, इस पर्व का मुख्य आकर्षण होती है।मथुरा-वृंदावन के अलावा गोकुल, नंदगांव और बलदेव में भी होली बेहद धूमधाम से मनाई जाती है। इस उत्सव में हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं।

देश-विदेश से श्रद्धालुओं का जमावड़ा होगा

हर साल ब्रज की होली को देखने के लिए दुनियाभर से लाखों लोग मथुरा-वृंदावन आते हैं। इस बार भी बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने की उम्मीद है। प्रशासन ने भी सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं, ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा में होली का भव्य उत्सव शुरू हो चुका है। शनिवार को द्वारिकाधीश मंदिर से इस उत्सव का शुभारंभ हुआ, जो पूरे मार्च तक चलेगा। ब्रज की होली पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और इसे देखने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु यहां आते हैं।ब्रज की होली केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि पूरे महीने तक मनाया जाता है।

7 को फाग आमंत्रण उत्सव आयोजित

नंदगांव में फाग आमंत्रण उत्सव 7 मार्च को आयोजित होगा, जिसमें होली खेलने के लिए सखियों को बुलाने की परंपरा निभाई जाती है। इसी दिन बरसाना के श्रीराधारानी मंदिर में लड्डू मार होली खेली जाएगी। 8 मार्च को बरसाना में प्रसिद्ध लट्ठमार होली खेली जाएगी, जहां महिलाएं पुरुषों पर लाठियों से प्रहार करेंगी और पुरुष इसे ढाल से बचाने का प्रयास करेंगे। इस वर्ष होली का मुख्य पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा, लेकिन इससे पहले ही ब्रज के विभिन्न स्थानों पर होली का आनंद लिया जा सकता है।

खबर संक्षेप

तुहिनकांत ने सेबी चेयरमैन का कार्यभार संभाला

मुंबई। तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को पूंजी बाजार नियामक सेबी के 11वें चेयरमैन के रूप में

कार्यभार संभाल लिया। अब तक वित्त सचिव के रूप में कार्य कर रहे एक नौकरशाह पांडेय को गुरुवार को सरकार ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) का चेयरमैन नियुक्त किया। उन्होंने माधबी पुरी बुच की जगह ली।

भाजपा ने अब स्वास्थ्य पर आप सरकार को घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में पेश की गई सीएजी रिपोर्ट को लेकर दिल्ली में सियासी घमासान

जारी है। भाजपा और आप आमने सामने है। कैग की रिपोर्ट पर भाजपा-आप वार पलटवार जारी है।भाजपा नेता आरपी सिंह ने कहा कि मेडिकल स्टाफ, इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है। बुनियादी चीजें भी नहीं हैं, मोहल्ला क्लीनिक और डिस्पेंसरी में थर्मामीटर भी नहीं हैं।

बंगाल में तृणमूल ने शुरू किया सत्यापन अभियान

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव

से पहले वोटर लिस्ट में हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। नेताओं ने शनिवार को वोटर लिस्ट के सत्यापन यानी कि वेरिफिकेशन के लिए घर-घर जाकर कैंपेन शुरू किया। मेयर फिरहाद हकीम ने चेतला इलाके में खुद मतदाता सूची सत्यापन अभियान चलाया।

तरनतारन में परिवार के 5 लोगों की मौत

तरनतारन। तरनतारन के पंडोरी गोला गांव में मकान की छत गिरने से परिवार के 5 लोगों की मौत हो

गई। हादसे में मरने वालों में पति-पत्नी और उनके 3 बच्चे शामिल हैं। शुक्रवार रात जिस वक्त घर की छत गिरी, उस वक्त परिवार सो रहा था। मृतक के परिजनों ने मीडिया से कहा कि हादसा छत गिरने के कारण हुआ। जिसमें घर के 5 सदस्यों की मौत हो गई है।

चलती बस के आगे गिरा एचटी तार, एक की मौत

शिमला। कालका-शिमला नेशनल हाईवे पांच पर परवाणू में पथ परिवहन निगम की चलती

बस के आगे अर्थिंग वायर गिर गई। तार गिरने से अगले दोनों टायर फट गए। बस को रोककर जैसे ही ड्राइवर समेत एक अन्य व्यक्ति बाहर निकले तो अचानक उन्हें भी झटका लग गया। इसमें से एक तार की चपेट में आ गया। तार से झुलसने से व्यक्ति की मौत हो गई।

बजट के दृष्टिकोण को कार्रवाई योग्य परिणामों में बदलना होगा

कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर पीएम मोदी ने वेबिनार को किया संबोधित

दलहन का उत्पादन, कृषि क्षेत्र का विकास गांवों की समृद्धि को बढ़ाएं, हर किसान लाभान्वित हो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि' पर बजट पश्चात वेबिनारको संबोधित किया। इस अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि यह तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट था। यह हमारी नीतियों में निरंतरता को दर्शाता है। विकसित भारत के विजन को एक नया विस्तार भी दिखता है। बजट से पहले आप सभी हितधारकों द्वारा दिए गए इनपुट और सुझाव, बजट तैयार करते समय बहुत उपयोगी रहे।

अब इस बजट को और अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने में, इसके परिणाम जल्द से जल्द प्राप्त करने में और सभी नीतियों को प्रभावी बनाने में, आपकी भूमिका और बढ़ गई है। इसका उद्देश्य इस वर्ष की बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन की रणनीति बनाने पर केंद्रित चर्चा के लिए प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाना है। कृषि विकास और ग्रामीण समृद्धि पर जोर देते हुए कहा कि यह सत्र बजट के दृष्टिकोण को कार्रवाई योग्य परिणामों में बदलने के लिए सहयोग को बढ़ावा देगा। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे प्रयासों से देश में दालों का उत्पादन बढ़ा है।

नीतियों को प्रभावी तरीके से लागू करें

प्रत्येक किसान को आगे बढ़ाना होगा

वेबिनार निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों और विषय वस्तु विशेषज्ञों को शामिल किया ताकि प्रयासों को संरेखित किया जा सके और प्रभावी कार्यान्वयन को आगे बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत की ओर बढ़ने का भारत का संकल्प बहुत स्पष्ट है, हम सब मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रहे हैं जहां किसान समृद्ध और सशक्त हों। हमारा प्रयास है कि कोई भी किसान पीछे न छूटे। हर किसान को आगे बढ़ाना है। हमने कृषि को विकास का पहला इंजन मानकर अपने अन्नदाताओं को गौरवपूर्ण सम्मान दिया है। हम कृषि क्षेत्र के विकास और गांवों की समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्नत बीजों की आपूर्ति बनी रहे

पीएम मोदी ने कहा कि अभी भी हमारी घरेलू खपत का 20 फीसदी विदेशों से आयात पर निर्भर है, जिसका मतलब है कि हमें अपना दलहन उत्पादन बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि दलहन उत्पादन में तेजी लाने के लिए जरूरी है कि उन्नत बीजों की आपूर्ति बनी रहे और संकर किस्मों(दो अलग-अलग वंशों के बीच प्रजनन से बनी नई प्रजाति होती है। संकर किस्मों को हाइब्रिड भी कहा जाता है।) को बढ़ावा दिया जाए। इसके लिए आप सभी को जलवायु परिवर्तन, बाजार की अनिश्चितता और कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

संगीत महोत्सव को भव्य उत्सव बताया

पीएम मोदी ने नई दिल्ली में जहान-ए-खुसरो महोत्सव में अपनी भागीदारी के अनुभव साझा किए। यह महोत्सव सूफी संगीत और संस्कृति का एक भव्य उत्सव है जो इस साल अपनी 25वीं वर्षगांठ मना रहा है। सुंदर नर्सरी में यह महोत्सव 2 मार्च को समाप्त होगा। पीएम मोदी ने कहा कि जहान-ए-खुसरो लोगों के दिलों में जगह बना रहा है। उन्होंने रमजान की शुभकामनाएं दीं। आगा खान के योगदान की सराहना की। अमीर खुसरो की विरासत की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने भारत को सभी बड़े देशों से महान बताया था।

एनबीडब्ल्यूएल बैठक की करेंगे अध्यक्षता, फिर 'वनतारा' जाएंगे

अहमदाबाद। पीएम मोदी शनिवार से गुजरात के 3 दिनी दौरे पर रहेंगे। वे जूनागढ़ के सासन में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। वे रविवार को जामनगर स्थित पशु देखभाल केंद्र वनतारा का भी दौरा करेंगे और अगले दिन जंगल सफारी का आनंद लेंगे। पीएम मोदी प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्री सोमनाथ ट्रस्ट की एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

एनएक्सटी कॉन्क्लेव में बोले

आज भारत दुनिया में अपनी विशेष 'छाप' छोड़ रहा

पीएम मोदी ने शनिवार को एनएक्सटी कॉन्क्लेव 2025 में भारत की बढ़ती वैश्विक पहचान और आयोजन क्षमता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में हर दिन नई उपलब्धियां हासिल हो रही हैं। पीएम ने कहा आज पूरी दुनिया भारत को जानना चाहती है। भारत हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और आर्थिक, सांस्कृतिक और तकनीकी रूप से दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने इस बात पर गर्व व्यक्त किया कि भारत दुनिया में सकारात्मक खबरों का केंद्र बन गया है। इस दौरान उन्होंने हाल ही में संपन्न महाकुंभ 2025 का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि दुनिया इस भव्य आयोजन से आश्चर्यचकित है कि करोड़ों लोग एक साथ अस्थायी शहर में आकर पवित्र नदी में स्नान करते हैं। इस दौरान 66 करोड़ 21 लाख श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में स्नान किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह आयोजन दुनिया को भारत की आयोजन क्षमता से परिचित कराता है।

अगला एआई समिट भारत में होगा

पीएम मोदी ने भारत की वैश्विक भूमिका को भी उजागर किया। उन्होंने कहा किउन्हें फ्रांस में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) समिट में शामिल होने का अवसर मिला जहां भारत सह-आयोजक था। उन्होंने घोषणा की कि अब अगला एआई समिट भारत में आयोजित होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत एआई और अन्य नई तकनीकों के माध्यम से करोड़ों लोगों का जीवन सुधार सकता है।

दिल्ली सरकार के मंत्री सिरसा बोले

1 अप्रैल से 15 साल पुराने वाहनों को नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल

- *दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर सरकार ने बैठक में की चर्चा*
- *क्लाउड सीडिंग को लेकर भी जरूरी अनुमति लेगी दिल्ली सरकार*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों को लेकर दिल्ली सरकार ने बड़ी घोषणा की है। सरकार ने ऐसे वाहनों को अब पेट्रोल पंप पर तेल नहीं देने की बात कही है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली में 31 मार्च के बाद पेट्रोल पंपों पर 15 साल से पुराने वाहनों को फ्यूल नहीं दिया जाएगा। दिल्ली में प्रदूषण पर नकेल कसने के लिए पहले ही 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर रोक लगी हुई है। अब सरकार ने एंटी स्मॉग गन लगवाने और क्लाउड सीडिंग पर भी अहम फैसला किया है।

अनिवार्य होगा एंटी-स्मॉग गन

सिरसा ने कहा कि दिल्ली में कुछ बड़े होटल हैं, कुछ बड़े ऑफिस कॉम्प्लेक्स हैं, दिल्ली एयरपोर्ट है, बड़ी कंस्ट्रक्शन साइट्स हैं। हम इन सबके लिए तुरंत एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं ताकि प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। हम दिल्ली की सभी ऊंची इमारतों के लिए स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं। हम दिल्ली के सभी होटलों के लिए स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं।

क्लाउड सीडिंग की अनुमति लेंगे

सिरसा ने कहा कि इसी तरह हम सभी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के लिए इसे अनिवार्य करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने आज फैसला किया है कि क्लाउड सीडिंग के लिए हमें जो भी अनुमति चाहिए, हम लेंगे और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जब दिल्ली में गंभीर प्रदूषण हो, तो क्लाउड सीडिंग के जरिए बारिश कराई जा सके और प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके।

पेट्रोलियम मंत्रालय को भी किया जाएगा सूचित

बैठक के बाद सिरसा ने कहा कि हम पेट्रोल पंपों पर ऐसे गैजेट लगा रहे हैं जो 15 साल से अधिक पुराने वाहनों की पहचान करेंगे और उन्हें कोई ईंधन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस फैसले के बारे में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय को सूचित करेगी। पुराने वाहनों के लिए ईंधन की आपूर्ति को प्रतिबंधित करने के अलावा, सिरसा ने घोषणा की कि राजधानी में सभी ऊंची इमारतों, होटलों और वाणिज्यिक परिसरों में वायु प्रदूषण के स्तर को रोकने के लिए एंटी-स्मॉग गन स्थापित की जानी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने 'जन औषधि रथ' को दिखाई हरी झंडी

किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं लोगों तक आसानी से पहुंचेंगी

- *विभिन्न इलाकों में घूमेगा रथ, लोगों को देगा स्वास्थ्य की जानकारी*
- *जन औषधि सप्ताह की शुरुआत के साथ ही बताया इसका उद्देश्य*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को 'जन औषधि रथ' को हरी झंडी दिखाकर 'जन औषधि सप्ताह' (1 मार्च से 7 मार्च) की शुरुआत की। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं लोगों तक पहुंचाना है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल भी शामिल रहीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने बताया कि 'जन औषधि रथ' दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न इलाकों में घूमेगा और लोगों को जन औषधि केंद्रों के लाभों के बारे में जानकारी देगा। यह जन औषधि केंद्र कम कीमतों पर जेनरिक दवाएं उपलब्ध कराते हैं जिससे आम लोगों का इलाज किफायती हो सके

लोगों में जागरुकता बढ़ाई जाएगी: मंत्री अनुप्रिया

वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जन औषधि सप्ताह के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि लोगों में इसकी जागरूकता बढ़े। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत दवाओं के दाम भी कम किए जा रहे हैं, जिससे लोगों का खर्च कम हो।

1 रुपए में सैनिटरी पैड उपलब्ध होंगे

उन्होंने कहा कि हम 1 से 7 मार्च तक 'जन औषधि-जन चेतना' सप्ताह मना रहे हैं। इस दौरान कई कार्यक्रम होंगे ताकि लोग जन औषधि केंद्रों और सस्ती दवाओं के बारे में जान सकें। हम दवाओं के लिए सस्ते विकल्प दे रहे हैं ताकि लोगों की दवा पर होने वाली खर्च को कम किया जा सके। अनुप्रिया पटेल ने यह भी बताया कि महिलाओं को सिर्फ 1 रुपए में सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता को लेकर जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अधिक से अधिक महिलाएं इस सुविधा का लाभ उठाएंगी।

देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदला

आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

कई जिलों में तेज बारिश और ओले गिरने से सूर्य देव नहीं दिखे, तापमान में आई गिरावट

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

चढ़ते फागुन में बादलों ने आसमान में डेरा डाल दिया है। धूप पर पहरा लगाकर गर्मी के चढ़ते तेवर को ठहरा दिया है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम का मिजाज बदल चुका है। हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड की वर्षा ने यूपी के मौसम पर भी अपना असर छोड़ा है।

शुक्रवार को पूरे दिन खुलकर धूप नहीं निकल सकी। अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय के अनुसार 2 दिन तक आसमान में छिटपुट बादल जमे रहेंगे। पश्चिमी यूपी में जोरदार बारिश होगी। नोएडा, मेरठ, गाजियाबाद व आसपास के जिलों में गरज-चमक के साथ तेज बारिश हुई। ओले गिरने से ठंड बढ़ गई है।

सामान्य से कम रहा तापमान

धूप की लाचारी से अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस तक ही सिमट गया। यह सामान्य से कम रिकॉर्ड हुआ। न्यूनतम तापमान पर मौसम के बदलाव का ठीक विपरीत प्रभाव पड़ा। यह बीते दिन के मुकाबले करीब चार डिग्री चढ़ गया।

पंजाब में भी सड़कें हो गईं 'सफेद'

अमृतसर। पंजाब में मौसम का मिजाज बदल गया है। बारिश की वजह से ठंडक फिर से लौट आई है। अमृतसर में शुक्रवार देर शाम को जोरदार ओले गिरे। इससे राजासांसी विधानसभा क्षेत्र की सड़कें सफेद बर्फ ओलो से ढंक गईं। सड़कों पर बर्फ की मोटी परत जम गई।

पार्टी नेता राउत ने कहा

महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष पद पर दावा ठोकेगी शिवसेना यूबीटी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति से जुड़े अहम घटनाक्रम में शिवसेना यूबीटी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर दावा ठोकने की तैयारी कर रही है। शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा है कि उनकी पार्टी 10 फीसदी सीटों के अभाव में भी नेता प्रतिपक्ष पद पर दावा करेगी। उन्होंने कह कि अतीत में भी विपक्षी दलों के नेताओं को नेता प्रतिपक्ष पद दिया जा चुका है। भले ही शिवसेना यूबीटी के विधायकों की संख्या काफी कम है, संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि सदन की कार्यवाही नेता प्रतिपक्ष के बिना नहीं चलाई जा सकती। राउत ने कहा कि यूबीटी के विधायकों की संख्या 20 है। यह अहम है क्योंकि कांग्रेस नेताओं ने पहले कहा था कि अगर शिवसेना विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के पद पर दावा करती है तो वह विधान परिषद में भी इसी पद की मांग करेगी।

वैष्णव ने अहमदाबाद में हाई-स्पीड रेल परियोजना का किया निरीक्षण

बुलेट ट्रेन का निरीक्षण कर प्रगति की सराहना की

- *श्रमिकों के बीच पहुंचे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सेल्फी भी ली*
- *350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, 360 किलोमीटर का काम करीब पूरा, 1100 टन से अधिक वजनी पुल, 508 किलोमीटर परियोजना की कुल दूरी*

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को अहमदाबाद में राष्ट्रीय हाई-स्पीड रेल परियोजना का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने एनएच 48 पर स्टील ब्रिज की स्थापना स्थल का भी दौरा किया, जो परियोजना का एक प्रमुख अवयव है।

इसके साथ ही अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना का निरीक्षण किया और कहा कि महाराष्ट्र खंड ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कार्य की प्रगति की सराहना भी की।

इन स्टेशनों के बीच दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

इसे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के नाम से जाना जाता है. जिसकी दूरी 508 किलोमीटर है। इस परियोजना में गुजरात (352 किमी) और महाराष्ट्र (156 किमी) शामिल हैं, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद/नडियाद, अहमदाबाद और साबरमती में कुल 12 स्टेशनों की योजना बनाई गई है।

350 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

वैष्णव ने कहा कि 360 किलोमीटर का काम करीब पूरा हो चुका है। जब 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलेगी, तो उसके चारों ओर प्रेशर का वातावरण तैयार होगा। स्टेशन पर जो दो लाइन बनेगी, तो ट्रेन की स्पीड को ध्यान में रखकर स्टेशन के रूफ को विशेष तरीके से डिजाइन किए जा रहे हैं। हर चीज का विशेष ध्यान रखा जा है। स्टेशन, ट्रैक, टनल में अच्छे और तेजी से काम चल रहे हैं। वैष्णव ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजनाओं में कई जगहों पर किसी न किसी तरह का अनूठा निर्माण हो रहा है। यह पुल 1100 टन से अधिक वजन का है। इसके कई विशेष अवयव भारत में निर्मित हैं। यहां काम करने वाली टीम पुल निर्माण की विशेषज्ञ है। यह वही टीम है जिसने अंजी और चिनाब पुलों पर काम किया है।

खबर संक्षेप

पीसीसी में 'यंग इंडिया के बोल' का आयोजन

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भोपाल में भारतीय युवा कांग्रेस के मुख्य कार्यक्रम यंग इंडिया के बोल सीजन 5 की फाइनल प्रतियोगिता रखी गई। ज्यूरी ने प्रदेश भर से आए युवाओं में से पांच युवाओं को चयनित कर भविष्य में युवा कांग्रेस के पटना में होने वाले राष्ट्रीय कंपटीशन के लिए चयनित किया। मीडिया चेयरमैन युवा कांग्रेस अभियान शुक्ला ने बताया कि प्रोग्राम को 3 श्रेणी में रखा गया था। मप्र युवा कांग्रेस के यंग इंडिया के बोल फाइनल कार्यक्रम में जूरी के रूप में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, माखनलाल चतुर्वेदी के पूर्व वाइस चांसलर दीपक तिवारी, महिला प्रेस क्लब की अध्यक्ष दीप्ति चौरसिया उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, अभिनव बरोलिया भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव मप्र प्रभारी शेषनारायण ओझा आदि मौजूद रहे।

कोरोना वैक्सीन से हो रही युवाओं की मौतः डॉ. मनोज

भोपाल। कम उम्र में कोरोना वैक्सीन से प्रदेश के युवाओं की मौत हो रही है। जिस पर सरकार स्पष्ट जवाब नहीं दे रही है। हाल के महीनों में युवाओं में बढ़ते हार्ट अटैक के मामलों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है, लेकिन सरकार इन पर ठोस जवाब देने के बजाय चुप्पी साधे बैठी है। यह आरोप शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने पत्रकारवार्ता में लगाए। यादव ने कहा कि क्या यह सरकार की लापरवाही नहीं कि वैक्सीन के प्रभावों की समुचित निगरानी नहीं की गई? प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि संगठन को मजबूत करने एक मार्च से प्रदेश के सभी जिलों में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सदस्यता अभियान में दो लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही सभी संभागों में प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया जाएगा।

किराया नहीं दिया, आप के ऑफिस पर जड़ा ताला

भोपाल। आम आदमी पार्टी का दिल्ली में विधानसभा चुनाव हारने का असर अब मध्यप्रदेश में भी देखने को मिल रहा है। राजधानी में आम आदमी पार्टी के कार्यालय में मकान मालिक ने ताला जड़ दिया। बताया जा रहा है कि पार्टी मकान का किराया नहीं दे रही थी। बता दें कि आम आदमी पार्टी का कार्यालय सुभाष नगर में स्थित है। जानकारी के मुताबिक दो महीने से किराया नहीं चुकाया गया है। 50 से 60 हजार रुपए किराया नहीं चुकाने की बात सामने आई है। ताला लगाने वजह यह सामने आई है कि कहीं रात के अंधेरे में कार्यकर्ता सामान न निकाल ले जाएं, इसलिए दीवार के पास पोकलेन मशीन भी लगा दी गई है। पूरे मामले में आम आदमी पार्टी की प्रदेशाध्यक्ष रीना अग्रवाल ने बताया कि मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि कार्यालय में ताला लगाया गया है। इधर जिलाध्यक्ष का कहना है कि हमारा कार्यालय नरेला शंकरी मोड़ पर है। ऐसी जानकारी मेरे पास नहीं है।

एनएचएम की नवीन संविदा नीति-2025 से चिकित्सा कार्मिकों को होगा फायदा

अब कर्मचारियों को हर साल अनुबंध के नवीनीकरण की नहीं होगी जरूरत, सीपीआई के आधार पर नियमित वेतनवृद्धि का मिलेगा लाभ

- गर्भवती महिलाओं को नियुक्ति के समय प्रसव के छह सप्ताह बाद कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति
- 32 हजार से अधिक संविदा कर्मचारी होंगे लाभान्वित
- वेतन वृद्धि, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, सेवा सुरक्षा के प्रावधान नवीन नीति में शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की नई संविदा कर्मचारी नीति-2025 जारी की गई है। इससे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्थायित्व आएगा और कर्मचारियों को बेहतर वातावरण मिलेगा। इस नीति का लाभ 32 हजार संविदा कर्मचारियों को मिलेगा और उनके परिवारों सहित लगभग 1.5 लाख लोग इससे लाभान्वित होंगे। यह निर्णय प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाने में सहायक होगा।

एनएचएम की नवीन नीति में कई सुविधाएं

अब कर्मचारियों को हर वर्ष अनुबंध के नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए पारदर्शी और समयबद्ध वार्षिक सेवा आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की गई है। कर्मचारियों की शिकायतों के निवारण के लिए एक अपीलीय अनुक्रम स्थापित किया गया है। संविदा कर्मचारियों की सेवा समाप्ति का अधिकार केवल मिशन संचालक एनएचएम के पास होगा और यह केवल प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करने के बाद ही किया जा सकेगा।

नवीन नीति में वेतनवृद्धि को भी एक सुव्यवस्थित ढांचे में लाया गया

नवीन नीति में वेतन वृद्धि को भी एक सुव्यवस्थित ढांचे में लाया गया है। अब उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आधार पर नियमित वेतन वृद्धि का लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को नियुक्ति के समय प्रसव के छह सप्ताह बाद (सातवें सप्ताह से) कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति दी जाएगी। मातृत्व अवकाश और पितृत्व अवकाश के प्रावधान भी संविदा कर्मचारियों के लिए लागू किए गए हैं।

आकस्मिक परिस्थितियों में सहायता के लिए अनुकंपा नियुक्ति और एक्स-ग्रेशिया प्रावधान

मप्र में स्वास्थ्य सेवाओं की सुचारु व्यवस्था के लिए संविदा कर्मचारियों को अंतर-जिला स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की गई है। जिला स्वास्थ्य समिति को जिले में स्थानांतरण का अधिकार दिया गया है। आकस्मिक परिस्थितियों में परिवार को सहायता प्रदान करने के लिए अनुकंपा नियुक्ति और एक्स-ग्रेशिया सहायता राशि के प्रावधान किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार विशेष अवकाश की सुविधा भी संविदा कर्मचारियों को प्रदान की जाएगी।

यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ जांच चल रही हो, तो उसे 50% वेतन

नवीन नीति में कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ जांच चल रही हो, तो उसे 50% वेतन प्रदान किया जाएगा। स्थानांतरण प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन ट्रांसफर मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। साथ ही, वेतन असमानता की समस्या को दूर करते हुए सभी संविदा कर्मचारियों के लिए वेतन समानता सुनिश्चित की गई है।

2600 रुपए प्रति क्विंटल एमएसपी पर गेहूं उपार्जित करेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा, बुंदेलखंड वीरों की धरती वीरों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता

सागर-दमोह रोड को फोर लेन बनाया जाएगा

सीएम गढ़ाकोटा में सांस्कृतिक रहस मेले व किसान सम्मेलन में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर के गढ़ाकोटा में तीन दिवसीय सांस्कृतिक रहस मेले में आयोजित किसान महा सम्मेलन में कहा कि बुन्देलखंड वीरों की धरती है। वीरों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने किसानों के लिए बड़ी सौगात देते हुए कहा कि सरकार अब किसान से 2600 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदेगी। उन्होंने कहा कि सागर-दमोह रोड को फोरलेन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंच से 5 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीमा पर जवान और खेत पर किसान को सम्मान देने का कार्य किया है। किसान की आय दोगुनी करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में बुंदेलखंड की लाखों हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी जमीन बचाकर रखें, उन्हें उनकी जमीन का पूरा लाभ मिलेगा और उनकी कृषि समृद्ध होगी। इस अवसर पर मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, सांसद लता वानखेड़े, विधायक व पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह सहित अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल थे। मेला अध्यक्ष अभिषेक दीपू भार्गव ने मेले की विस्तार से जानकारी दी।

डॉ. यादव ने हितग्राहियों को योजनाओं के हितलाभ किए वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के किए कार्यों का प्रभाव है कि काम के बल पर ही आज वो लगातार 9 बार से अपराजेय राजनेता बने हुए हैं। सरकार प्रदेश में बहनों को सरकारी नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि जहां सरकार बहनों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है, वहीं पूर्व मंत्री भार्गव ने 21 हजार से अधिक बेटियों की शादी कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक मैंने 9 रस ही देखे थे आज मैंने 10वां रस भी देख लिया। इस रहस मेला के आनंद में जो 10वां रस मिला है, वह अद्भुत है।

चावल पर 2000 रुपए प्रति हेक्टेयर बोनस दिया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार इस वर्ष किसानों का गेहूं 2600 रुपए प्रति क्विंटल खरीदेगी और अगले वर्ष यह बढ़ाकर 2700 रुपए प्रति क्विंटल खरीदने का मैं वादा करता हूं। उन्होंने कहा कि चावल पर 2000 रुपए प्रति हेक्टेयर बोनस दिया जाएगा। पूर्व पीएम स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के सपने को प्रधानमंत्री मोदी पूरा कर रहे हैं। इसमें केन-बेतवा लिंक परियोजना से बुंदेलखंड को लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है।

फूड इंडस्ट्रीज लगाने वालों को सरकार देगी 40 फीसदी सब्सिडी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने फूड इंडस्ट्रीज लगाने वालों को सरकार 40 प्रतिशत सब्सिडी देगी। मप्र सरकार की ओर से संचालित लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना जैसी सभी योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने सागर के संपूर्ण विकास के लिए संकल्प लेते हुए कहा कि इसके लिए लगातार कार्य किया जा रहा है।

तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. पटवा ने कहा था, इस मेले को और आगे बढ़ाएं

विधायक एवं पूर्व मंत्री भार्गव ने कहा रहस मेला 220 वर्ष पुराना मेला है। वर्ष 1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा ने कहा था कि इस मेले को और आगे बढ़ाएं। हमने पूर्व मुख्यमंत्री पटवा को मेले का पूरा इतिहास बताया, उन्होंने मेले को और समृद्ध बनाने के लिए निर्देशित किया था। पूर्व मंत्री भार्गव ने कहा कि विलुप्त हो रहे मेलों को आगे बढ़ाने का कार्य सरकार कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता से बन रहा संत रविदास महाराज का विशाल मंदिर

- मुख्यमंत्री ने बड़तूमा सागर में निर्माणाधीन संत रविदास मंदिर के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़तूमा सागर में निर्माणाधीन संत रविदास मंदिर के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने सागर में संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य में लगे शिल्पियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने संत रविदास मंदिर के मॉडल का अवलोकन कर विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संत रविदास मंदिर निर्माण पर आधारित चलचित्र (वीडियो प्रदर्शनी) को देखा। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति को परिष्कृत करने, सहेजने और सामाजिक समरसता में संतों की भूमिका से लोगों को परिचित कराने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता से संत रविदास मंदिर विशाल आकार में मूर्तरूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य मंदिर और संग्रहालय आस्था के साथ-साथ देश-दुनिया के लोगों को भारत की महान संत परम्परा की विचारधारा और संतशिरोमणि रविदास महाराज के जीवन से परिचित कराने वाला अद्भुत केंद्र बनेगा।

मंदिर का लाल पत्थर से नागर शैली में निर्माण

मप्र के प्राचीन महत्वपूर्ण शहर सागर में संत रविदास के जीवन मूल्य व विरासत को मंदिर संग्रहालय के माध्यम से देश-दुनिया में उजागर करने का प्रयास किया जा रहा है। संत रविदास के ईश्वर के प्रति समर्पण भाव से लोगों को परिचित कराना मंदिर संग्रहालय का केंद्र बिंदु बनेगा। बगैर आयरन के तैयार किए जा रहे 66 फीट ऊंचे संत रविदास मंदिर का लाल पत्थर से नागर शैली में निर्माण किया जा रहा है। मंदिर के गर्भगृह, अंतराल मंडप और अर्धमंडप का रोड से 5 फीट ऊंचा फाउंडेशन बनने के बाद नक्कासीदार पत्थरों के 72 पिलर लगाए गए हैं। इन पिलरों पर मंदिर का ऊपरी ढांचा खड़ा किया जाएगा। मंदिर के आसपास चार गैलरियों का निर्माण किया जा रहा है, जहां संत रविदास महाराज के जीवन को विस्तृत और आधुनिक संसाधनों की मदद से प्रस्तुत किया जाएगा। पुस्तकालय में संत रविदास की आध्यात्मिक व धार्मिक पुस्तकों को संग्रहित किया जाएगा।

अठावले ने की सीएम से भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार की शाम समत्व भवन में केंद्रीय सामाजिक न्याय तथा अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास अठावले ने भेंट की।

वनों से संबंधित प्रस्तावित नीति विचारोपरांत ही लागू होगी

- आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन के अधिकारों की रक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता
- मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित नीति के संबंध में प्रतिनिधिमंडल को किया आश्वस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हाई पॉवर पेसा एवं वनाधिकार टास्क फोर्स ने शुक्रवार को भेंट की। मुख्यमंत्री को निजी निवेश से वनों के उत्थान नीति के प्रस्ताव पर व्याप्त भ्रम से समिति के अध्यक्ष ने अवगत करवाया।

मुख्यमंत्री ने वनवासी कल्याण परिषद के प्रतिनिधि मंडल एवं हाई पॉवर टास्क फोर्स के सदस्यों से पेसा कानून एवं वनाधिकार कानून के आलोक में आदिवासियों के हितों की रक्षा करते हुए वन निवासी और जनजातीय समुदाय के सहयोग से, वनों को सुधारने के लिए सभी स्टेक होल्डर के साथ मिलकर नई नीति पर सभी पहलुओं पर मंथन करते हुए नई नीति प्रस्तावित करने के निर्देश वन विभाग के अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी सदस्यों से चर्चा की और आदिवासी समाज के लोगों से भ्रमित न होने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन, संस्कृति के अधिकारों की रक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में गिरीश कुबेर, राष्ट्रीय कैंपा सदस्य व टास्क फोर्स विशेष आमंत्रित सदस्य, सुभाष बड़ोले सह क्षेत्र संगठन मंत्री वनवासी कल्याण परिषद भोपाल, कालू सिंह मुजाल्दा आदिवासी मंत्रणा परिषद सदस्य आदि शामिल रहे।

प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला एसीएस के पद पर हुए पदोन्नत

भोपाल। राज्य सरकार ने अपर मुख्य सचिव (एसीएस) केसरी के सेवानिवृत्त होने के बाद नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला को पदोन्नत करते हुए उन्हें अपर मुख्य सचिव के पद पर पदस्थ किया है। उनके पास के संबंधित विभाग यथावत रहेंगे।

मनीष शंकर शर्मा बने स्पेशल डीजी

राज्य सरकार ने 2 आईपीएस अफसरों को स्पेशल डीजी के तौर पर पदोन्नत किया है। गृह विभाग से जारी आदेश के मुताबिक एडीजी सीआईडी पवन कुमार श्रीवास्तव को स्पेशल डीजी सीआईडी ओर एडीजी रेल मनीष शंकर शर्मा को स्पेशल डीजी रेल के तौर पर पदोन्नत किया गया है।

सुकमा जिले के किस्टाराम की घटना

पुलिस-नक्सलियों में मुठभेड़ 2 नक्सली ढेर, हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबदलपुर

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के किस्टाराम में शनिवार की सुबह पुलिस व जवानों के बीच मुठभेड़ हो गई। नक्सली और जवानों के बीच रुक रुककर गोलीबारी चल रही है। घटना को देखते हुए इलाके में सर्चिंग शुरू कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, 2 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं, हथियार भी बरामद हुए हैं।

तलाशी अभियान जारी है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों के लीडर की सूचना पर पुलिस टीम को भेजा गया था। किस्टाराम क्षेत्र में नक्सलियों की सूचना पर निकली डीआरजी और कोबरा की संयुक्त पुलिस पार्टी का नक्सलियों से आमना-सामना हो गया। जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई। रुक-रुककर अब भी मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थल और आसपास सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

रुक-रुक कर गोलीबारी जारी, तलाशी अभियान

रायपुर मेयर मीनल चौबे के बेटे सहित दो अन्य पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मेयर मीनल चौबे के बेटे ने सड़क पर केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस मामले में अब उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी के साथ उसके दो दोस्तों को भी गिरफ्तार किया गया है। मामले में पुलिस प्रतिबंधात्मक धाराओं में अलग से कार्रवाई कर रही है।

उल्लेखनीय है कि, रायपुर मेयर मीनल चौबे के बेटे मृणांक चौबे ने सड़क पर केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया था। इस मामले में पुलिस ने मृणांक चौबे और उसके दो दोस्त पिंटू चंदेल और मनोज गौतम को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। हालांकि, वीडियो सामने आने के

सड़क पर केक काटने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बाद अब मेयर मीनल चौबे ने माफी मांगी। उन्होंने कहा कि, मैंने वीडियो देखा जो मेरे घर के सामने का है। मेरे बेटे का जन्मदिन था, उसने सड़क पर केक काटा है। मैंने आज सुबह ही अखबार में पढ़ा कि, हाईकोर्ट ने सड़कों पर केक काटने से मना किया है। जो भी हुआ गलत हुआ है मैंने अपने बेटे को समझाइश दी है।

मीनल ने मांगी माफी, कहा, दोबारा ऐसा नहीं होगा

मेयर मीनल चौबे ने आगे कहा कि, मैं शासन-प्रशासन का पूरा सम्मान करती हूं। अगर मेरे या मेरे परिवारजनों की वजह से कोई परेशानी हुई होगी तो उसके लिए मैं माफी मांगती हूं। सभी के बच्चों को यह समझना होगा कि, सड़क पर नहीं घर के अंदर केक काटना चाहिए। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि, दोबारा ऐसा नहीं होगा।

शराब पीने के दौरान दोनों के बीच किसी बात पर बढ़ा था विवाद

दोस्त ने दोस्त पर पेट्रोल डालकर लगाई आग, मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बेमेतरा

क्षेत्र में दहशत का माहौल

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक दोस्त ने दूसरे दोस्त पर पेट्रोल डालकर कर आग के हवाले कर दिया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक का नाम 43 वर्षीय कैलाश पांडेय था। वह ग्राम किरीतपुर का रहने वाला था।

शनिवार को कैलाश अपने गांव के दोस्त लोकेश चौहान के साथ मिलकर शराब पी रहा था। शराब के नशे में किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि, लोकेश ने कैलाश के ऊपर पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। इस हादसे में लोकेश की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच में जुट गई।

खेत में दवाई का छिड़काव करने गए थे किसान, टूटे हुए तार की चपेट में आए

करंट की चपेट में आने से दो किसानों की मौत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में खेत में दवाई का छिड़काव करने गए दो किसान करंट की चपेट में आ गए। हादसे में दोनों की मौत हो गई। यह घटना पुसौर थाना क्षेत्र के रेंगालपाली गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार, रेंगालपाली गांव में सीताराम सिदार और सुभाष नेताम खेत में दवाई का छिड़काव करने के लिए गए हुए थे। खेत में बिजली का तार टूटकर गिरा हुआ था। दोनों किसान करंट की चपेट में आ गए। आनन-फानन में उन्हें रायगढ़ मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंपे जाएंगे।

तीन दिनों तक क्यों बंद रहते हैं मां कामाख्या मंदिर के कपाट? जानें इसका रहस्य

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

भारत मंदिरों का देश है जहां पर कई प्राचीन मंदिर हैं, जिनका अपना एक गौरवशाली इतिहास है। ये मंदिर प्राचीन होने के साथ ही चमत्कारी हैं और रहस्य से भरे हुए भी हैं। इन मंदिरों की महिमा बहुत निराली है, लेकिन इनके रहस्यों से पर्दा आज तक कोई नहीं उठा पाया है। ऐसा ही एक रहस्यमयी मंदिर असम के गुवाहाटी में स्थित है। इस मंदिर को लोग कामाख्या देवी के नाम से जानते हैं। ये मंदिर देवी के 51 शक्तिपीठों में शामिल है।

ब्रह्मपुत्र नदी का जल हो जाता है लाल

दरअसल, असम में बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी का जल तीन दिनों तक लाल हो जाता है, धार्मिक मान्यता है कि माता कामाख्या तीन दिनों तक रजस्वला होती हैं। इसी दौरान ब्रह्मपुत्र नदी का जल पूरी तरह से लाल हो जाता है। इस दौरान मंदिर के कपाट भी बंद कर दिए जाते हैं। इस समय मंदिर में किसी को भी जाने की इजाजत नहीं दी जाती है। हालांकि, तीन दिनों के बाद भक्त माता के दर्शन बिना बाधा के कर सकते हैं। कामाख्या माता के मंदिर में भक्तों को एक विशेष प्रसाद बांटा जाता है। मां के राजस्वला रहने के दौरान उनके दरबार में एक सफेद कपड़ा रख दिया जाता है। जब तीन दिन बाद मंदिर के कपाट खोले जाते हैं, तो ये कपड़ा लाल हो चुका होता है। इसे ही भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।

मान्यताओं के अनुसार

लोगों के मन में कामाख्या देवी मंदिर के प्रति बड़ी आस्था है। मान्यताओं के अनुसार, जो भी इस मंदिर में एक बार मां कामाख्या के दर्शन कर लेता है, उसके सारे पाप धुल जाते हैं। यह मंदिर अघोरियों और तांत्रिकों का गढ़ भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर से अघोरी और तांत्रिक आते हैं। आज हम आपको इस मंदिर से जुड़े कुछ रहस्यों के बारे में बताएंगे, जिन्हें जानकर आप हैरत में पड़ सकते हैं।

मंदिर में माता की प्रतिमा नहीं, दिव्य कुंड है

कामाख्या देवी मंदिर में माता की प्रतिमा नहीं है, बल्कि यहां एक दिव्य कुंड है। ये कुंड हमेशा फूलों से ढका रहता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, ये जो कुंड है वो देवी सती की योनी का एक भाग है। बताया जाता है इस कुंड से जल का रिसाव होता है। मान्यता ये भी है कि इस मंदिर के तीन बार दर्शन करने वाला व्यक्ति संसार की सभी मोह माया से दूर हो जाता है।

27 साल के फोटोग्राफर स्टारमैन ने रचा इतिहास

आसमान में 7 ग्रहों का दुर्लभ 'मिलन' ग्रेट प्लेनेटरी परेड की पहली तस्वीर

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

आसमान में प्लेनेट परेड यानी ग्रहों के एक लाइन में आने की दुर्लभ घटना को कैमरे में कैद किया गया है। स्टारमैन के नाम से मशहूर 27 साल के फोटोग्राफर जोश ड्यूरी ने एक ही फ्रेम में पृथ्वी समेत सभी सात ग्रहों की पहली तस्वीर खींची है। यह दुर्लभ खगोलीय घटना ग्रेट प्लेनेटरी परेड की वजह से मुमकिन हो सकी है। ये एक ऐसी घटना है, जिसमें सभी आठ ग्रह एक सीध में आ जाते हैं। साल 1982 यानी चार दशक से भी ज्यादा समय बाद ये ग्रह आसमान में एक सीध में आए हैं। फोटोग्राफर ड्यूरी ने 22 फरवरी को समरसेट के मेन्डिप हिल्स से प्लेनेट परेड की तस्वीर लेकर इतिहास रचा है।

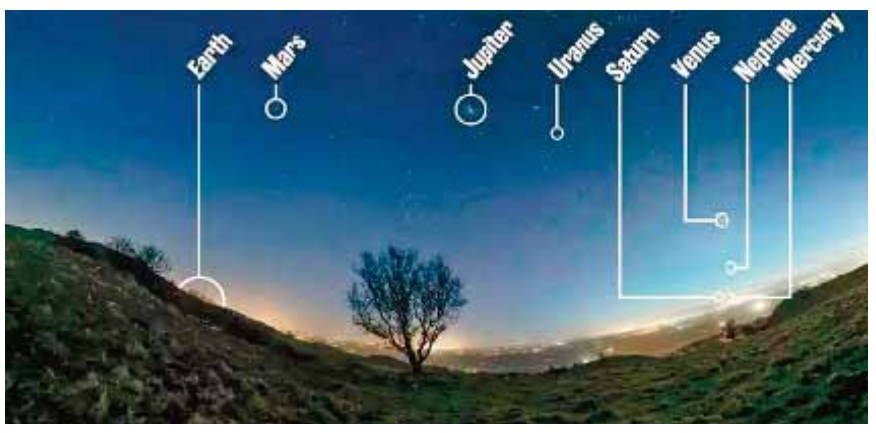

खास तकनीक का किया इस्तेमाल

जोश ड्यूरी ने बुध, शनि और नेप्च्यून जैसे मुश्किल से दिखने वाले ग्रहों को कैप्चर करने के लिए खास तकनीक का इस्तेमाल किया। इसके लिए उन्होंने कई पैन्स को जोड़कर एक पैनोरमिक इमेज बनाई। इन तीन ग्रहों वाले पैन्स के लिए उन्होंने दो अलग एक्सपोजर का इस्तेमाल किया। एक सामान्य एक्सपोजर जबकि दूसरा बढ़े हुए एक्सपोजर इस्तेमाल किया ताकि धुंधले ग्रहों से हल्की रोशनी भी कैप्चर हो सके। ग्रहों की स्थिति की पुष्टि के लिए उन्होंने प्लेन स्फेयर मैप्स से तुलना की।

मुश्किल से दिखने वाले ग्रहों को किया कैप्चर

ड्यूरी ने कहा, 'मैंने सात ग्रहों की एक पैनोरमा तस्वीर ली, जिसे प्लेनेटरी परेड कहते हैं। यह नौ तस्वीरों से बनी है, जिसमें शनि, बुध और नेप्च्यून दिखाई दे रहे हैं, जिन्हें देख पाना मुश्किल है। मैंने इनकी लोकेशन जानने के लिए इमेज एनालिसिस और एस्ट्रोनॉमी ऐप का इस्तेमाल किया। यह वाइड-एंगल लेंस से ली गई थी, इसलिए नौ तस्वीर जोड़कर पैनोरमा बनाया गया। इसमें एक फ्रेम का एचडीआर ब्लेंड किया ताकि शनि, नेप्च्यून और बुध दिखाई दें।'

लौह युग की शुरुआत को लेकर बदल जाएगी दुनिया की मान्यता

लोहे के इस्तेमाल का सबसे पुराना साक्ष्य मिला भारत में

अंकारा। दुनिया में अब तक तुर्की को लोहे का उत्पादन शुरू करने वाले सबसे पहले क्षेत्र के रूप में माना जाता रहा है, लेकिन हाल ही में हुए एक खोज ने लौह युग की शुरुआत को लेकर नई बहस शुरू कर दी है। पुरातत्वविदों को भारत के तमिलनाडु में छह जगहों पर लोहे की वस्तुएं मिली हैं, जो 2953-3345 ईसा पूर्व तक पुरानी हैं। हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि दक्षिणी राज्य दुनिया के उन पहले स्थानों में से एक था, जहां लोहे को गलाकर इस्तेमाल किया जाता था।

कहां से आया शुरुआती लोहा

शुरुआत में इंसानों ने जब लोहे का इस्तेमाल शुरू किया तो यह दो प्रकार का था। एक उल्कापिंड से और दूसरा गलाने वाला लोहा था। गलाने वाला लोहा अयस्कों से निकाला जाता था। बड़े पैमाने पर उत्पादन के साथ इसे लौह की शुरुआत के लिए जिम्मेदार माना जाता है। उल्कापिंड वाला लोहा धरती पर गिरे उल्कापिंडों से प्राप्त होता है।

गलाकर करते थे लोहे का इस्तेमाल

तमिलनाडु के राज्य पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 5300 साल पहले क्षेत्र में रहने वाले लोग लोहे को गलाने के बारे में जानते थे और उसका इस्तेमाल करते थे। इसके लिए 1200 से 1400 डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ताजा खोज से पता चलता है कि लोहे को निकालने, गलाने, गढ़ने और उसे आकार देने की प्रक्रिया भारतीय उपमहाद्वीप में शुरू हुई होगी।

लौह युग का मिला प्रमाण : पुरातत्वविदों ने तमिलनाडु के आदिच्चनल्लूर, शिवगलाई, मयिलाडुमपराई, किलनामंडी, मंगडू और थेलुंगनूर स्थलों से नमनू जमा किए। शिवगलाई से प्राप्त चारकोल और बर्तनों के टुकड़े (सिरेमिक सामग्री के) का इतिहास 2953 से 3345 ईसा पूर्व का है। यह इसे दुनिया भर में लौह तकनीक का पहला ज्ञात उपयोग बनाता है।

दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का आकलन

अफगानिस्तान जीत सकता है आईसीसी टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज डेल स्टेन का मानना है कि तेजी से आगे बढ़ रही अफगानिस्तान की टीम के खिलाड़ी अगर मैदान पर सयंम से खेलना सीख लें तो अगले दशक में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का सीमित ओवर का टूर्नामेंट जीत सकती है।

अफगानिस्तान की टीम 2023 वनडे विश्व कप में नॉकआउट में जगह बनाने के करीब पहुंच गई थी जिसमें उसने पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया था। पिछले साल के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में पहुंची थी जिसमें उसने ऑस्ट्रेलिया को बाहर कर दिया था। अपने देश में युद्ध और अस्थिरता के बावजूद अफगानिस्तान क्रिकेट टीम अब सफेद गेंद के टूर्नामेंट में मजबूत टीम बन गई है। स्टेन ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, 'हम ऐसे समय में जी रहे हैं जिसमें लोग इतने संयमित नहीं हैं। हम इंस्टाग्राम स्टोरी को भी महज मुश्किल से दो सेकंड देख पाते हैं और ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाड़ी भी क्रिकेट खेलते समय ऐसे ही होते हैं। संयम सबसे बड़ी चीज में से एक है जिसे अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को सीखने की जरूरत है। और एक बार जब वे ऐसा कर लेंगे तो अगले दशक में वे निश्चित रूप से आईसीसी टूर्नामेंट जीत सकते हैं।' स्टेन ने कहा, 'वे चाहते हैं कि चीजें इतनी जल्दी हो जाएं कि हर गेंद विकेट लेने वाली होनी चाहिए। पारी बनाते हुए और विकेट लेने के लिए संयम नहीं है। बल्लेबाज भी ऐसा ही करते हैं। पहले ओवर में बल्लेबाजी में ही क्रीज पर इतनी अधिक हलचल होती क्योंकि वे छक्का मारने की कोशिश करते हैं और वे पारी को तेजी से आगे बढ़ाने की कोशिश करते हैं।'

10 महीने तक लगातार उड़ता है 'कॉमन स्विफ्ट', आसमान में ही खाता और सोता है

लंदन। इस धरती पर कई ऐसे जीव हैं, जिनके खासियत जानने के बाद हैरानी होती है। आज हम आपको एक ऐसे ही पक्षी के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आकाश में ही खाता है, आकाश में ही सोता है और लगातार 10 महीने तक उड़ सकता है। आकाश में खाने-पीने और सोने वाले रहस्यमयी पक्षी का नाम 'कॉमन स्विफ्ट' है। शोध से पता चला है कि ये पक्षी लगातार 10 महीनों तक आकाश में उड़ सकते हैं। ऐसे पक्षी आमतौर पर यूरोप में पाए जाते हैं, जिसे कॉमन स्विफ्ट पक्षी के रूप में जाना जाता है। यह पक्षी काफी हद तक फिंक जैसा दिखता है। यह पक्षी अपनी गति के साथ-साथ उड़ने की क्षमता के लिए भी प्रसिद्ध है। कई लोगों को आश्चर्य होता है कि यह पक्षी कैसे सोता है, जबकि यह लगातार 10 महीने तक उड़ने की क्षमता रखता है!

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है नाम : कॉमन स्विफ्ट का आकार टारपीडो मिसाइल जैसा होता है, तथा इसके पंख तीखे व लंबे होते हैं।

आवश्यकता

आवश्यकता है- नटराज पैन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो संपर्क करें:- 7439736348 (रायपुर /04/मार्च 25)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 इंन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
LIC HFL — LIC HOUSING FINANCE LTD
भोपाल बैक ऑफिस, 6ए-6बी, पहली मंजिल, सूरी आर्केड, गोविंद गार्डन, बिजली नगर के सामने, रायसेन रोड, गोविंदपुरा, भोपाल 462023 दूरभाष. 0755-4063007, 4063008

ई-नीलामी बिक्री नोटिस

चूंकि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एलआईसी एचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओं/गारंटरों को डिमांड नोटिस जारी किया है, जिसमें उनसे उक्त नोटिस में उल्लिखित बकाया राशि चुकाने का आह्वान किया गया है। तथापि, ऋणी/बंधककर्ता/गारंटर उक्त देय राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।

अतः नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) और धारा 14 के साथ नियम 8 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भौतिक कब्जा ले लिया है। यह सूचना आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी(ओं)/गारंटर(ओं) को दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति एलआईसी एचएफएल के पास बंधक रखी गई है, जिसका कब्जा एलआईसी एचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है तथा इसे "जहां है जैसा है", "जो है जैसा है" तथा "जो कुछ भी है" के आधार पर तथा बिना किसी सहारा के आधार पर दिनांक 20.03.2025 को नीचे दिए गए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेचा जाएगा।

संपत्ति 1 — श्री मोहम्मद वसीब और श्रीमती शमीम बेगम ऋण संख्या – 120500014100

संपत्ति का विवरण

संपत्ति का पूरा विवरण: पी/ओ प्लॉट नंबर 37, जय भीम नगर पोलीपाथर एनबी 164 पटवारी हल्का नं. 24-2, ग्वारीघाट रोड, नर्मदा नगर, जबलपुर, म.प्र. 482002

मांग सूचना तिथि: 19/04/2024 मांग राशि: रु. 32,42,126.27/- + ब्याज व अन्य खर्चे सहित।	ACCOUNT DETAILS
भौतिक कब्जे की तिथि (पी)– 27/02/2025	Beneficiary Name: LIC Housing Finance Ltd.
निश्चित आरक्षित मूल्य - 33,00,000/– (केवल तैंतीस लाख)	Bank: Axis Bank, Centralised Collection Hub
ईएमडी रु. 3,00,000/– (केवल तीन लाख)	Account No: HFLECRBPJB14100
20/03/2025 तक देय कुल राशि – रु. 36,95,757.13 /-	IFSC Code: UTIB0CCH274
Website of E-Auction: https://www.auctionbazaar.com	auctionbazaar.com
संपत्ति दस्तावेजों की फोटोकॉपी के निरीक्षण की तिथि और समय: 14/03/2025 दोपहर 01:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक	नीलामी की तिथि एवं समय अवधि: 20.03.2025 दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक संपत्ति का पता जहां दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकता है: एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, 18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मराठाल, जबलपुर, 482001 (म.प्र.)
संपत्ति का निरीक्षण	15.03.2025 दोपहर 01:00 बजे से 3:00 बजे तक
संपर्क व्यक्ति: पवन निगम	संपर्क विवरण : 8349973965
सेवा प्रदाता से ई-नीलामी का संपर्क विवरण	ARCA EMART PVT LTD (www.auctionbazaar.com) 6-3-1090/1/1, दूसरी मंजिल, भाग बी, उमा हैदराबाद हाउस राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद – 500082, तेलंगाना, भारत, Email: contact@auctionbazaar.com/, डिस्पोजल. central@auctionbazaar.com & 7799830999 / 8370969696
ऑनलाइन निविदा / बोली जमा करने की अंतिम तिथि	19.03.2025 और शाम 5:00 बजे से पहले
ई-नीलामी तिथि	20.03.2025 दोपहर 12:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक

दिनांक : 02.03.2025
स्थान : जबलपुर
'नीलामी के अन्य सभी नियम व शर्तें आधिकारिक वेबसाइट https://online.lichousing.com/eauction/ पर अनुलग्नक 2 के रूप में उल्लिखित हैं।
आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
ब्राह्मण वर्षो से अकेले अधिकारी को अधिकतम 45 वर्ष तक की "जिम्मेदारीमुक्त" महिला साथी चाहिए जाति बंधन नहीं उच्च जाति को प्राथमिकता स्वयं फोन करें.
मो.: 7898132122

मांगलिक वधु चाहिए
32 वर्षीय, 5'4" अग्रवाल/ ग्रेजुएट, बिलासपुर में दुकान व घर है, छत्तीसगढ़ या मध्यप्रदेश से हिंदी भाषी अविवाहित कन्या चाहिए। मैरिज ब्यूरो क्षमा करें।
6232014944

वधु चाहिए
गुजराती 44/ 5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40,000/- मासिक, युवक हेतु, उच्च जाति बंधन नहीं (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें)
सम्पर्क करें
9827114645
9131139179

राशिफल

मेष — मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। भवन की साज-सज्जा पर खर्च बढ़ेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष — मीठे खानपान में रुचि बढ़ सकती है। मन परेशान हो सकता है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — परिश्रम भी अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कर्क — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या — भागदौड़ अधिक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — व्यर्थ के क्रोध से बचें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार में फायदा होगा।

धनु — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्च शिक्षा के लिए विदेश भी जा सकते हैं। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कुंभ — क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा खर्च

मीन — परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

शॉर्ट चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर

लाहौर। अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हुए आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट भारत या न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल से बाहर रह सकते हैं। शॉर्ट ने बारिश के कारण रद्द हुए मैच में 15 गेंद में 20 रन बनाए। उन्हें अजमतुल्लाह उमरजइ ने पवेलियन भेजा था। आस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने आस्ट्रेलियाई एसोसिएट प्रेस से कहा, 'मुझे लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं है।

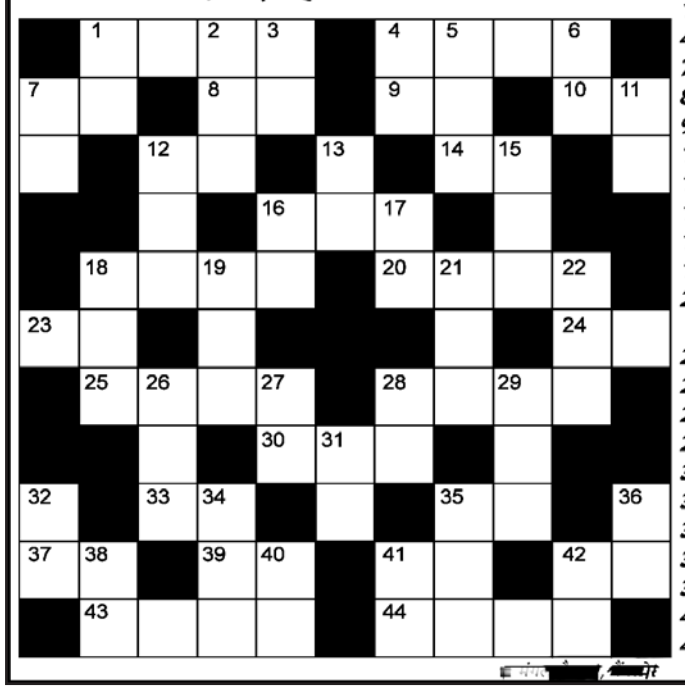

शब्द पहेली - 5794

बाएँ से दाए-
1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे
1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -5793 का हल

सूडोकू बवाल - 5804

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENAPATI, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल - 5803 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

एक गोली खाइए फिट हो जाइए

अपने शरीर को हेल्दी-फिट रखने के लिए अच्छी डाइट के साथ रेग्युलर एक्सरसाइज को जरूरी माना जाता है। लेकिन वैज्ञानिकों ने हाल में एक ऐसी गोली बनाने में सफलता हासिल की है, जिसे खाने से 10 किमी. दौड़ने के बराबर का एक्सरसाइज बेनिफिट मिल जाएगा। कैसी है ये कमाल की गोली, कैसे करेगी काम और किसके लिए होगी फायदेमंद, आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

अच्छी सेहत के लिए डॉक्टर से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट और अनुभवी लोग भी एक ही सुझाव देते हैं-डेली एक्सरसाइज कीजिए। लेकिन अगर कोई इतना अशक्त हो कि वो हाथ-पैर हिला ही नहीं पाए तो वो क्या करे? विज्ञान ने ऐसे व्यक्ति के लिए भी अब रास्ता निकाल लिया है कि वह एक इंच हिले बिना भी अच्छे वर्कआउट का स्वास्थ्य लाभ अर्जित कर सकता है।

बना ली गई करामाती गोली

डेनमार्क देश की आरहुस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक पिल (गोली) विकसित की है, जो शरीर में 10 किमी. दौड़ के मेटाबॉलिक (पाचन) प्रभाव जितना असर पैदा कर सकती है, वह भी बिना पसीना बहाए। 'पफ एग्रीकल्चर एंड फूड केमिस्ट्री' नामक जर्नल में इस शोध उपलब्धि को प्रकाशित किया गया है। इसके मुख्य शोधकर्ता और केमिस्ट डॉ. थॉमस पौल्सेन ने बताया, 'हमने एक मॉलिक्यूल विकसित किया है, जो शरीर में कड़ी एक्सरसाइज और फास्टिंग (व्रत) की मेटाबॉलिक प्रतिक्रिया की नकल उत्पन्न कर सकती है। यह मॉलिक्यूल शरीर को उस मेटाबॉलिक अवस्था में ले आता है, जो कि खाली पेट तेज रफ्तार 10 किमी. की दौड़ के समान होता है।' इस मॉलिक्यूल को नाम दिया गया है-लाके। फिलहाल, इसे लैब में चूहों पर टेस्ट किया जा रहा है, जिनमें टॉक्सिसिटी के कोई चिन्ह दिखाई नहीं दिए हैं। ध्यान देने वाला तथ्य यह है कि लाके ने टॉक्सिंस शरीर से फ्लश आउट कर दिए और इससे उनका हार्ट मजबूत भी हो गया।

बनती रही हैं ऐसी दवाएं

'एक्सरसाइज पिल' का विचार एक दशक से अधिक समय पूर्व से चर्चा में रहा है। अनेक शोधकर्ता उन कंपाउंड्स से प्रयोग कर रहे हैं, जो तीव्र फिजिकल एक्टिविटी के बायोलॉजिकल प्रभावों का मुकाबला कर सकें। लाके एकमात्र पिल नहीं है, जो वर्कआउट के लाभ प्रदान करती है। पिछले साल फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एसएलयूपीपी-332 नामक कंपाउंड विकसित किया था, जिसने चूहों में मेटाबॉलिज्म और सहनशीलता में इतनी वृद्धि की कि वह पहले की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत अधिक दौड़ने लगे। इस अध्ययन के प्रमुख लेखक और फार्मेसी के प्रोफेसर थॉमस बर्रिस के अनुसार, 'यह कंपाउंड बुनियादी तौर पर स्केलटेल मांसपेशियों को बताता है कि वह वही परिवर्तन लाएं, जो स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के दौरान देखने को मिलता है।'

'द गार्जियन' के अनुसार सैन डिएगो के सालक इंस्टिट्यूट ने 2008 में जीडब्लू 501516 (संक्षेप में 516) ड्रग विकसित की। यह मुख्य जींस को संकेत भेजती है कि शुगर की जगह फैट को बर्न करे। लेकिन इस ड्रग का एक वैरिएंट धावकों के लिए डोपिंग ड्रग बनकर रह गया। फिर 2015 में कंपाउंड 14 नामक एक अन्य ड्रग विकसित की गई, जिससे यह बात प्रकाश में आई कि यह मोटे चूहों का ग्लूकोज टॉलरेंस बेहतर करके वजन कम कर सकती है। यह सभी प्रयोग चिकित्सा विज्ञान ड्रग्स के उस वर्ग से संबंधित हैं, जिसे 'एक्सरसाइज मिमेटिक्स' कहते हैं, जो आवश्यक रूप से शरीर में उन अलग-अलग मार्गों को सक्रिय करते हैं, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक्सरसाइज से प्रभावित होते हैं। इन ड्रग्स में क्षमता है कि अल्झाइमर, पार्किंसन और डिमेंशिया को होने से देर तक रोके रखें और मधुमेह, मोटापे की रोकथाम में भी मदद करें।

अक्षम लोगों के लिए होगी वरदान

एक बार जब इस दवा के इंसानों पर ट्रायल पूरे हो जाएंगे तो इनमें से कुछ ड्रग्स को वजन कम करने वाली ड्रग्स के साथ भी दिया जा सकेगा जैसे ओजेंपिक, जो विशेष रूप से बुजुर्गों को सरकोपेनिया की स्थिति में दी जाती है ताकि मांसपेशियों की क्षति को रोका जा सके। अगर इंसानों को एक गोली से एक्सरसाइज के फायदे मिलने लगेंगे, इससे उनकी फिटनेस परफेक्ट हो जाएगी तो यह उन लोगों के लिए चमत्कार होगी, जो फिजिकल एक्टिविटी में हिस्सा नहीं ले पाते हैं, जैसे-बुजुर्ग, शारीरिक रूप से कमजोर, दिव्यांग, जिन्हें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी है, जिनकी कोई ऐसी सर्जरी हुई है कि मूवमेंट न कर पा रहे हों या अन्य लोग, जो गंभीर रूप से बीमार हैं।

एक्सरसाइज करना है बेस्ट

बीमार या अक्षम लोगों की बात छोड़ दें तो अन्य स्वस्थ लोगों के लिए यही बेहतर होगा कि वे सुबह देर तक यह सोचकर न सोते रहें कि पलंग पर पड़े हुए गोली खाकर फिट हो जाएंगे। उनके लिए यही उचित होगा कि मैदान में निकलें, वॉकिंग करें, रनिंग करें या मनपसंद एक्सरसाइज करें। इस बात को समझ लेना चाहिए कि फिजिकल एक्सरसाइज का कोई विकल्प नहीं है, उससे न केवल शरीर स्वस्थ बनता है, मन भी प्रसन्न और ऊर्जावान रहता है। *

एक्सरसाइज का शरीर पर रिएक्शन

इस दवा के एक्शन को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि एक्सरसाइज की शरीर पर क्या प्रतिक्रिया होती है और लाके उसकी कैसे नकल करता है? खाली पेट कड़ा वर्कआउट, ब्लड प्लाज्मा के स्तर पर लेक्टेट रसायन में तेजी से वृद्धि कर देता है, इसके बाद बीटा-हाइड्रोक्सीबूटीरेट (बीएचबी) नामक एक अन्य रसायन कीटोन में धीरे-धीरे वृद्धि करता है। कीटोन जिगर में उस समय बनते हैं, जब पर्याप्त ग्लूकोज की अनुपस्थिति में शरीर जिगर में ऊर्जा के लिए फैट को तोड़ता है। ये दोनों रसायन भूख को कम करते हैं। साथ ही हृदय रोगों, टाइप 2 डायबिटीज के खतरों को भी कम करते हैं। इसके अलावा दिमागी फंक्शन को बेहतर करते हुए डिप्रेशन को कम करते हैं। ये सब फायदे केवल डाइट से हासिल नहीं हो सकतीं, क्योंकि जिस मात्रा में लेक्टेट और बीएचबी की जरूरत होती है, उससे अनावश्यक बायप्रोडक्ट्स जैसे नमक और एसिड मिल जाते हैं। कृत्रिम रूप से तैयार लाके से ये रसायन, ओरली मिल जाते हैं, बिना हानिकारक साइड इफेक्ट्स के।

जरूरी नहीं है कि जो व्यक्ति खूब हंसता-मुस्कुराता नजर आए, वो वास्तव में मन से खुश है। उदासी को मुस्कान से ढंकने वाले लोग स्माइलिंग डिप्रेशन के शिकार हो सकते हैं। ऐसे लोगों को घर-परिवार से लेकर वर्कप्लेस तक, सपोर्ट की जरूरत होती है।

मुस्कान से ढंकी उदासी स्माइलिंग डिप्रेशन

लाइफस्टाइल
मोनिका शर्मा

दुःख भी हंसी की ओट ले सकता है। टूटते-बिखरते दिल को थामकर भी सधी सी बातें की जा सकती हैं। उलझनों में घिरकर भी सुखद एहसास लोगों के सामने रखे जा सकते हैं। दरअसल, इंसान का व्यवहार हालात के मुताबिक कई रंग ओढ़ लेता है। कभी इसका कारण अपनों की बेरुखी होती है तो कभी समाज से मिला बेगानापन। ऐसे में कुछ लोग अपने आप तक सिमटने की राह चुन लेते हैं। चुप्पी के तले एक शोर गूंजता है पर सुनाई किसी को नहीं देता। ठहाकों को साथ रखने के बावजूद मन में सब कुछ ठहर गया होता है। यही स्थिति स्माइलिंग डिप्रेशन कही जाती है।

अवास्तविक छवि का आवरण: मौजूदा दौर में हर मोर्चे पर अवास्तविक सी छवि बनाते लोग अवसाद को भी मुस्कुराहटों की परतों तले छिपाने लगे हैं। जीवन की हर छोटी-बड़ी गतिविधि को अपनों-परायों तक पहुंचाते आभासी परिवेश में मुस्कुराते चेहरों के पीछे छिपी मुरझाती मनःस्थिति कोई नहीं देख पाता या यूं कहें कि देखना भी नहीं चाहता। न ही इन परिस्थितियों को जी रहा इंसान स्वयं यह सच किसी को दिखाना चाहता है। विज्ञान की भाषा में स्माइलिंग डिप्रेशन कहा जाने वाला यह व्यवहार अब हर उम्र के लोगों की जीवनशैली का हिस्सा है। हंसता-खिलखिलाता अंदाज पीड़ादाई अनुभूतियों का आवरण बन गया है। अपनों-परायों के सामने ठहाके लगाते बहुत से चेहरे, अपने भीतर सुस्ती, थकान और अकेलेपन से जूझते हुए जीवन बिता रहे हैं। उनका मन-मस्तिष्क नाउम्मीदी और नकारात्मता के घेरे में है। मुरझाता मन और मुस्कुराता चेहरा, बहुत से लोगों के लिए सब कुछ होकर भी कुछ न होने के हालातों को बयान करने वाला बर्ताव है। चिंतनीय है कि अब ऐसे लोगों का आंकड़ा बढ़ रहा है। नकलीपन का आवरण असली भावों को छिपाने लगा है। यही कारण है कि हर ओर दिखती बेहतरी के बावजूद मन से बीमार होते लोगों की संख्या बढ़ी है।

बदल गया परिवेश: सवाल यह है कि मन की टूटन को छिपाने का यह परिवेश आखिर कैसे बन गया? क्यों हर व्यक्ति को यह लगने लगा कि दुःख को बताने-जताने से कहीं अच्छा हंसते-खिलखिलाते हुए लोगों का सामना करना है। किस तरह यह आवरण बड़े-बुजुर्गों की पीड़ा से लेकर बच्चों की मानसिक उलझन तक पर पर्दा डालने का माध्यम बन गया है? क्यों किसी के मन को समझने-जानने की कोशिश नहीं की जाती? जबकि यह अवसाद का ही एक रूप है। ऐसा डिप्रेशन, जिसमें इंसान अपने मन के विषाद को छिपाने के लिए हर जगह, हर हाल में हंसता रहता है। खुशहाल नजर आता है। सार्वजनिक जीवन में जिंदादिल दिखते ऐसे लोग निजी जीवन में अकेलेपन के स्याह साये से जूझते हैं। अध्ययन बताते हैं कि स्माइलिंग डिप्रेशन की समस्या से ग्रस्त व्यक्ति सुखी और संतुष्ट दिखता जरूर है, पर भीतर ही भीतर अवसाद से जूझता है। यही कारण है कि स्माइलिंग डिप्रेशन को हाई फंक्शनिंग डिसऑर्डर भी कहा जाता है। ध्यातव्य है कि हाई-फंक्शनिंग डिसऑर्डर के अंतर्गत ऐसी मानसिक समस्याएं आती हैं, जिनमें व्यक्ति सामान्य दिखने के बावजूद अंदर से बीमार रहता है। एक तरह का क्रॉनिक डिप्रेशन कहे जाने वाले इस डिसऑर्डर का शिकार इंसान आम जीवन को सामान्य ढंग से जीते हुए भावनात्मक रूप से असहजता का अनुभव करता है। खुशमिजाजी के पीछे गहरा खालीपन होता है।

सहयोग-संवेदना ओं की कमी: आज के दौर में बिना लाग-लपेट मन की बात कहने का माहौल, घर हो या बाहर कहीं नहीं दिखता। न दुःख साझा करने का भाव दिखता है और न समझने का। यही कारण है कि लोग चुपचाप अपनी पीड़ाओं से जूझने लगे हैं। हर हाल में सहज दिखते हैं। हर परिस्थिति में प्रसन्नता जाहिर करते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि व्यक्तिगत जीवन में चुना जा रहा यह असामान्य व्यवहार असल में असंवेदनशील होते सामाजिक-पारिवारिक परिवेश का मुखौटा उतारने वाला है। हम अचानक किसी के आत्महत्या जैसा कदम उठा लेने पर चकित तो होते हैं पर समय रहते तकलीफ साझा करने की पहल नहीं करते। दुखद है कि मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाली इन स्थितियों को आज भी गंभीरता से नहीं लिया जाता।

मदद की है दरकार: जरूरी यह है कि वर्किंग प्लेस से लेकर घर-परिवार और आस-पड़ोस तक, स्माइलिंग डिप्रेशन से जूझते लोगों के बर्ताव को समझकर उनका साथ दिया जाए। ऐसी दबी-छुपी समस्याओं को लेकर अब सभी को यह समझना होगा कि कुछ न कहना, सब कुछ कहने जैसा है। जैसे भी संभव हो ऐसे लोगों की मदद की उचित राह तलाशना बेहद आवश्यक है। *

गज़ल
अवतार सिंह अक्षरजीवी

खुल के बात कर

छुपाने की जरूरत नहीं, खुल के बात कर
पर पूरी शिद्दत से किसी एक से बात कर

अगर मेरा प्यार तुझे मुतमइन नहीं करता
तुझे जिससे खुशी मिले, तू उससे बात कर

मैं मोहब्बत करुंगा पर मेरी शर्तों पर
या तो मुझसे बात कर, या सबसे बात कर

तेरी मुस्कुराहट मेरी मिलकिय्यत है और मैं
नहीं चाहता तू दूसरों से हंस-हंसके बात कर

अपने दिल में पूरी दुनिया को जगह मत दे
गैरों से एक दूरी एक दायरा रखके बात कर

मेरी मोहब्बत के पिंजरे में तालाबंद नहीं है
या तो उड़ जा या फिर अंदर रहके बात कर

कहानी
संजीव जायसवाल 'संजय'

वह अपनी बच्ची को घुमाने के लिए पार्क में जहां भी जाता, गुब्बारे बेचने वाला एक लड़का वहां पहुंच जाता। एक दिन खीझकर उसने गुब्बारे वाले को डपट दिया। इस पर उस लड़के ने जो कहा, वह बेहद शर्मिंदा महसूस करने लगा। मन को छूती एक मार्मिक कहानी।

गुब्बारे वाला

बाबूजी, गुब्बारा ले लीजिए' अचानक वही दुबला-पतला लड़का एक बार फिर सामने आकर खड़ा हो गया।

'मुझे नहीं लेना, चलो भागो यहां से।' मैंने झल्लाते हुए उसे डपट दिया।

'ले लीजए न बाबूजी, देखिए कितने अच्छे गुब्बारे हैं! लाल, हरे, नीले, पीले हर रंग के प्यारे-प्यारे गुब्बारे। बिटिया को बहुत पसंद आएंगे।' उसने जोर देते हुए कहा।

मैं उसे दोबारा डपटने जा ही रहा था कि रचना तुतलाते हुए बोली, 'पापा, जे पीला वाला गुब्बारा बौत अच्छा है.. इछे दिला दीजिए।'

मैं रचना की कोई बात नहीं टालता था। अतः न चाहते हुए भी उसे गुब्बारा दिलवाना पड़ा। वो लड़का एक रुपया लेकर खुशी-खुशी वहां से चला गया।

पिछले महीने पत्नी (दीप्ति) की मौत के बाद रचना की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर आ गई थी। मैं रोज शाम उसे गोद में लेकर पार्क में आ जाता था। पार्क की इस बेंच पर बैठ कर मुझे बहुत शांति मिलती थी क्योंकि दीप्ति की यह पसंदीदा जगह हुआ करती थी। यहां आकर मुझे ऐसा लगता, जैसे वो मेरे साथ बैठी हो। मैं घंटों उसकी याद में खोया रहता।

पिछले कुछ दिनों से इस गुब्बारे वाले के कारण मुझे बहुत कोफ्त होने लगी थी। मैं इस बेंच पर आकर बैठता ही था कि यमदूत की तरह वह आ धमकता। बिना गुब्बारे बेचे टलता ही न था। उसे देखकर ही मुझे उलझन होने लगती थी।

एक दिन तंग आकर मैंने तय कर लिया कि कल से इस बेंच पर बैठूंगा ही नहीं। पार्क में बैठने के लिए मैंने पेड़ों के झुरमुट के पीछे एक दूसरी जगह तलाश ली थी। वहां लोगों की दृष्टि कम ही पड़ती थी, इसलिए वहां काफी शांति थी।

अगले दिन मैं रचना के साथ वहां जाकर बैठ गया। धीरे-धीरे आधा घंटा बीत गया। मैं मन ही मन खुश था कि आज गुब्बारे वाले लड़के ने मेरी शांति भंग नहीं की। तभी वह लड़का भूत जैसा वहां आ टपका, 'अरे, बाबूजी, आप यहां बैठे हैं। मैं समझा कि आज आप आएंगे ही नहीं।' फिर अपने गुब्बारों का झुंड रचना की तरफ बढ़ाते हुए बोला, 'बिटिया रानी, कौन-सा गुब्बारा दूं?'

'अबे, बिटिया रानी के भइया.., तू मुझे चैन से बैठने क्यों नहीं देता? जहां जाता हूं वहां आ धमकता है। क्या तेरे पास और कोई जगह नहीं है?' मैंने उसे बुरी तरह फटकार दिया।

डांट खाकर उस लड़के की आंखें छलछला आईं। वह उन्हें पोंछते हुए बोला, 'बाबूजी, माफ करिएगा, आपको दुख पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं था। कुछ दिनों पहले एक दुर्घटना में मेरे माता-पिता की मृत्यु हो गई थी। मेरे पास स्कूल की फीस भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसीलिए रोज शाम पार्क में गुब्बारे बेचने चला आता हूं। जिनकी गोद में बच्चे होते हैं, वे आसानी से गुब्बारे खरीद लेते हैं। इसीलिए आपके पास आ जाता था।'

इतना कहकर वह लड़का वहां से जाने लगा। मुझे अपने व्यवहार पर बहुत आत्मग्लानि हुई। मेरे दुख से उसका दुख ज्यादा बड़ा था। मैंने उसे आवाज देकर बुलाया और 100 रुपए का नोट उसकी तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'इसे रख लो।'

'यह किसलिए?' उस लड़के का स्वर कांप उठा।

'तुम्हारी फीस के काम आएंगे' मैंने उसे समझाने का प्रयास किया।

यह सुनकर उस लड़के की आंखें एक बार फिर छलछला आईं। वह भर्राए स्वर में बोला, 'बाबूजी, मैं बेसहारा जरूर हूं, मगर भिखारी नहीं।'

'मेरा यह मतलब नहीं था, मैं तो सिर्फ तुम्हारी मदद करना चाहता था।' मैंने बात संभालने की कोशिश की।

उस लड़के ने पल भर के लिए मेरी ओर देखा फिर बोला, 'अगर आप मदद करना चाहते हैं तो सिर्फ इतना वादा कीजिए कि फिर कभी किसी गरीब को दुत्कारेंगे नहीं।'

इतना कह कर वह तेजी से वहां से चला गया। मैं चुपचाप बैठा रहा। मेरे अंदर इतना साहस नहीं बचा था कि उसे रोक सकूं। उसके आगे मैं अपने को बहुत छोटा महसूस कर रहा था। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कारुणिक उजाला फैलाती दियासलाई

इस दुनिया में कई लोग अपने जीवनकाल में ही किंवदंती जैसे बन जाते हैं। वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी, ऐसी ही शख्सियत हैं। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर विदिशा में जन्म लेने वाले कैलाश शुरू से ही देश, समाज और दुनिया में प्रताड़ना, हिंसा और शोषण के शिकार बच्चों के लिए कुछ करना चाहते थे। इसी मनो-संकल्प का यह परिणाम हुआ कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद भी उन्होंने अपना जीवन बच्चों की सुरक्षा और उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। अपनी पांच दशक से अधिक की इस यात्रा में उन्हें किन-किन पड़ावों से गुजरना पड़ा, व्यक्तिगत-पारिवारिक जीवन में कैसे संघर्ष करने पड़े, किस-किस तरह के आरोप-आक्षेप सहने पड़े, कितनी बार अपने प्राणों को भी संकट में डालना पड़ा, इन तमाम अनुभूतियों और भोगे हुए यथार्थ को उन्होंने अपनी आत्मकथा में संजोया है। हाल में ही उनकी आत्मकथा 'दियासलाई' पुस्तक के रूप में प्रकाशित होकर आई है। इस किताब में ऐसे अनेक प्रसंग मौजूद हैं, जिससे साबित होता है कि कोई साधारण व्यक्ति, केवल अपने विचार, कर्म और महान जीवन उद्देश्य से ही असाधारण बन सकता है।

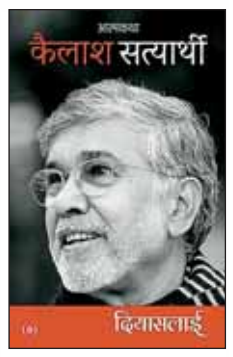

पुस्तक: दियासलाई (आत्मकथा), **लेखक:** कैलाश सत्यार्थी, **मूल्य:** 599 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

दियासलाई जैसी छोटी सी चीज में भी कितनी संभावना व्याप्त हो सकती है, कैसे वो समाज में करुणा का उजाला प्रसारित कर सकती है, इस आत्मकथा का शीर्षक इसे साबित करता है। अच्छी बात यह है कि इस आत्मकथा में लेखक ने अपनी कमजोरियों को भी सहजता से स्वीकार किया है। कहीं भी खुद को महान या दोषरहित सिद्ध करने की कोशिश नहीं की है। *

रचनाएं आमंत्रित...

हिंदी दैनिक **हरिभूमि** के फीचर पृष्ठों (रविवार भारती, सहेली, बालभूमि और सेहत) में प्रकाशनार्थ आलेख, छोटी कहानियां, कविताएं, व्यंग्य, बाल कथाएं आमंत्रित हैं। लेखकों से अनुरोध है कि अपनी रचनाएं कृतिदेव या यूनिकोड फॉन्ट में हमें ईमेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर मेल करें।

चैंपियंस ट्रॉफी : न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिन को बेहतर खेलने पर रहेगा भारत का फोकस

एजेंसी ▶▶| दुबई

अब तक अपराजेय भारतीय टीम का फोकस स्पिन को बेहतर खेलने पर होगा और न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के आखिरी ग्रुप मैच में रविवार को उन खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है जो अब तक बाहर बैठे हैं। आखिरी ग्रुप मैच जीतने से भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहेगा।

■ मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर आज दोपहर 2.30 बजे

अब सेमीफाइनल में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया से होगा और दोनों के पास बेहतरीन स्पिनर हैं। भारत ने दोनों मैच जीते हैं लेकिन स्पिनरों ने भारतीयों को परेशान किया है और सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी न्यूजीलैंड टीम इसका फायदा उठा सकती है।

स्पिनरों का दिख रहा दबदबा

टूर्नामेंट से पहले टीम में पांच स्पिनरों (रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और वॉशिंगटन सुंदर) के चयन को लेकर भारत की आलोचना हो रही थी लेकिन यहां स्पिनरों के दबदबे ने भारत को मजबूती दी है। हाल ही में आईएलटी 20 की मेजबानी करने वाले दुबई के इस मैदान की पिचें अब ताजा नहीं है जिससे स्पिनरों को मदद मिल रही है। भारत ने दो मैचों में जडेजा, अक्षर और कुलदीप को उतारा है और तीनों प्रभावी रहे हैं। उन्होंने बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को खुलकर रन नहीं बनाने दिये और इकॉनॉमी रेट पांच से नीचे ही रहा है।

रोहित-शमी को आराम

भारत जीत की लय को कायम रखना चाहेगा लेकिन सेमीफाइनल से पहले कप्तान रोहित शर्मा और मोहम्मद शमी को आराम दिया जा सकता है। पाकिस्तान के खिलाफ रोहित को गर्मी से असहज महसूस हो रहा था और वह 20 मिनट तक मैदान से बाहर रहे। बल्लेबाजी में हालांकि उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

पंत को मिलेगा मौका

वैसे इस मैच में कुछ दाव पर नहीं लगा है लिहाजा रोहित को ब्रेक दिया जा सकता है। ऐसे में ऋषभ पंत को टूर्नामेंट में पहला मैच खेलने का मौका मिल सकता है । शमी को भी पिंडली में परेशानी हो रही थी और उन्हें भी रिकवरी ब्रेक मिल सकता है। ऐसे में अर्शदीप उनकी जगह आ सकते हैं और चक्रवर्ती को कुलदीप की जगह उतारा जा सकता है।

सेंटनेर और ब्रेसवेल की चुनौती

भारत के स्टार बल्लेबाजों ने बांग्लादेश के स्पिनरों मेहदी हसन मिराज और रिशाद हुसैन के खिलाफ जोखिम लेने से बचने की रणनीति अपनाई। यही तरीका उन्होंने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद के खिलाफ भी अपनाया और ये तीनों गेंदबाज काफी किफायती साबित हुए। अब उनके सामने मिचेल सेंटनेर और माइकल ब्रेसवेल की चुनौती होगी जो इस टूर्नामेंट में स्पिन के सामने सबसे कठिन परीक्षा भी रहेगी। दोनों कीवी स्पिनर अच्छे फॉर्म में हैं और दुबई की पिच पर और प्रभावी साबित हो सकते हैं।

20 ओवर खेलना है स्पिन गेंद

भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों को इक्के दुक्के रन लेकर बड़े शॉट तेज गेंदबाजों के खिलाफ खेलते आए हैं। लेकिन अब उन्हें 20 ओवर सेंटनेर और ब्रेसवेल का सामना करना है जबकि ग्लेन फिलिप्स भी अनियमित स्पिन गेंदबाज हैं। पिछले साल के आखिर में घरेलू टेस्ट श्रृंखला में सेंटनेर और फिलिप्स के खिलाफ भारत का अनुभव अच्छा नहीं रहा है। भारत को उसमें 0-3 से पराजय झेलनी पड़ी थी और अब यहां इन दोनों के साथ ब्रेसवेल भी हैं जिन्होंने अब तक दो मैचों में 3.2 की औसत से ही रन दिए हैं। ऐसे में फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल, पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद शतक जमाने वाले विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को प्रभावी प्रदर्शन करना होगा।

खबर संक्षेप

अय्यर ने नेट गेंदबाज जसकिरण को दिए जूते

दुबई। आईसीसी क्रिकेट अकादमी पर नेट गेंदबाज जसकिरण सिंह के लिए यह खास पल था जब भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने उन्हें चैम्पियंस ट्रॉफी अभ्यास सत्र के दौरान एक जोड़ी जूते भेंट किए। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट और क्रिकेट के शौकीन जसकिरण लांगआफ पर फील्डिंग कर रहे थे जब अय्यर ने उनके पास जाकर कहा, 'पाजी क्या हाल चाल, सब बढ़िया।' जसकिरण ने कहा, 'श्रेयस भाई मेरे पास आए और पूछा कि तुम्हारे जूते का साइज क्या है। मैने कहा कि दस तो उन्होंने कहा कि मेरे पास तुम्हारे लिए कुछ है और उन्होंने मुझे ये जूते दिए। मेरे लिये यह बहुत मायने रखता है।'

डु प्लांटिस ने बेहतर किया विश्व रिकॉर्ड

क्लेरमोंट-फेरां। मोंडो डुप्लांटिस ने यहां विश्व एथलेटिक्स इंडोर टूर मीट के दौरान पोल वॉल्ट में अपना विश्व रिकॉर्ड बेहतर करके 6.27 मीटर की कूद लगाई। ओलंपिक और विश्व चैंपियन डुप्लांटिस ने पोलैंड में अगस्त में बनाए गए अपने विश्व रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर बेहतर किया। यह पोल वॉल्ट में उनका 11वां विश्व रिकॉर्ड है। उन्होंने पहले ही प्रयास में यहां रिकॉर्ड बनाया।

पंत के लिए टीम से बाहर रहना काफी कठिन

दुबई। भारत के सहायक कोच रियान टेन डोइशे ने कहा कि स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिये चैम्पियंस ट्रॉफी मैच बाहर से देखना कठिन है लेकिन इस स्तर पर खेल की यही प्रकृति है। पिछले दो ग्रुप मैचों में पंत अंतिम एकादश से बाहर रहे हैं जबकि केएल राहुल ने विकेटकीपिंग की है। उन्होंने मध्यक्रम में अच्छी बल्लेबाजी के साथ विकेट के पीछे भी अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। डोइशे ने कहा, 'ऋषभ के लिए बाहर रहना काफी कठिन रहा है। लेकिन इस स्तर पर खेल का यही स्वभाव है।'

रद्द हुए दो मैच का पैसा होगा वापस

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को रावलपिंडी में बारिश के कारण रद्द हुए दो चैंपियंस ट्रॉफी मैचों के लिए टिकट की पूरी राशि वापस करने की घोषणा की। बारिश के कारण 25 फरवरी को ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच और 27 फरवरी को बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच मैच एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया था। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी टिकट वापसी नीति के अनुसार अगर टॉस से पहले मैच रद्द कर दिया जाता है तो टिकट धारक पूरा पैसा वापस पाने के पात्र हैं।

इंग्लैंड दूसरी बार एक भी जीत दर्ज किए बिना टूर्नामेंट से बाहर

द.अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चौथी टीम, इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| कराची

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को यहां ग्रुप बी के अपने अंतिम मैच में मुश्किलों से जूझ रही इंग्लैंड की टीम को सात विकेट से हराने से पहले ही ऑस्ट्रेलिया के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। दक्षिण अफ्रीका ने हेनरिच क्लासेन (64 रन) और रासी वान डर डुसेन (नाबाद 72 रन) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 122 गेंद में 127 रन की साझेदारी की मदद से 29.1 ओवर में तीन विकेट पर 181 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

इंग्लैंड के इतिहास में यह दूसरी बार है जब चैंपियंस ट्रॉफी के किसी चरण में उसने एक भी जीत दर्ज नहीं की। इससे पहले 1998 में ऐसा हुआ था। सेमीफाइनल की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुके इंग्लैंड को रन-रेट के आधार पर अफगानिस्तान को क्वालीफाई करने का मौका देने के लिए कम से कम 207 रन से जीत की जरूरत थी। लेकिन वह 38.2 ओवर में टूर्नामेंट के सबसे कम 179 रन के स्कोर पर सिमट गई। दक्षिण अफ्रीका ने मैच के परिणाम निकले बिना ही नॉकआउट में अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ग्रुप बी में पांच अंक लेकर आस्ट्रेलिया (चार अंक) से आगे शीर्ष पर रहा।

सेमीफाइनलिस्ट तय

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में चारों सेमीफाइनलिस्ट का फैसला हो गया है। न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अब साउथ अफ्रीकी टीम ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। साउथ अफ्रीका की एंट्री के साथ ही अफगानिस्तान की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं। हालांकि सेमीफाइनल मुकाबले में कौन सी टीम किससे मुकाबला करेगी, ये रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले के बाद ही पता चल पाएगा। ग्रुप-ए से भारत और न्यूजीलैंड की टीम सेमीफाइनल में पहुंचीं। वहीं ग्रुप-बी से साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने ये उपलब्धि हासिल की।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
सॉल्ट का डुसेन बो यानसेन	08	06	2	0
बेन डकेट का एवं बो यानसेन	24	21	4	0
स्मिथ का मारक्रम बो यानसेन	00	03	0	0
जो रूट बो मुल्डर	37	44	4	1
ब्रूक का यानसेन बो महाराज	19	29	3	0
बटलर का महाराज बो एनगिडी	21	43	0	0
लियाम स्ट क्लासेन बो महाराज	09	15	1	0
ओवरटन का एनगिडी बो रबाडा	11	20	1	0
आर्चर का यानसेन बो मुल्डर	25	31	4	0
राशिद का क्लासेन बो मुल्डर	02	09	0	0
साकिब महमूद नाबाद	05	10	0	0

अतिरिक्त : 18, कुल : 38.2 ओवर में 179/10
गेंदबाजी : यानसेन 7-0-39-3, एनगिडी 7-0-33-1, रबाडा 7-1-42-1, मुल्डर 7.2-0-25-3, महाराज 10-1-35-2.

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
रेयान रिकलटन बो आर्चर	27	25	5	0
ट्रिस्टन स्टब्स बो आर्चर	00	05	0	0
रासी वान डर डुसेन नाबाद	72	87	6	3
क्लासेन का महमूद बो राशिद	64	56	11	0
डेविड मिलर नाबाद	07	02	0	1

अतिरिक्त : 11, कुल : 29.1 ओवर में 181/3
गेंदबाजी : आर्चर 9-0-55-2, महमूद 5-0-31-0, ओवरटन 5-0-34-0, राशिद 7-0-37-1, लिविंगस्टन 3.1-0-24-0.

सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका को यात्रा की चुनौती

दुबई। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीमें चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम चार मैच से पहले दुबई के लिए उड़ान भरेंगी लेकिन अभी यह तय नहीं है कि उनका सेमीफाइनल दुबई में होगा या पाकिस्तान में। चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल चार मार्च को खेला जाएगा जबकि लाहौर बुधवार को दूसरे सेमीफाइनल की मेजबानी करेगा। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल में भारत की मौजूदगी तय है लेकिन रोहित शर्मा की टीम के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में से किसका सामना होगा इसका पता रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच ग्रुप ए के आखिरी मैच के नतीजे पर निर्भर करेगा। ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम ग्रुप बी में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी। भारत अपना नॉकआउट मैच मंगलवार को दुबई में खेलेगा चाहे वह ग्रुप ए में पहले स्थान पर रहे या दूसरे स्थान पर। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे सेमीफाइनल के लिए कौन सी टीम लाहौर लौटेगी, इसका पता चलने से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दोनों को दुबई जाना होगा और रविवार के मैच के नतीजे का इंतजार करना होगा।

रणजी ट्रॉफी फाइनल

नायर का सत्र में 9वां शतक, विदर्भ ने केरल पर बनाई 286 रन की बढ़त

एजेंसी ▶▶| नागपुर

करुण नायर ने शनिवार को यहां रणजी ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन दूसरी पारी में शनिवार को यहां नाबाद 132 रन बनाकर विदर्भ को 286 रन की कुल बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

नायर ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सत्र में अपना चौथा शतक जड़ा। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में भी पांच शतक लगाए जिससे इस सत्र में उनके नाम कुल नौ शतक हो गए। नायर की इस पारी से विदर्भ रणजी ट्रॉफी के अपने तीसरे खिताब के काफी करीब पहुंच गया है। रणजी ट्रॉफी के 90वें सत्र के फाइनल में नायर ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए 280 गेंद की धैर्यपूर्ण पारी में 132 रन बनाए जिससे विदर्भ ने दिन का समापन चार विकेट पर 249 रन पर किया। विदर्भ ने पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल की थी। पहली पारी में शानदार शतक जड़ने वाले दिनेश मालेवार ने एक बार फिर कमाल की बल्लेबाजी करते हुए 73 रन बनाए और चौथे विकेट के लिए नायर के साथ 182 रन की बड़ी साझेदारी की।

बिली जीन किंग कप: विशाल ने की बतौर कप्तान टीम में वापसी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अखिल भारतीय टेनिस संघ की चयन समिति ने आगामी बिली जीन किंग कप के लिए शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को भारतीय टीम में शामिल किया जिसका नेतृत्व अंकिता रैना कर रही हैं जबकि विशाल उप्पल की कप्तान के तौर पर दो साल बाद वापसी हुई है। नंबर एक खिलाड़ी रैना की टीम में सहजा यमलापल्ली, श्रीवल्ली भामिदिपति, वैदेही चौधरी होंगे जबकि प्रार्थना थोम्बरे पांच सदस्यीय टीम में युगल विशेषज्ञ होंगी।

हाल में डब्ल्यूटीए मुंबई ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली माया राजेश्वरन टीम में रिजर्व खिलाड़ी होंगी। भारत आठ अप्रैल से पुणे के डेक्कन जिमखाना में बिली जीन किंग कप की मेजबानी करेगा। आयोजन स्थल पर 2 अप्रैल से ट्रेनिंग शिविर शुरू होगा जिसमें रुतुजा भोसले और वैष्णवी अडकर को भी तैयारियों का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया है। मार्च 2023 में उप्पल को गैर-खिलाड़ी कप्तान के रूप में हटा दिया गया और उनकी जगह शालिनी ठाकुर को नियुक्त किया गया।

आय कोई पैमाना नहीं खेल सभी के लिए : रमन्ना

हैदराबाद। भारत की दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू के पिता और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी पीवी रमन्ना ने कम आय वाले परिवारों के बच्चों को खेलों में हाथ आजमाने को लेकर चल रही बहस पर कहा कि कई तरह की चुनौतियों के बावजूद वह खिलाड़ियों और उनके माता-पिता को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करने से कभी हतोत्साहित नहीं करेंगे। खुद मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद रमन्ना ने वॉलीबॉल में देश का प्रतिनिधित्व किया और वह 1986 एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। रमन्ना ने कहा, 'जब मैं तीन साल का था तब मेरे पिता की मृत्यु हो गई। मैं 10 भाई-बहनों में सबसे छोटा था। लेकिन मेरे बड़े भाई-बहन मेरा समर्थन करके और मुझे राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल खेलते हुए देखकर बहुत खुश थे क्योंकि उस खेल के कारण मुझे रेलवे में नौकरी मिल गई।'

'फिट इंडिया...' को ओलंपिक चैंपियन नीरज का समर्थन

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने शनिवार को सरकार के 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' अभियान को समर्थन देने का संकल्प लिया। कहा कि इस पहल से लोगों को सिर्फ अपनी फिटनेस सुधारने में ही मदद नहीं मिलेगी बल्कि वे प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी योगदान करेंगे। भाला फेंक सुपरस्टार ने लोगों से हर रविवार को समय निकालकर इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया।

पश्चिम मध्य रेल
वाणिज्य विभाग, जबलपुर मण्डल
क्र. जबल/सी/170/ई–ऑक्शन/विविध/25, दिनांकः 28.02.2025
वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक जबलपुर द्वारा IREPS पर पंजीकृत संस्थाओं से ई–ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापन एवं एसएलआरलीजिंग ठेके हेतु बोलियों आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर प्रकाशित किया जा चुका है जबलपुर मंडल के आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है। **श्रेणी** : पार्सल लीजिंग, **कैटेलागः** JBP-C-Par-50, **एसेट विवरणः** जबलपुर मंडल की गाड़ी संख्या 12160 (जबलपुर–अमरावती), 11651 (जबलपुर–सिंगरौली), 18248 (रीवा–बिलासपुर), 12187 (जबलपुर–सी.एस.एम.टी.), 22190 (रीवा–जबलपुर), 12186 (रीवा – आर.के.एम.पी.), 22188 (अधारताल–आर.के.एम.पी.), 22162 (दमोह–भोपाल), 12062 (जबलपुर–आर.के.एम.पी.), 20906 (रीवा–एकता नगर), 22189 (जबलपुर–रीवा), 11706 (रीवा–जबलपुर), 20827 (जबलपुर–संतरागाछी), 11751 (रीवा–चिरमरी), 15206 (जबलपुर–लखनऊ), 12187–12188 (जबलपुर–सी.एस.एम.टी.–जबलपुर) के एसएलआर लीजिंग हेतु।, **ऑक्शन प्रारंभः** 11–03–2025, 12:00 hrs, **ऑक्शन समापनः** 11–03–2025, 15:10 hrs. 1. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बधिंत जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. देखे। 2. उक्त ई–ऑक्शन आई.ई.पी.एस. (IREPS) के ई–ऑक्शन मोड्यूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। 3. ई–ऑक्शन सम्बधित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्ते आदि आई.आर.ई.पी.एस.(IREPS) की वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है। 4. बोलीदाता IREPS में उल्लेखित दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई–ऑक्शन में भाग ले सकते है। 5. सभी संभावित बोली दाताओं से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से सम्बधित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in. का अवलोकन करते रहें।
(हस्ता.)
कृते मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल्वे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल
शुद्धिपत्र संख्या 13/2025
निविदा सं 40245037 जिसके खुलने की तिथि 10/03/2025 थी, जो कि इस कार्यालय की निविदा नोटिस सं. EPS/59/2025 के तहतप्रकाशित की गई थी, इसमें निम्न संशोधन किए गए हैं– **Tender No.:** 40245037, **Description: From:** Existing, **To:** DESIGN, MANUFACTURING & SUPPLY OF 12.3 MVA, 55/27.5 KV AUTO TRANSFORMER SUITABLE FOR 220/132/2x55 KV SCOTT CONNECTED POWER TRANSFORMER AS PER RDSO SPECN. No. TI/SPC/PSI/AUTOTR/1200 WITH A&C Slip No. 01 or latest. Item to be procured through RDSO approved source only. अद्धतन एवं पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाईट https://www.ireps.gov.in देखें।
(हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.
LIC HFL LIC HOUSING FINANCE LTD
एरिया ऑफिस :– 18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मराठाल, जबलपुर – 482001 (म.प्र.) फोन नं. 0761–2401338, Website: www.lichousing.com

परिशिष्ट–IV नियम 8(1) भौतिक आधिपत्य सूचना (अचल संपत्ति के लिए)
अधोहस्ताक्षरकर्ता एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम के साथ प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये निम्नलिखित ऋणधारियों को ब्याज राशि सहित नोटिस प्राप्ति के दिनांक से 60 दिन की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। ऋणीग्रहिता राशि का भुगतान करने में असफल रहा है अत: ऋण ग्रहिता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम (8) के साथ पढ़ा जाये एतरिमन नीचे वर्णित संपत्ति का आधिपत्य को ग्रहण कर लिया गया है। ऋणगहिता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिये निम्न खाते के सामने अंकित एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि. प्रभार के अधीन होगा।

क्रं.	ऋण खाता संख्या	खातेदार का नाम एवं पता	संपत्ति विवरण	मांग सूचना तिथि / कब्जा सूचना	उल्लेखित राशि ₹ मांग सूचना पत्र
1.	120500014100	श्री मोहम्मद वासिब श्रीमती शमीम बेगम पता 118, जामा मस्जिद के पीछे अंधेरदेव, लोकमान्य तिलक वार्ड, जबलपुर, म.प्र. , 482001	प्लॉट नंबर 37, जय भीम नगर, पोलीपाथर, एनबी 164 पटवारी हल्का नंबर 24–2, ग्वारीघाट रोड, नर्मदा नगर, जबलपुर, 482002 क्षेत्र 725 वर्ग फीट	19.04.2024 / 27.02.2025	32,42,126.27 + ब्याज व अन्य खर्चे

ऋणी एवं जमानतदारों को सूचित (Notice) किया जाता है। कि इस नोटिस के छपने की तारीख के 30 दिनों के अंदर, वे उपरोक्त राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं खर्चो का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित संपत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्चे सहित ऋणी एवं जमानतदार से की जावेगी।
दिनांक : 02.03.2025
स्थान : जबलपुर
आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

पश्चिम मध्य रेल
खुली निविदा इंजीनियरिंग विभाग
निम्नलिखित कार्य के ई.निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष मे वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.20.2025 दिनांक 22.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** पिपरिया–पिपरिया स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्ट लेस ट्रैक (बीएलटी–आईफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 4,90,63,689/–, **बयाना राशि रूपयेः** 3,95,300/–, **समापन अवधिः** 08 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 18.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 18.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू. –जे.बी.पी.21.2025 दिनांक 22.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** कटनी – कटनी स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 2 एवं 3 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी – आईफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 9,75,56,600/–, **बयाना राशि रूपयेः** 6,37,800/–, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 18.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 18.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.22.2025 दिनांक 22.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** कटनी मुड़वारा – कटनी मुडवारा स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 3 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी–आईफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 4,76,63,030/–, **बयाना राशि रूपयेः** 3,88,300/–, **समापन अवधिः** 08 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 18.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 18.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.23.2025 दिनांक 24.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** जबलपुर – जबलपुर स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 2 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी – आईफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 4,71,07,469/–, **बयाना राशि रूपयेः** 3,85,500/–, **समापन अवधिः** 08 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.24.2025 दिनांक 24.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सिहोरा – सिहोरा स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 1 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी – आईफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 4,63,61,888/–, **बयाना राशि रूपयेः** 3,81,800/–, **समापन अवधिः** 08 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.25.2025 दिनांक 24.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** नरसिंहपुर – सहायक मंडल अभियंता नरसिंहपुर उपसंभाग के अधीन नरसिंहपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 एवं 2 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी–आईफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 9,22,04,191/–, **बयाना राशि रूपयेः** 6,11,000/–, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.26.2025 दिनांक 24.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मंडल अभियंता (उत्तर) जबलपुर क्षेत्राधिकार के तहत कटनी – मनिकपुर खंड में ट्रैक के साथ बाउंड्री वाल/ट्रैक फेंसिंग का निर्माण।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 75,37,74,983/–, **बयाना राशि रूपयेः** 39,18,900/–, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.27.2025 दिनांक 25.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सतना – सतना स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 1 और 3 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी–आईएफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 9,66,64,314/–, **बयाना राशि रूपयेः** 6,33,300/–, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.28.2025 दिनांक 25.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** मैहर – मैहर स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 1 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी–आईएफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 4,76,64,119/–, **बयाना राशि रूपयेः** 3,88,300/–, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.29.2025 दिनांक 25.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सागर–स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 1 और 2 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी–आईएफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 9,22,03,102/–, **बयाना राशि रूपयेः** 6,11,000/–, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.30.2025 दिनांक 25.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** दमोह–स्टेशन प्लेटफार्म संख्या 1 और 2 पर स्टेशन विकास के लिए बैलास्टलेस ट्रैक (बीएलटी–आईएफएस सिस्टम) का प्रावधान।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 9,22,03,102/–, **बयाना राशि रूपयेः** 6,11,000/–, **समापन अवधिः** 12 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025, **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू.–जे.बी.पी.31.2025 दिनांक 25.02.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** सहायक मंडल इंजीनियर (मुख्यालय) जबलपुर उप–मंडल के अधीन जबलपुर में दो वर्षों के लिए रेल सौरभ गार्डन का दैनिक रखरखाव।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपयेः** 31,77,288/–, **बयाना राशि रूपयेः** 6,3600/–, **समापन अवधिः** 24 माह, **निविदा भरने कि अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजेः** 21.03.2025, **निविदा खुलने कि तिथि एवं समय 15.15 बजेः** 21.03.2025। उपरोक्त ई–निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाइट *"https://ireps.gov.in"* उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई–निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। (हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पमरे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्नान के समय हादसा, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

प्रयागराज से लौटा कर्नाटक का श्रद्धालु बरगी डेम में डूबा

हरिभूमि जबलपुर।

प्रयागराज महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के बाद कर्नाटका के बैंगलुरू लौट रहे 5 श्रद्धालुओं का एक समूह गत सुबह करीब 10 बजे बरगी डेम पहुंचा। डेम के पानी में स्नान करने के लिए उतरने के बाद, एक युवक गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते पानी के अंदर समा गया। इस घटना के बाद, उसके साथियों ने शोर मचाया और स्थानीय लोगों ने बचाव के प्रयास किए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बरगी पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश शुरू कर दी, लेकिन शनिवार देर शाम बजे तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया।

जानकारी के अनुसार, उक्त श्रद्धालु एक लाल रंग की हुंडई कार (क्रमांक केए 04 एमएल 5623) से बरगी डेम पहुंचे थे। कार पार्किंग में खड़ी कर समूह के 5 लोग पानी में स्नान के लिए उतर गए थे, जिनमें से 3 लोग पानी में थे जबकि 2 लोग बाहर खड़े थे। स्नान के दौरान 24 वर्षीय युवक पानी में तैरते हुए आगे बढ़ा और तेज बहाव में बह गया। इस घटना के बाद, स्थानीय लोगों ने युवक को बचाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। उसके साथी और परिजन उसे तलाशते हुए करीब 1 किलोमीटर तक नदी के किनारे दौड़े, लेकिन युवक का कोई पता नहीं चला।

लापरवाही या हादसा

स्थानीय लोगों और पुलिस का कहना है कि डेम में स्नान करते समय पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा लगाना मुश्किल होता है, जिससे इस तरह के हादसे का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, घटनास्थल पर सुरक्षा और सतर्कता के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की भी बात सामने आई है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पुलिस और स्थानीय लोग आपस में भाषा संवाद की समस्या का सामना कर रहे हैं, और युवक की तलाश के लिए जिला मुख्यालय से होमगार्ड गोताखोरों की टीम भी बुला ली गई है।

शादीशुदा नर्सिंग कर्मी ने आधार कार्ड व पेनकार्ड भी फर्जी बनवाए

आर्मी का डॉक्टर बनकर दिया शादी का झांसा, 3 लाख ठगे

जबलपुर। एक शातिर ठग ने मेट्रोमोनी साईट पर विवाह के लिए अपनी प्रोफाईल बनाकर स्वयं को आर्मी का चिकित्सक बताकर एक युवती को विवाह के लिए झांसा देकर उससे 3 लाख रुपए विभिन्न तरीकों से ऐठ लिए। हनुमानताल पुलिस ने गत दिवस आरोपी मूलतः नरसिंहपुर के गाडरवारा निवासी हरिशंकर विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया तब पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी का असली नाम हरिशंकर कौरव है वह न केवल शादीशुदा है बल्कि एक बच्चे का पिता भी है। इतना ही नहीं आरोपी ने फर्जी प्रोफाइल के साथ-साथ अपना पेनकार्ड और आधारकार्ड फर्जी बनाकर रखा था। आरोपी राईट टाउन स्थित एक निजी अस्पताल में नर्सिंग कर्मी के रुप में काम करता था। आरोपी हरिशंकर विश्वकर्मा ने जीवन साथी आनलाइन एप्लीकेशन पर हरिशंकर विश्वकर्मा के नाम से विवाह के लिए प्रोफाइल बनाया। प्रोफाइल में स्वयं को अविवाहित और चिकित्सक बताया।

उसकी प्रोफाइल देखकर हनुमानताल थाना क्षेत्र में रहने वाली एक 29 वर्षीय युवती ने विवाह के लिए दिलचस्पी ली। जिसके बाद दोनों की सोशल मीडिया पर बातचीत होने लगी और युवती के स्वजन ने उनके वैवाहिक रिश्तें के प्रस्ताव को भी मान लिया। उसके बाद आरोपी, युवती के घर आने-जाने लगा। आरोपी ने युवती के परिजनों को विश्वास में लेकर अलग अलग कारण बताकर तीन लाख रुपए भी ले लिए। आरोपी पकड़ा न जाए इसके लिए उसने अपनी प्रोफाइल बनाते समय अपना नाम और उपनाम बदल लिया और खुद को सेना के अस्पताल में लेफ्टिनेंट डाक्टर बताया।

राइट टाउन स्थित अनंत हास्पिटल में पार्ट टाइम सेवा देने की जानकारी दी। आरोपित इतना शातिर था कि उसने छद्म नाम हरिशंकर विश्वकर्मा का जाली आधारकार्ड व पेनकार्ड तैयार करवा लिया।

पश्चिमी हवाएं कराने लगीं गर्मी का अहसास

दिन और रात के तापमान में 4 डिग्री का उछाल

जबलपुर। पश्चिमी हवाओं की वजह से तापमान दिन पर दिन बढ़ रहा है। अब गर्मी अपना असर दिखाने लगी है। दिन में तेज धूप पड़ रही है। दिन का तापमान भी सामान्य से 4 डिग्री अधिक हो चला है। रात में भी अब हल्की गर्माहट होने लगी है। रात के दूसरे पहर के बाद जरुरी शीतल बयारें चलती रहीं। रात का तापमान औसत से 4 डिग्री ऊपर चला गया है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के प्रवक्ता ने बताया कि मौसम पूरी तरह से शुष्क हो गया है। हवा में नमी एकदम घटने लगी है। तापमान बढ़ने लगा है। शनिवार को तापमान 34 डिग्री के पार चला गया। इस साल मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक गर्मी काफी तेज पड़ेगी। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकत्तम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री अधिक, न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 49 प्रतिशत और सायंकाल 32 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6.30 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.14 मिनिट पर हुआ। प्रदेश में सबसे कम 10.6 डिग्री तापमान पचमढ़ी में दर्ज किया गया। उत्तर पश्चिमी हवायें 6 से 7 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। गत वर्ष आज के दिन का अधिकतम तापमान 34.3 और न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री दर्ज किया गया था।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन ट्रेन अब 5 मार्च को जाएगी

जबलपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत शनिवार 1 मार्च की दोपहर जबलपुर से वरिष्ठ नागरिकों को रामेश्वरम लेकर जाने वाली विशेष ट्रेन स्थगित हो गई है। अब यह ट्रेन 5 मार्च को रामेश्वरम की तीर्थ यात्रा के लिये रवाना होगी। आईआरसीटीसी के भोपाल स्थित आर ओ कार्यालय में पदस्थ अधिकारी राहुल होलकर ने द्वारा जिला प्रशासन को दी गई सूचना के अनुसार रामेश्वरम के लिए 1 मार्च को निर्धारित एमएमटीडीवाई-11 मुख्य मंत्री तीर्थ दर्शन ट्रेन का प्रस्थान स्थगित कर दिया गया है। नई प्रस्थान तिथि 5 मार्च को निर्धारित की गई है। यह स्थगन ट्रेन की पैंट्री कार में पाई गई तकनीकी समस्याओं के कारण किया गया है। सभी तीर्थ यात्रियों की सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने के लिये इस तकनीकी समस्या को शीघ्र दूर कर लिया जायेगा और 5 मार्च को इसे रामेश्वरम रवाना किया जायेगा।

धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई करने आदेश

शासकीय भूमि विक्रय करने पर अदालत ने लिया संज्ञान

जबलपुर। प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी भरत परमार की अदालत ने एक परिवार पर संज्ञान लेकर रांझी पुलिस को शासकीय भूमि विक्रय करने के आरोपित के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करने अग्रिम कार्रवाई का आदेश दिया है। आवेदक न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी राजेश श्रीवास्तव उर्फ सोनू ने गोकलपुर रांझी निवासी रोहित कुमार नामदेव के विरुद्ध एक परिवाद दायर किया था जिसमें कहा गया था कि परिवादी और अनावेदक दोनों अच्छे मित्र थे। 50 सालों से पारिवारिक संबंध रहे। इसी विश्वास का फायद उठाकर अनावेदक रोहित कुमार नामदेव ने भड़पुरा स्थित 800 वर्ग फुट शासकीय जमीन को निजी आधिपत्य की बताकर विक्रय पत्र 7 जुलाई 2020 को अनुबंधित किया और 7 लाख 20 हजार रुपए ले लिए। आवेदक को जब इस धोखाधड़ी का पता चला तो उसने विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष शिकायत की और कोई कार्रवाई नहीं होने पर न्यायालय के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया। तमाम दस्तावेजों के परिक्षण और परिवादी के अधिवक्ता जीएस ठाकुर अरुण कुमार भगत, प्रखर श्रीवास के तर्कों को सुनने के बाद न्यायालय ने पाया कि प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी का प्रकरण बनता है न्यायालय ने परिवाद निरस्त कर अनावेदक के विरुद्ध धारा 420, 467, 468, 471 भारतीय दंड विधान के तहत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस को दिए। प्रकरण दांडिक पंजी में दर्ज करने के भी निर्देश दिए है।

उजारपुरवा में वारदात में युवक गंभीर

नहीं थम रही शहर में चाकूबाजी की घटनाएं

जबलपुर। क्षेत्र में चाकूबाजी की घटनाएं अब चिंता का सबब बनती जा रही हैं। पुलिस द्वारा संदिग्धों की तालाशी लेने और देर रात फालतू घूमने वालों की रोकाटोकी नहीं होने से छोटे छोटे विवाद में चाकू चल रहे हैं। प्रतिदिन दर्जनों चाकूबाजी की वारदातें हो रही है। कल फिर देर रात लार्डगंज थाना अतंर्गत उजारपुरवा गली नंबर 2 में आधा दर्जन बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। घायल को इलाज के लिए मेडीकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मेडिकल अस्पताल पहुंचे परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक सर्वोदय नगर रानीताल निवासी रमेश कोरी कल रात अपने घर के पास खड़ा था उसी दौरान समीर डुमान नाम का बदमाश अपने आधा दर्जन साथियों के साथ आया और उससे विवाद करने लगा। विरोध करने पर आरोपियों ने रमेश कोरी पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रुप से घायल रमेश को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत देखते हुए उसे मेडीकल कॉलेज रिफर कर दिया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना की जानकारी लगने के बाद मेडिकल अस्पताल पहुंचे यादव कॉलोनी चौकी प्रभारी सतीश झरिया मामले में जानकारी देते हुए बताया है कि घायल युवक रमेश कोरी को आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने चाकू मार कर घायल कर दिया। आरोपियों की तलाश की जा रही है। घायल फिलहाल बयान देने की स्थिति में नहीं हैं लिहाजा घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 109, 34 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है।

HONDA

All New ACTIVA 110

Scooter बोले तो ACTIVA

Honda RoadSync App

Smart TFT screen

Smart Key Technology

All New ACTIVA 125

Scratch & Win* for Assured Gift

Exchange Bonus worth ₹2000/-*

Low ROI @7.99%**

Cashback of 5% up to ₹5000#

IDFC FIRST Bank Credit Card*

HDFC BANK Credit Card*

Limited Period Offers

For dealer details scan the QR Code

+Terms and conditions apply. #Cashback Offer is available on purchase of any Honda two wheeler model includes 5% cashback upto maximum of ₹5000 on EMI transactions using HDFC bank credit card and IDFC FIRST bank credit card through Pine Labs machines only. #The scheme is available in selected outlets only. #Cashback offer is valid until 31st March 2025. **The finance scheme is at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. **The offers may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Schemes of Scratch & Win with assured gift and ₹2000 Exchange Bonus on all models are offered by Authorised Main Dealers and Associate Dealers and can be availed on purchase of all models from Authorised Main Dealers and Associate Dealers. *This scheme is for both Finance & Cash Customers. *The offers are applicable in Uttar Pradesh, Uttarakhand, Madhya Pradesh, Chhattisgarh only. *Scheme can be withdrawn from the market without prior notice. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1 , Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: BALAGHAT: Dreams Honda - 8349272776, 07632244220; Dreams Honda (Baihar) - 8269793376, 7389353376; **CHHINDWARA:** Akshit Honda (Chourai) - 8989994445, 9770066639; Akshit Honda (Parasia Road, Chhindwara) - 8989994440, 9770066619; Akshit Honda (Seoni Road, Chhindwara) - 8989994441, 9770044415; Akshit Honda (Amarwara) - 8989994443, 9770066640; Akshit Honda (Parasia) - 8989994442, 9770066638; Shyam Honda (Pandhurna) - 9425818989; Ayush Honda (Junnardeo) - 9425871626, 6267013113; Maa Vaishnav Honda (Bichhua) - 8989994446, 9770066641; Manish Honda (Sausar) - 9244569009, 9200010004; **CHHATARPUR:** Namostu Honda (Chhatarpur) - 9407184511, 9425815111; KGN Automobiles (Luv Kush Nagar) - 7582807444, 9993920927; Sanvi Honda (Maharajpur) - 9907605858; Arihant Automobiles (Bada Malehra) - 9827042401; **DAMOH:** Texol Honda - 9407071200, 9425096191; **JABALPUR:** Sahil Honda - 7771003865, 7771003887; Frontier Honda - 8226001881, 8226001882; Anand Wheels Honda - 7049919750, 7049919755, 9424994480; Anand Wheels Honda (Adhartal) - 7049919753, 7049919755; Sahil Honda (Madan Mahal) - 7771003899, 7771003880; Sai Honda (Gadasarai) - 9926360842; SKR Honda (Sihora) - 9977448009; Sonico Honda (Dindori) - 9424508485, 6262908035; Balaji Honda (Barela) - 8602391415; J P Honda (Bargi) - 9399374447; Sai Honda (Dhanpuri) 8319138424; Shri Honda (Gosalpur) - 9732235782, 9479949844; **MANDLA:** Rajul Honda - 7642260711, 9893554611; **NARSINGHPUR:** Amisha Honda - 9425815655; Amisha Honda (Gadarwara) - 9425815655; Sudeep Honda (Kareli) - 8989252525; **SEONI:** Anurag Honda - 9827112711, 9827122712; Shiv Shakti Honda (Keolari) - 9407848143; **KATNI:** Shri Sahil Honda - 9425156978; Jaishree Honda (Barhi) - 9009705200; Shri Shambhu Automobiles (Vijayraghavgarh) - 7987061672; JCM Aman Motors (Bilahri) - 7566056605; Murli Motors (Sleemnabad) - 7999077781; Quadri Honda (Umaria Pan) - 9074210324; **SHAHDOL:** Utsav Honda - 07652-298532, 8349283655; G L Honda (Umariya) - 9329523156; Virasini Honda (Anuppur) - 8770423634; Jay Ambe Honda (Kotma) - 9300416285; Keshav Honda (Beohari) - 9425887009; Gautam Honda (Burhar) - 9425182213; Hindustan Honda (Pali) - 9302180568; **SATNA:** Krishna Honda - 8109043900, 7024924444, 7225868641, 229900; Eagle Honda - 7583808564, 6267275500; Deepak Honda (Ramnagar) - 9098804444, 9981162343; MaaDurga Honda (Rampur Baghelan) - 9425887633; Pasari Honda (Maihar) - 9827655550, 7000841741; Abhishek Honda (Amarpatan) - 9993676313, 9584860650; **REWA:** Rewa Maa Honda - 6262613690, 6262613695; Baikunthpur Honda (Baikunthpur) - 8982388380; N.K. Honda - N.K. Honda - 7694018001, 7694018002; Dev Wheels Honda (Mauganj) - 9685226689; M.R. Honda,Mangawan - 9977095984; Prince Honda (Semariya) - 993885882; Pushpendra Honda (Garh) - 9419566621; **SIDHI:** Laxmipati Honda - 9826540577, 8349790577; Laxmipati Honda (Rampur Naikan) - 9713240577, 8349790577; Shubham Honda (Bahari) - 7415825564, 7610332359; **WAIDHAN:** Agrasen Honda - 233016, 7049925591, 7049925593, 07805-350279; **PANNA:** Selection Honda - 9993586233; BHOPAL: Surana Honda - 4074455, 7566665646; Rajpal Honda - 4254000, 9425019567; BGS Honda - 4044441, 4231111, 8889999743; Om Auto Honda - 9826331339, 4003018/19; Power Honda - 2981111, 7024877777; Power Honda (Gulmohar) - 4256062, 7880055510; BGS Honda (Kolar Road) - 4038111, 8889999481; BGS Honda (Karondi) - 08889994503; Rajpal Honda (MP Nagar Zone-2) - 2571100, 9424494542; Shubhi Honda (Udaipura) - 9893255494; Shiv Honda (Berasia) - 9827205909; Karma Honda (Begumganj) - 9893141574; Poorvi Honda (Khilchipur) - 9827828182; Rajeev Honda (Mandeep) - 07480401458, 07415427302; JB Honda (Obedullaganj) - 07480224232, 9926566102; **TIKAMGARH:** Arjav Honda - 9806223193, 9630828006; Dhanushdhari Honda (Khargapur) - 9826264944; Ram Ji Honda (Palera) - 9560855084, Jainam Honda (Prithvipur) - 9713029419; Shanti Traders (Jatara) - 8871205164; **BHIND:** M.S. Honda - 9826351771, 7999875353; **MORENA:** The Roshan Honda - 9301124000; Gupta Honda (Shabalgarh) - 9893170387; **AMBAH:** Aryan Honda - 9826288045; **CHHATARPUR:** Namostu Honda (Chhatarpur) - 9407184511, 9425815111; KGN Automobiles (Luv Kush Nagar) - 7582807444, 9993920927; Sanvi Honda (Maharajpur) - 9907605858; Arihant Automobiles (Bada malehra) - 9827042401; **DAMOH:** Texol Honda - 9407071200, 9425096191.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda2wheelersindia.com

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240